THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 107 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.3 2082 रविवार, 13 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'अभी निष्कर्ष पर न पहुंचें' : एएआईबी की रिपोर्ट पर नागरिक उड्डयन मंत्री नायुडू का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे ने देशभर को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में कुल 260 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 229 यात्री, 12 क्रू सदस्य और 19 जमीन पर मौजूद लोग शामिल थे। ऐसे में इस हादसे के ठीक एक महीना के बाद शनिवार को एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायुडू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये एक शुरुआती जांच रिपोर्ट पर है और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट आने तक कोई भी आधिकारिक निष्कर्ष नहीं निकाला जाएगा।

पीएम ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

> मोदी बोले–बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'।

देश की विकास रफ्तार तेज करेंगे ये युवा :

युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबका साथ, सबका विकास' के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है– देश की सेवा।

जस्टिस सूर्यकांत बोले-अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता में 'थॉट लीडर' बनकर उभरा भारत

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि भारत अब केवल स्थापित मध्यस्थता केंद्रों की बराबरी करने की कोशिश नहीं कर रहा, बल्कि यह सोचने और गढ़ने में जुटा है कि एक बहुध्रुवीय और गतिशील वैश्विक कानूनी व्यवस्था में मध्यस्थता और सुलह कैसी होनी चाहिए। स्वीडन के गोथेनबर्ग में 10 जुलाई को हुए एक राउंडटेबल कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता में अब सिर्फ भागीदार नहीं, बल्कि एक 'थॉट लीडर' बनकर उभर रहा है।

देश में बन रहा मजबूत और भरोसेमंद मध्यस्थता तंत्र :

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारत में अब मध्यस्थता को वैकल्पिक नहीं, बल्कि मुख्य विवाद समाधान प्रणाली के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि कानूनी सुधारों, संस्थागत मजबूती और न्यायपालिका के सक्रिय सहयोग से देश में एक मजबूत और भरोसेमंद मध्यस्थता तंत्र बन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अभी कुछ बड़ी चुनौतियों का सामना करना है, खासकर मध्यस्थता के निर्णयों को लागू करने की प्रक्रिया में आने वाली अड़चनों को दूर करना जरूरी है। इसके अलावा, संस्थानों को और मजबूत करने और कानूनी पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता है।

तिरंगे का राजनीतिक और धार्मिक इस्तेमाल रोके सरकार

सुप्रीम कोर्ट में याचिका, कल होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को राजनीतिक और धार्मिक मकसदों से इस्तेमाल करने पर रोक लगाने की मांग को लेकर एक अहम याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। इस याचिका में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है कि किसी भी राजनीतिक पार्टी या धार्मिक समूह को राष्ट्रीय ध्वज के पक्षपातपूर्ण या धार्मिक उद्देश्य के लिए उपयोग करने से रोका जाए।

यह याचिका 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने सुनवाई के लिए पेश की जाएगी। इस बेंच में मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और एन वी अंजारिया शामिल हैं। याचिकाकर्ता ने अदालत से अपील की है कि वह केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को स्पष्ट निर्देश दे कि वे ऐसे किसी भी प्रयास को रोकें जिसमें राष्ट्रीय ध्वज पर पार्टी का लोगो, धार्मिक चिन्ह या किसी भी तरह का पाठ जोड़ा गया हो।

तिरंगे का सम्मान बनाए रखने की अपील :

याचिका में कहा गया है कि तिरंगे का राजनीतिक या धार्मिक प्रतीक के रूप में इस्तेमाल न सिर्फ संविधान की भावना के खिलाफ है, बल्कि यह राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 का भी उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि इन कानूनों का सख्ती से पालन कराया जाए, ताकि तिरंगे का हमेशा सम्मान बना रहे।

तिरंगे पर नहीं होने चाहिए पार्टी के निशान :

याचिका में विशेष तौर पर इस बात पर जोर दिया गया है कि कोई भी राजनीतिक दल तिरंगे पर अपना पार्टी चिन्ह या धार्मिक प्रतीक नहीं लगा सकता। यह अपील तब सामने आई है जब कई बार चुनावी रैलियों, धार्मिक आयोजनों या विरोध प्रदर्शन में तिरंगे को पार्टी के प्रतीक के साथ जोड़ा गया है, जिससे उसकी गरिमा को ठेस पहुंच सकती है। याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च अदालत से अपील की है कि वह केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश दे कि ऐसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि संबंधित संस्थाएं सुनिश्चित करें कि राष्ट्रीय ध्वज का किसी भी राजनीतिक फायदे या धार्मिक एजेंडे के लिए इस्तेमाल न किया जाए। भारतीय ध्वज संहिता और राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम, 1971 यह स्पष्ट करते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी तरह की अपमानजनक स्थिति में नहीं रखा जा सकता। बावजूद इसके, हाल के वर्षों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें तिरंगे का इस्तेमाल केवल पार्टी प्रचार या धार्मिक आयोजनों के दौरान किया गया।

'ईसी-भाजपा के बीच साझेदारी, भारत में बहुसंख्यक शासन लागू करना चाह रहे' : बिहार में घमासान पर सिब्बल का तंज

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सियासी घमासान जारी है। विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे पर भाजपा और चुनाव आयोग को घेरने में लगी हैं। इस बीच, राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के वकील कपिल सिब्बल ने भी भाजपा को घेरा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा कहा जा रहा है कि यह अभ्यास एक पायलट प्रोजेक्ट है। यह एनआरसी को वापस लाने का एक और तरीका है। ऐसा करके वे भारत में बहुसंख्यक शासन लागू करना चाहते हैं। भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर तंज कसते हुए सिब्बल ने कहा कि वे नहीं चाहते कि भारत में कोई और सत्ता में आए। महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए सिब्बल ने आरोप लगाया कि वहां उन्होंने वोटों की संख्या बढ़ाई और यहां वे इसे कम कर रहे हैं। मेरा आरोप है कि चुनाव आयोग और उनके (भाजपा) बीच साझेदारी है।

भारतीय न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर सीजेआई गवई ने जताई चिंता

इसमें सुधार की सख्त जरूरत

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने भारतीय न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत है। हैदराबाद के नालसार विधि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में उन्होंने छात्रों से कहा कि वे छात्रवृत्ति पर विदेश जाकर अध्ययन करें, न कि परिवार पर वित्तीय दबाव डालें।

मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारी न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है। फिर भी मैं आशावादी हूं कि मेरे साथी नागरिक चुनौतियों का सामना करेंगे। हमारा देश और न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है। मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां विचाराधीन कैदी के रूप में वर्षों जेल में बिताने के बाद भी कोई निर्दोष पाया गया है। सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हमें उन समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकती हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे गुरुओं को उनकी शक्ति के लिए नहीं, बल्कि उनकी ईमानदारी के लिए चुनें। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने भी दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे के नए महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) के अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया है। वे भारतीय रेलवे इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसई) के 1988 बैच के हैं।

इस पदस्थापना से पहले, वे केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन (कोर) के महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। उनका सिविल इंजीनियरिंग से संबंधित विभिन्न तकनीकी की प्रगति और नीतियों के कार्यान्वयन में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आरडीएसओ, राइट्स और रेलवे बोर्ड में अपने शानदार करियर के साथ, उन्होंने रेलवे के बुनियादी ढांचे, मेट्रो परियोजनाओं और उन्नत रेल प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमता और मजबूत हुई है। इस पद से पहले, श्री श्रीवास्तव आरडीएसओ में प्रधान कार्यकारी निदेशक (इन्फ्रा-1) के रूप में कार्यरत थे। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने उन्नत रेल प्रौद्योगिकियों के विकास में योगदान दिया, जिनमें 60 किग्रा आर350एचटी ग्रेड रेल, नौ प्रोब और बी-स्कैन सुविधाओं के साथ एसआरटी/डीएसआरटी, और फ्लैश बट जोड़ों के लिए चरणबद्ध ऐरे यूएसएफडी शामिल हैं।

एमएंडसी निदेशालय और भिलाई इस्पात संयंत्र के साथ उनके सहयोग महत्वपूर्ण रहे। संजय कुमार ने अपना करियर वलसाड में सहायक अभियंता के रूप में शुरू किया और बाद में मुंबई और वडोदरा में डिवीजनल ट्रैक इंजीनियर और उप-मुख्य अभियंता जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। राइट्स में महाप्रबंधक (शहरी परिवहन) के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने कोलकाता, कोच्चि और नागपुर मेट्रो सहित मेट्रो परियोजनाओं में नियोजन, डिजाइन और निविदा प्रक्रियाओं सहित कई महत्वपूर्ण योगदान दिए।

आईआईटी रुड़की और आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र, श्री श्रीवास्तव ने अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से एमबीए भी किया है। बीकानेर में मंडल रेल प्रबंधक सहित भारतीय रेलवे में विभिन्न पदों पर कार्यरत अपने करियर के दौरान, उन्हें इंजीनियरिंग, परियोजना प्रबंधन और सामान्य प्रशासन की गहरी समझ है। संजय कुमार श्रीवास्तव की दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में नियुक्ति रेलवे इंजीनियरिंग, मेट्रो विकास और प्रशासनिक नेतृत्व में उनकी व्यापक विशेषज्ञता को रेखांकित करती है। तकनीकी नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास में उनका योगदान दक्षिण मध्य रेलवे को और अधिक दक्षता और सफलता की ओर ले जाएगा।

'भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा पड़ोसी'

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद में कोई कमी नहीं आई है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से घोषित कई आतंकवादी और उनके संगठन पाकिस्तान में पनाह हासिल किए हुए हैं। बार-बार कहने के बावजूद पाकिस्तान ने अब तक 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कोई ईमानदारी नहीं दिखाई।

विदेश मंत्रालय ने वर्ष 2024 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा, पाकिस्तान की ओर से फैलाया जा रहा सीमा पार आतंकवाद भारत के लिए मुख्य चिंता का विषय बना हुआ है। यही वजह है कि पाकिस्तान के सामान्य पड़ोसी संबंध चाहने के बावजूद नहीं बन पा रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, भारत लगातार यह कहता रहा है कि दोनों देशों के बीच के मुद्दों को द्विपक्षीय और शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। लेकिन इसके लिए एक अनुकूल वातावरण जरूरी है जो आतंक, हिंसा और शत्रुता से मुक्त हो। हालांकि भारत को पाकिस्तान की ओर से लगातार सीमा पार आतंकवाद, शत्रुतापूर्ण और मनगढ़ंत प्रचार का सामना करना पड़ रहा है।

उड़ान के तीन सेकेंड बाद बंद हुई ईंधन आपूर्ति

> 29 सेकेंड में विमान क्रैश > जांच रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान (एआई 171) 12 जून को जब अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने लगा तो केवल तीन सेकेंड बाद ही ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई। टेकऑफ के बाद दोनों इंजनों की ईंधन आपूर्ति बंद होती केवल 29 सेकेंड बाद विमान मेघाणीनगर में क्रैश हो गया।

एएआईबी की रिपोर्ट के मुताबिक टेकऑफ के समय ईंधन सप्लाई बंद होते ही इंजनों की पंखे की गति कम होने लगी थी। 213.4 टन वजन के साथ उड़ा विमान हवाई अड्डे की परिधि की दीवार पार करने से पहले ही नीचे आने लगा। इस समय विमान में 54,200 किलोग्राम फ्यूल था और टेक-ऑफ वजन 2,13,401 किलोग्राम रहा, जो अधिकतम अनुमत वजन 2,18,183 किलोग्राम से कम था। रिपोर्ट में कहा गया है कि एयरक्राफ्ट ने 180 नॉट्स की अधिकतम रफ्तार हासिल की और उसी दौरान दोनों इंजनों के फ्यूल कटऑफ स्विच रन से कटऑफ में बदल गए। इन दोनों स्विच में सिर्फ 1 सेकेंड का अंतर था।

कॉकपिट रिकॉर्डिंग से क्या पता चला :

एएआईबी ने कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर का भी विश्लेषण किया है। इसमें एक पायलट दूसरे से पूछता है, तुमने कटऑफ क्यों किया? जवाब मिलता है, मैंने नहीं किया। इससे अंदेशा है कि ये कटऑफ स्वचालित या तकनीकी गड़बड़ी के चलते हुआ, जिसे अब गहराई से जांचा जा रहा है। इतना ही नहीं, रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि पायलटों ने दोनों इंजनों को फिर से शुरू करने की कोशिश की। इंजन-1 दोबारा शुरू होने लगा और उसकी गति रिकवर होने लगी, लेकिन इंजन-2 बार-बार फ्यूल रीइंट्रोड्यूस करने के बावजूद पर्याप्त गति नहीं पकड़ पाया। एएआईबी ने विमान वीटी-एएनबी के मेंटेनेंस रिकॉर्ड की भी जांच की।

'पायलट की गलती साबित करने की हड़बड़ी'

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। 12 जून को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के एआई 171 पर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट पर एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए-आई) ने कई सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप भी लगाए हैं। एसोसिएशन ने कहा, जांच का लहजा और जांच की दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत दे रही है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम निष्पक्ष और तथ्य-आधारित जांच पर जोर देते हैं।

एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट लीक कैसे हुई :

बयान में आरोप लगाया गया कि एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट मीडिया को लीक की गई। एसोसिएशन को इस बात की चिंता है कि प्रारंभिक एएआईबी रिपोर्ट बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया के साथ साझा की गई।

अमेरिकी कानून और आव्रजन नियमों का पालन न करने पर रद्द होगा वीजा

दूतावास ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में लगातार बढ़ रही भारतीय छात्रों और प्रवासियों की संख्या को लेकर भारत में अमेरिकी दूतावास ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। दूतावास ने आव्रजन नियमों का हवाला देते हुए कहा कि वीजा मिलने के बाद अमेरिकी कानून और आव्रजन नियमों का पालन न करने वाले वीजा धारकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उनका वीजा रद्द कर दिया जाएगा। उन्हें निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। भारत में अमेरिकी दूतावास ने ट्वीट किया कि वीजा जारी होने के बाद अमेरिकी वीजा की जांच बंद नहीं होती है। हम वीजा धारकों की लगातार जांच करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सभी अमेरिकी कानूनों और आव्रजन नियमों का पालन कर रहे हैं और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो हम उनके वीजा रद्द कर देंगे और उन्हें निर्वासित कर देंगे।

दूतावास ने आव्रजन को लेकर जारी किए कई बयान :

दूतावास का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में ट्रंप प्रशासन ने आव्रजन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने इस महीने वीजा और आव्रजन को लेकर कई बयान जारी किए हैं। इससे पहले दूतावास ने 19 जून को कहा था कि अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि विशेषाधिकार है। इसका मतलब है कि यदि वीजा मिल भी जाता है तो इसकी जांच हो सकती है और अगर कोई कानून तोड़ता है तो अधिकारी उसका वीजा रद्द कर सकते हैं।

'बाहुबल का इस्तेमाल कर केरल विवि पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं गुंडे'

तिरुवनंतपुरम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केरल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. मोहनन कुन्नुम्मल ने एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि यूनिवर्सिटी में कानून-व्यवस्था की हालत बिगड़ चुकी है और कुछ गुंडे बाहुबल के दम पर विश्वविद्यालय को चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने सीधे तौर पर सत्ताधारी सीपीआई(एम) से जुड़े छात्र संगठन एसएफआई और युवा संगठन डीवाईएफआई को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब कुलपति ने 2 जुलाई को रजिस्ट्रार केएस अनिल कुमार को निलंबित कर दिया। रजिस्ट्रार पर आरोप था कि उन्होंने एक निजी कार्यक्रम को रद्द करने का आदेश दिया था, जिसमें राज्यपाल और यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर शामिल हुए थे।

केंद्रीय गृह मंत्री का सीएम विजयन पर हमला

भ्रष्ट है एलडीएफ सरकार, केरल में खूब हो रहे घोटाले

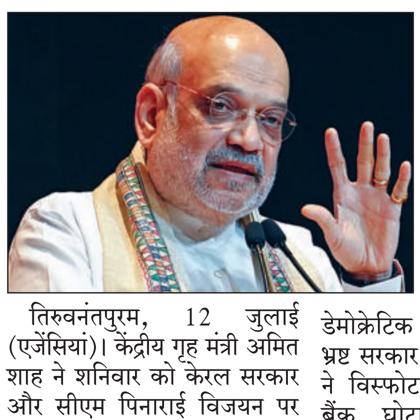

तिरुवनंतपुरम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल सरकार और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की एलडीएफ सरकार भ्रष्ट है। राज्य में खूब घोटाले हो रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में केरल में स्थानीय निकाय चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले यहां भाजपा की नई राज्य समिति कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि केरल में एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) और यूडीएफ (यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। एलडीएफ ने विस्फोटक घोटाला, सहकारी बैंक घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला, पीपीई किट घोटाला और भारत का सबसे बड़ा सोना तस्करी घोटाला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियां हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक समारोहों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए सरकार में मुख्यमंत्री रखने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि यहां उसका राज्य कार्यालय विकसित केरलम का केंद्र बने।

इसरो के मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारियां तेज

> गगनयान की उड़ान के लिए इंजन तैयार, मिशन एबॉर्ट परीक्षण सफल

बेंगलूरु, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि उसने गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम (एसएमपीएस) का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके साथ ही इस सिस्टम के सभी जरूरी परीक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं। शुक्रवार को इस सिस्टम का 350 सेकंड (करीब 6 मिनट) तक एक बड़ा परीक्षण किया गया। इसका मकसद यह देखना था कि अगर उड़ान के दौरान कोई गड़बड़ी हो जाए और मिशन को बीच में रोकना पड़े (जिसे 'मिशन एबॉर्ट' कहा जाता है), तो यह सिस्टम सही तरीके से काम करता है या नहीं।

गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिस पर काम किया जा रहा है। इसरो ने एक बयान में कहा कि हॉट परीक्षण के दौरान प्रोपल्शन सिस्टम का प्रदर्शन पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य रहा। इसरो के मुताबिक, गगनयान के सर्विस मॉड्यूल में एक खास सिस्टम लगाया गया है जो दो तरह के ईंधन से चलता है। यह सिस्टम उस हिस्से को मदद करता है जो इंसानों को लेकर अंतरिक्ष में जाएगा। इसका काम रॉकेट को सही कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाना, उड़ान के दौरान दिशा को नियंत्रित करना, जरूरत पड़ने पर रॉकेट की गति को धीमा करना और अगर कोई गड़बड़ी हो जाए तो मिशन को बीच में रोककर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाना है।

कपिल शर्मा को धमकी

आतंकी पन्नू ने वीडियो किया जारी, पूछा-कनाडा में क्यों निवेश कर रहा है कॉमेडियन

जालंधर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग के बाद अब आतंकवादी समूह एसएफजे ने एक वीडियो जारी कर कपिल शर्मा को धमकाया है। आतंकी पन्नू ने कहा कि कनाडा कपिल शर्मा का प्ले ग्राउंड यानी खेल का मैदान नहीं है। वीडियो में पीएम मोदी का भी जिक्र किया गया है। आतंकी एसएफजे प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने आरोप लगाया है कि कपिल शर्मा कनाडा में इन्वेस्ट करके पीएम मोदी की हिंदुत्व विचारधारा को बढ़ावा देते हैं। एसएफजे प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि अपने खून का पैसा हिंदुस्तान वापस ले जाओ। कपिल शर्मा को कैफे बंद करने की धमकी दी है। आतंकी गुरतपतवंत सिंह पन्नू ने यह भी सवाल उठाया कि कपिल शर्मा मोदी के भारत में निवेश करने के बजाय कनाडा में क्यों निवेश कर रहे हैं ?

धर्म बदला पर नहीं हटा अछूत होने का टैग

एससी में हलफनामा, जांच से आयोग का इंकार

कोट्टापलायम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। तिरुचिरापल्ली के कोट्टापलायम गांव के दलित ईसाई ग्रामीणों ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी। याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि ईसाई धर्म अपनाने के बावजूद उनके साथ जाति के आधार पर भेदभाव किया जाता रहा है। इसी मामले को लेकर सर्वोच्च अदालत ने 21 फरवरी को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, तमिलनाडु पुलिस और चर्च अधिकारियों समेत अन्य से जवाब मांगा था। केंद्रीय आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को इस याचिका का जवाब देते हुए कहा कि दलित ईसाई जे दौस प्रकाश समेत अन्य ने मद्रास हाईकोर्ट में राज्य पुलिस के रिपोर्ट पर कोई उत्तर दाखिल नहीं किया। ऐसी स्थित में केंद्रीय आयोग इस मामले को लेकर किसी भी कार्रवाई को आगे नहीं बढ़ा सकता है।

आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से याचिकाकर्ताओं के सभी आरोपों को नकारते हुए इस याचिका खारिज करने की मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि ईसाई धर्म अपनाने के बावजूद उनके साथ जाति के आधार पर भेदभाव किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अछूत जैसा बर्ताव किया जा रहा है। साथ ही याचिकाकर्ताओं ने इस बात पर दुख जताया कि उन्हें चर्च के उत्सवों में भाग लेने की अनुमति नहीं है और वार्षिक उत्सव के दौरान उनकी गली में कार नहीं आती। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें चर्च का सदस्य भी नहीं माना जाता और उन्हें सामुदायिक भवन में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जाती। आयोग ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है कि सर्वोच्च अदालत से पहले यह मामला हाईकोर्ट में था, जहां याचिकाकर्ताओं ने पुलिस की रिपोर्ट पर जवाब नहीं दाखिल किया। ऐसे में आयोग आगे कदम नहीं बढ़ा सकता। दूसरी ओर याचिका में कहा गया है कि दलित ईकाईयों ने इस मुद्दे पर जिला और राज्य अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिया, लेकिन किसी भी अधिकारी द्वारा कोई उचित या पूर्ण कार्रवाई नहीं की गई। याचिका में कहा गया है कि पिछले साल 30 अप्रैल को मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उसका मानना था कि इस तरह के मुद्दे का समाधान सिविल अदालत में हो सकता है और अंतिम निर्णय राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को करना चाहिए। हाईकोर्ट ने आदेश में यह भी कहा था कि मान लीजिए कि जाति के नाम पर कोई कथित भेदभाव होता है

और वह एक सार्वजनिक मुद्दा बन जाता है तो संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जाति के नाम पर ऐसा कोई भेदभाव न हो। गौरतलब है कि याचिकाकर्ताओं के आवेदन पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने राज्य पुलिस को पत्र भेजा था, जिन्होंने जांच कर आयोग को रिपोर्ट भेजी। जांच रिपोर्ट हाईकोर्ट में भी दायर की गई, जिसमें पुलिस ने भेदभाव होने की बात से इंकार किया था।

चालीस किलो चिट्टे के साथ

पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर तीन गाड़ियां बरामद

बठिंडा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले दिनों चालीस किलो चिट्टे के साथ पकडे.गए छह आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मलोट एरिया से तीन अन्य गाड़ियों को बरामद किया है। सूत्रों के अनुसार आरोपियों ने इन गाड़ियों को गलियों में अलग अलग जगह पर खड़ा किया हुआ था। मामलें से जुडे जंडियाला गुरु के मुख्य सूत्रधार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापामारी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि मुख्य आरोपी लखवीर सिंह उर्फ लक्खा अपने साथियों के साथ मिलकर कारों को खरीदने एवं बेचने की आड़ में चिट्टे का कारोबार करता था। पिछले दिनों महना चौक से फार्च्यूनर गाड़ी में सवार आरोपियों को चालीस किलो चिट्टे के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपियों को आठ दिनों का पुलिस रिमांड हासिल किया था। पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में मुख्य आरोपी लक्खा समेत बाकी आरोपियों ने अपनी इंडेवर, बलेनो एवं एक अन्य गाड़ी के बारे में पुलिस के पास खुलासा किया था।

इसके अलावा आरोपियों ने जंडियाला गुरु से जुडे.एक मुख्य सूत्रधार और विदेश में बैठे अपने एक आका के बारे में भी पुलिस के पास खुलासा किया था। इसके बाद पुलिस ने मलोट एरिया में रेड करके इंडेवर, बलेनो समेत तीन गाड़ियों को मलोट एरिया की अलग अलग गलियों से बरामद किया।

एक लड़के की दो गर्लफ्रेंड, पता चलते ही नई वाली ने मचाया तांडव

जबलपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां प्रेमी की बेवफाई से भड़की एक प्रेमिका ने उसके घर पहुंच कर जमकर तांडव मचाया। बोतल में पेट्रोल भरकर लड़की बॉयफ्रेंड के घर पहुंची। उसने घर का दरवाजा तोड़कर प्रेमी के घर को आग के हवाले कर दिया। लड़की ने वारदात को तब अंजाम दिया, जब प्रेमी अपनी एक अन्य प्रेमिका के साथ मंदिर में सात फेरे ले रहा था। घटना जबलपुर के कुदवारी की है। यहां विजय सोनी के घर पर पहुंची उसकी पूर्व प्रेमिका ने काफी देर तक बवाल काटा। दोनों पक्षों की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। प्रेमी विजय सोनी के पिता की रिपोर्ट पर जबलपुर के अधारताल थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 332 और 326 के तहत आरोपी लड़की के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं लड़की ने भी विजय सोनी पर शादी के नाम पर झांसा देते हुए शारीरिक शोषण और धोखाधड़ी की शिकायत पुलिस को सौंपी है।

बचाव अभियानः चौथे दिन भी जारी नदी से एक और शव बरामद

अहमदाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी में पुल ढहने की घटना के बाद लापता हुए व्यक्ति की तलाश में लगातार चौथे दिन शनिवार को अभियान फिर से शुरू किया गया। इस त्रासदी में अबतक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को नदी से एक और शव बरामद हुआ और एक घायल व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वडोदरा के जिलाधिकारी अनिल धमेलिया ने बताया कि एक और व्यक्ति अब भी लापता है और उसे ढूंढने के प्रयास शनिवार को फिर से शुरू कर दिए गए।

बुधवार सुबह गंभीरा गांव के पास चार दशक पुराने पुल का एक हिस्सा ढह जाने से कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए थे। यह पुल आणंद और वडोदरा जिलों को जोड़ता है। जिलाधिकारी ने कहा कि शनिवार के अभियान का एक और लक्ष्य नदी में गिरे मुख्य स्लैब को हटाना है। धमेलिया ने कहा, 'अभियान के अगले चरण (शनिवार को) में हम मुख्य स्लैब को हटाने और लापता व्यक्ति की तलाश के लिए एक तकनीकी टीम की मदद लेंगे तथा नदी में गिरे सल्फ्यूरिक एसिड से लदे टैंकर को सुरक्षित निकालने के लिए गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मदद ली जाएगी। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए, राज्य के एक मंत्री ने शुक्रवार को कहा था कि यह दुर्घटना पेडस्टल (आधार स्तंभ) और एक जोड़ टूटने की वजह से हुई थी। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और अन्य एजेंसियां बचाव प्रयासों का हिस्सा हैं।

लाउडस्पीकर मुक्त हो रहे महाराष्ट्र के धार्मिक स्थल सीएम फडणवीस ने बताया कितने हटाए गए

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सदन में बीजेपी विधायक सुधीर मुनगंटीवार के सवाल का जवाब देते कहा कि ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के ठोस प्रयास के तहत महाराष्ट्र के सभी धार्मिक स्थलों से कुल 3,367 लाउडस्पीकर हटा दिए गए हैं। जिसमें मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा आदि धार्मिक स्थल शामिल है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में अब एक भी लाउडस्पीकर नहीं हैं। दरअसल, बीजेपी विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने राज्य में ध्वनि प्रदूषण को लेकर वन्य जीव को लेकर होने वाली परेशानियों पर गंभीर चिंता जताई थी। सीएम ने सदन में बताया कि मुंबई पुलिस अकेले मुंबई में पूजा स्थलों से 1,608 लाउडस्पीकर हटाने में सफल रही है, और यह उपलब्धि बिना किसी धार्मिक या सांप्रदायिक तनाव के हासिल की गई है। उन्होंने कहा कि मुंबई में अब किसी भी धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर नहीं लगाए जाएंगे। देवेंद्र फडणवीस ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारियों की अनुमति के बिना अगर किसी धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर दोबारा लगे, तो इसकी सारी जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारी की होगी।

सीएम ने बीजेपी नेता सुधीर की सवालों का जवाब देते हुए सदन में कहा कि अब तक महाराष्ट्र में 3367 धार्मिक स्थल के लाउड स्पीकर हटाये गए। मुम्बई में 1608 धार्मिक स्थल के लाउड स्पीकर हटाये गए, जिसमे 1149 मस्जिद, 48 मंदिर, 10 चर्च, 4 गुरुद्वारा और 147 अन्य स्थल है। उन्होंने कहा कि अभी मुंबई में एक भी धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर नहीं है।

चलती ट्रेन के बाथरूम में लड़की से रेप, फिर ले गया गांव

अकोला, 12 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण से शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां कसारा और अकोला के बीच चली मेल एक्सप्रेस ट्रेन में युवती से रेप किया गया। यही नहीं, युवक बाद में युवती को अपने साथ गांव भी ले गया। जब उसकी मां ने कहा कि लड़की को वापस छोड़कर आ, तो वो उसे अकोला स्टेशन पर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल उसे 15 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस चेक कर रही है कि इस मामले में और कोई आरोपी तो नहीं, जिसने मुख्य आरोपी को मदद की हो इस अपराध को अंजाम देने में। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, गजानन चव्हाण नामक व्यक्ति ने कल्याण स्टेशन पर लड़की से दोस्ती की। फिर उससे ट्रेन के बाथरूम में रेप किया। बाद में अकोला स्थित अपने गांव में ले गया। लड़की को देख उसकी मां और पिता नाराज हो गए।

वकीलों की ड्रेस में सिर्फ वकील रहेंगे

दलाल, मुंशी और इंटर्न नहीं, दून बार एसोसिएशन की सख्त चेतावनी

देहरादून, 12 जुलाई (एजेंसियां)। देहरादून के जिला न्यायालय परिसर या चैंबर ब्लॉक में सफेद शर्ट और काली पैंट या कोट सिर्फ अधिवक्ता ही पहन सकते हैं, यदि कोई दलाल, मुंशी या वकालत के छात्र (इंटर्न) वकील की ड्रेस में नजर आए तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। देहरादून बार एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि अनाधिकृत तौर पर वकालत का कार्य करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। बार एसोसिएशन ने लॉ इंटर्न के लिए ड्रेस कोड और पहचान पत्र संबंधी निर्देश भी जारी किए हैं। साथ ही सभी अधिवक्ताओं से निवेदन किया है कि उनके यहां जो भी व्यक्ति मुंशी के रूप में कार्यरत हैं, उनका परिचय पत्र बार एसोसिएशन देहरादून से बनवा लें। बार के अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल और सचिव राजबीर सिंह बिष्ट की ओर से जारी विशेष सूचना के अनुसार, एसोसिएशन के संज्ञान में आया है कि कुछ लोग जो अधिवक्ता नहीं हैं, वे स्वयं को अधिवक्ता दर्शाते हुए न्यायालय परिसर में काम कर रहे हैं। वे अधिवक्ता की वेशभूषा में न्यायालय में उपस्थित भी हो रहे हैं। कुछ ऐसे भी व्यक्ति हैं जो किसी अधिवक्ता के साथ मुंशी का कार्य करते हैं,

लेकिन न्यायालय परिसर में काली पैंट तथा सफेद शर्ट में घूमते हैं। एसोसिएशन ने कहा है कि ऐसे सभी लोगों की पहचान करके मुकदमा पंजीकृत कराया जाएगा। इंटर्न को स्पष्ट निर्देश दिए हैं वे अपने कॉलेज की ड्रेस में आएं, जिस पर कॉलेज का मोनोग्राम बना हो। कॉलेज का परिचय पत्र भी पहनकर आएं। निर्देशों का पालन न करने वाले इंटर्न के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए उनके कॉलेज को पत्र भेजा जाएगा।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबियाई मादा चीता 'नाभा' की मौत

शिकार के प्रयास में आई थी गंभीर चोट

श्योपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 'प्रोजेक्ट चीता' को एक और झटका लगा है। नामीबिया से लाई गई आठ वर्षीय मादा चीता 'नाभा' की शनिवार को मृत्यु हो गई। वन विभाग के अनुसार, नाभा एक सप्ताह पहले अपने सॉफ्ट रिलीज बोमा में शिकार के प्रयास के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिसके बाद उसका लगातार इलाज चल रहा था। वन विभाग की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, नाभा को बाईं ओर अल्ना और फिबुला हड्डियों में फ्रैक्चर के साथ कई अन्य गंभीर चोटें आई थीं। अनुमान लगाया गया है कि ये चोटें शिकार के दौरान तेज दौड़ या झटके की वजह से आई होंगी। घायल होने के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए विशेष निगरानी में रखा गया और एक सप्ताह तक उसका इलाज चला, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ और आज उसकी मौत हो गई।

वन विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नाभा की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। हालांकि प्रारंभिक जांच में यह माना जा रहा है कि गंभीर हड्डी टूटने और आंतरिक चोटों की वजह से उसकी हालत बिगड़ती चली गई। नाभा की मौत के बावजूद कूनो राष्ट्रीय उद्यान में फिलहाल 26 चीते जीवित हैं, जिनमें नौ वयस्क चीते (छह मादा और तीन नर) और भारत में जन्मे 17 शावक शामिल हैं। क्षेत्रीय निदेशक के अनुसार, सभी चीते स्वस्थ हैं और अच्छा कर रहे हैं।

इन 26 चीतों में से 16 चीते जंगल में विचरण कर रहे हैं, जिनका व्यवहार और अनुकूलन संतोषजनक बताया गया है। वन विभाग ने यह भी बताया कि दो मादा चीते वीरा और निरवा अपने हाल ही में जन्मे शावकों के साथ स्वस्थ हैं और स्वाभाविक व्यवहार प्रदर्शित कर रही हैं। इसके अलावा गांधीसागर में भेजे गए दो नर चीते भी अच्छी स्थिति में हैं और उनकी निगरानी की जा रही है। प्रोजेक्ट चीता के तहत नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से कुल 20 चीते लाए गए थे, जिनमें से कुछ की मौत पहले भी हो चुकी है। हालांकि शावकों के जन्म और अब तक जीवित बचे चीतों की गतिविधियों को वन विभाग प्रोजेक्ट की सकारात्मक प्रगति के रूप में देख रहा है।

आतंकी निकले नहीं कि होंगे ढेरः ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदली रणनीति

जम्मू, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जंगलों में छिपे आतंकियों को ढेर करने के लिए नई रणनीति तैयार की गई है। सेना अब इन आतंकियों को जंगलों से निकल घात लगाकर हमला करने का मौका नहीं देगी। घात लगाकर हमला करने वाले आतंकियों का सफाया सेना उसी तरह करेगी। सेना ने नियंत्रण रेखा और बॉर्डर से कश्मीर को जोड़ने वाले आतंकियों के सभी रूट चिह्नित कर लिए हैं।

इन्हीं रूट पर सेना अब कार्रवाई कर रही है। जानकारी सामने आई है कि जम्मू संभाग में 45 से 50 आतंकी सक्रिय हैं। इनमें 90 से 95 फीसदी तक पाकिस्तानी हैं। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि कठुआ, राजोरी, पुंछ, उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़, रामबन में आतंकियों की मौजूदगी है। इन आतंकियों का सफाया करने के लिए सेना ने आक्रामक रणनीति पर काम शुरू किया है।

रामबन में बड़ा हादसा, 600 फीट गहरी खाई में गिरी कार; 5 लोगों की मौत एक घायल

रामबन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां देर रात एक कार अनियंत्रित होकर 600 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। वहीं जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये जबकि घायल को 25 हजार रुपये की आर्थिक मदद प्रदान करने का ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि देर रात अनियंत्रित होकर कार खाई में गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि एसयूवी शुक्रवार देर रात उखराल पोगल परिस्तान क्षेत्र में सेनाबाथी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उन्होंने कहा कि तौकीर अहमद (20) नाम के यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पांचों घायलों को अस्पताल लेकर जाया गया, जिसमें से तीन मोहम्मद रफीक (40), अब्दुल लतीफ (40) और एजाज अहमद (20) की रास्ते में मौत हो गई। वहीं शकील अहमद (24) नाम के एक युवक की शनिवार सुबह श्रीनगर के एक अस्पताल में मौत हो गई। इस हादसे में यावर अहमद (25) की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसका उपचार किया जा रहा है। वहीं रामबन जिले में हुए इस हादसे पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने दुख व्यक्त किया। उन्होंने घायलों तथा पीड़ितों परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा रामबन के उपायुक्त मोहम्मद इलियास खान ने मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये और घायल व्यक्ति को 25 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की है।

पत्नी ने पति को मारने फेंका त्रिशूल 11 महीने के मासूम को जा लगा; हॉस्पिटल में मौत

पुणे, 12 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक दर्दनाक हादसे में एक 11 महीने के बच्चे की जान चली गई। पति-पत्नी के बीच मामूली बात से शुरू हुआ झगड़ा आपे से बाहर हो गया और पत्नी ने पति को जान से मारने के लिए घर में रखा त्रिशूल उठाकर फेंका। बाजू में ही उसकी देवरानी बैठी हुई थी जिसकी गोद में 11 महीने का बच्चा था। त्रिशूल सीधा उस बच्चे को जा लगा जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों मासूम बच्चे को तुरंत उठाकर हॉस्पिटल पहुंचे जहां पर उसका इलाज शुरू किया गया लेकिन मासूम ने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला पुणे जेल के दौंड़ तालुक के अंबेगांव का है। जहां पर रहने वाले सचिन मेंगवाड़े का अपनी पत्नी पल्लवी से किसी बात पर झगड़ा हो गया। जब उनके बीच झगड़ा हो रहा था उस वक्त परिजन भी वहां मौजूद थे। देखते ही देखते सचिन और उनकी पल्लवी के बीच शुरू हुआ झगड़ा हिंसक हो गया। दोनों के बीच मारपीट हुई।

इसी दौरान पल्लवी ने सचिन की ओर घर में रखा त्रिशूल फेंक दिया। सचिन का छोटा भाई नितिन और उसकी पत्नी भाग्यश्री सचिन के घर पहुंचे थे और बीचबचाव कर रहे थे। इसी दौरान पल्लवी ने सचिन की ओर त्रिशूल फेंक दिया। त्रिशूल सीधे भाग्यश्री की गोद में खेल रहे 11 महीने के अवधूत को जा लगा। जैसे ही मासूम को त्रिशूल लगा पूरे घर में अफरा-तफरी मच गई। सभी लोग मासूम बच्चे को लेकर तुरंत वहां से भागे और हॉस्पिटल पहुंचे। डॉक्टरों ने मासूम बच्चे का इलाज शुरू किया लेकिन इलाज के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया।

180 के बजाय 15 यात्रियों को लेकर उड़ी एअर इंडिया की फ्लाइट, क्यों मचा बवाल ?

भुज, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हवाई अड्डे पर एयर इंडिया की एक फ्लाइट में शनिवार को गड़बड़ी सामने आई है। जानकारी के अनुसार एयर इंडिया की भुज से मुंबई जाने वाली फ्लाइट ने केवल 15 यात्रियों के साथ उड़ान भरी। जिसकी वजह से कई यात्री फंस गए। 180 सीटों वाली फ्लाइट आनी थी, लेकिन उसकी जगह पर केवल 155 सीटों वाले विमान के पहुंचने से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। सीटों की उपलब्धता सीमित होने के कारण 15 से ज्यादा लोग यात्रा नहीं कर पाए। एयर इंडिया की भुज से मुंबई जाने वाली फ्लाइट 15 से अधिक यात्रियों को छोड़कर रवाना हो गई। इस स्थिति में कई यात्री हवाई अड्डे पर फंस गए, क्योंकि उन्हें सीटें नहीं मिल पाई और उन्हें वैकल्पिक व्यवस्थाओं का इंतजार करना पड़ा। इस कारण यात्री नाराज हो गए। अचानक हुए बदलाव के कारण यात्रियों में नाराजगी देखी गई।

यात्रियों का गुस्सा इस बात को लेकर है कि समय से पहले बुकिंग करने पर भी उन्हें सीटें नहीं दी गईं। यात्रियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है क्योंकि एयर इंडिया की ओर से अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। इससे न केवल यात्रियों को असुविधा हो रही है, बल्कि उनकी यात्रा योजनाएं भी प्रभावित हो रही हैं। 180 सीटों वाली फ्लाइट आनी थी, लेकिन उसकी जगह 155 सीटों वाली फ्लाइट आ गई। यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था भुज में स्थित एक निजी होटल में की गई है। हाल ही में टोक्यो से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई357 की कोलकाता में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्लाइट के कैबिन में लगातार अत्यधिक गर्मी महसूस की जा रही थी। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। 27 जून को मुंबई से चेन्नई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को टेक-ऑफ के बाद ही वापस मुंबई लौटना पड़ा था।

गंगा में नहाते समय डूबे चार कांवड़ यात्री

हरिद्वार, 12 जुलाई (एजेंसियां)। शुक्रवार को गंगा में नहाते समय डूब रहे चार कांवड़ यात्री बाल-बाल बच गए। पानी के तेज बहाव में बहते यात्रियों को मौके पर तैनात एसडीआरएफ की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया। तीन घटनाएं कांगड़ा घाट पर और एक प्रेमनगर घाट की है। इन घाटों पर स्नान के दौरान कांवड़ यात्री गहरे पानी में चले गए थे। गनीमत रही कि समय रहते रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी की जान बचा ली। बता दें कि कांगड़ा घाट पर एसडीआरएफ ने जिन तीन कांवड़ यात्रियों को बचाया, उनमें हरियाणा के रोहतक का 17 वर्षीय रोहित, उत्तराखंड के कर्णप्रयाग निवासी 40 वर्षीय संतोष और पंजाब के पटियाला का 15 वर्षीय रोहन शामिल हैं। वहीं, प्रेमनगर घाट पर उत्तर प्रदेश के बरेली का रहने वाला 20 वर्षीय संजय गंगा है।

इन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। एसडीआरएफ के उप निरीक्षक पंकज खरौला ने बताया कि मेले के दौरान सभी प्रमुख घाटों पर उनकी टीमें तैनात हैं। लगातार सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कांवड़ यात्रियों से अपील की है कि वह केवल चिह्नित और सुरक्षित घाटों पर ही स्नान करें।

'डिलीवरी की डेट बताओ, उठवा लेंगे', सीधी में सड़क मांगने पर बीजेपी सांसद का बेतुका जवाब

सीधी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीधी से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक गर्भवती महिला लीला साहू द्वारा सड़क की मांग किए जाने पर बीजेपी सांसद राजेश मिश्रा ने हैरान कर देने वाला बयान दिया। उन्होंने सड़क बनाने का जवाब दिए बिना कहा कि डिलीवरी की डेट बता दो हम एक हफ्ते पहले उठवा लेंगे। सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा, गांव में बहुत सी महिलाएं होंगी जिनकी डिलीवरी हुई होगी, आजतक कोई ऐसी घटना हुई क्या। आज मध्य प्रदेश में मोहन यादव की सरकार है और जरूरत पड़े तो मरीज को एयरलिफ्ट करके ले जाते हैं और उसका इलाज करवाते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारे पास एंबुलेंस हैं, हमारे पास आशा कार्यकर्ता हैं, सारी सुविधाएं हैं। हम उनके लिए व्यवस्था करेंगे, इसमें चिंता की क्या बात है। अगर ऐसी कोई बात है तो आप (लीला साहू) अस्पताल में भर्ती हो जाओ। डिलीवरी की एक संभावित तारीख होती है हम उससे एक हफ्ते पहले उठवा लेंगे। उनकी इच्छा है तो अस्पताल में भर्ती हो जाएं हम सारी सुविधाएं देंगे।

बता दें कि मध्य प्रदेश के सीधी के एक गांव की महिला लीला साहू ने बीजेपी सांसद से सड़क बनवाने की मांग की। उन्होंने कहा, जब सड़क बनाने की हिम्मत नहीं थी तो हमसे झूठा वादा क्यों किया। पहले बता दे थे कि हम नहीं बनवा पाएंगे तो हम बड़े नेता पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर सड़क बनवा लेते। लीला साहू ने आगे कहा, जिस तरह किसान बारिश का इंतजार करता है उसी तरह हम और हमारे बच्चे सड़क बनने का इंतजार कर रहे हैं।

कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

वहीं इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस बीजेपी पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस के ऑफिशियल हैंडल पर लिखा गया, सीधी की लीला साहू का सवाल और सत्ता की संवेदनहीनता देखिए। गर्भवती लीला साहू ने गांव में सड़क नहीं होने पर 1 साल पहले वीडियो बनाकर गुहार लगाई थी 'सड़क बना दो'। सरकार ने कहा बन जाएगी, लेकिन आज तक नहीं बनी! अब फिर वीडियो बनाया जिस सांसद राजेश मिश्रा का बेशर्म जवाब आता है :

चिंता मत करो, डिलिवरी डेट बताओ, हफ्ता पहले उठा लेंगे! सांसद जी, क्या गर्भवती महिला पार्सल है, जिसे उठा लेंगे? क्या सांसद सिर्फ ठेकेदारों की लिस्ट पढ़ने आए हैं? सड़क मांगना अपराध है या अधिकार?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार
किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने की वजह बनें आपको न सिर्फ खुशी बल्कि शांति भी मिलेगी

कांग्रेस सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध : महेश कुमार गौड़

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने इस कदम को सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

शनिवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, गौड़ ने कहा, ऐसे समय में टीपीसीसी अध्यक्ष के रूप में कार्य करना मेरे लिए बहुत ही व्यक्तिगत गौरव और सौभाग्य की बात है जब ऐसा ऐतिहासिक अध्यादेश लाया जा रहा है। देश में पिछड़े वर्गों को अब तक का सबसे अधिक आरक्षण देने का श्रेय पूरी तरह से कांग्रेस पार्टी को जाता है। उन्होंने कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपनी पिछली भूमिका को याद किया जब उन्होंने कामारेड्डी में पिछड़ा वर्ग घोषणापत्र की घोषणा की थी, जिसमें पिछड़े समुदायों के कल्याण के लिए पार्टी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई थी।

बीआरएस एमएलसी कविता पर निशाना साधते हुए महेश गौड़ ने तीखा हमला बोला : क्या बीआरएस किसी राक्षसी श्राप से ग्रस्त है या उस पर कोई भूत सवार है? कविता को स्पष्ट करना चाहिए कि वह वास्तव में किस पार्टी का प्रतिनिधित्व करती हैं। यह हास्यास्पद है कि वह पिछड़ी जातियों के आरक्षण अध्यादेश का जश्न मना रही हैं, जिसकी शुरूआत स्पष्ट रूप से कांग्रेस ने की थी। उन्होंने कहा, रंग और भूमिका बदलने से बिल्ली बाघ नहीं बन जाती। अगर बीआरएस में कोई नैतिक आधार होता, तो कविता बहुत पहले ही इस्तीफा दे चुकी होतीं। जिस समय कांग्रेस पिछड़ी जातियों के घोषणापत्र का अनावरण कर रही थी, उसी समय वह शराब घोटाले में अपनी संलिप्तता को लेकर चिंतित थीं। गौड़ ने यह भी याद दिलाया कि अपने कार्यकाल के दौरान, बीआरएस ने संसद में भाजपा द्वारा लाए गए सभी विधेयकों का समर्थन किया था, जिससे उनके द्वारा "अंतर्निहित गठबंधन" का पर्दाफाश हुआ।

भाजपा पर तीखा हमला करते हुए, गौड़ ने पार्टी पर पिछड़े समुदायों के प्रति सच्ची चिंता न रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भाजपा की मंशा तब स्पष्ट थी जब उसने प्रदेश अध्यक्ष का पद किसी पिछड़ी जाति के नेता को नहीं, बल्कि एक उच्च जाति के व्यक्ति को सौंप दिया। उन्होंने कहा, पिछड़े वर्ग अब उस मुकाम पर पहुंच गया है जहां वे अपना वाजिब हक मांग रहे हैं। गौड़ ने कहा, तेलंगाना की जनता तय करे कि असली नायक कौन हैं और अवसरवादी ढोंगी कौन हैं। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण लागू करने की हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ और अटूट है।

दृष्टिबाधित लोगों ने अपने समुदाय की समस्याओं में मदद के लिए कानूनी विशेषज्ञों से अपील की

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के दृष्टिबाधित विकास एवं कल्याण संघ के अध्यक्ष गड्डम अंजैया गौड़, अखिल भारतीय दृष्टिबाधित परिसंघ, दिल्ली के उपाध्यक्ष पोनुगोटी चोक्का राव, डीडब्ल्यूएबी के उपाध्यक्ष एन. लक्ष्मा रेड्डी और डीडब्ल्यूएबी के कोषाध्यक्ष एन परमेशा ने कहा है कि तेलंगाना मंत्रिमंडल ने स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय मार्च 2025 में विधानसभा द्वारा शिक्षा, रोजगार और स्थानीय निकायों में पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक पारित करने के बाद आया है। हालांकि यह निर्णय स्वागत योग्य और सराहनीय है, हम दृष्टिबाधित समुदाय और अन्य दिव्यांग समुदाय यह समझने में असमर्थ हैं कि सरकार पहले से मौजूद अधिनियम, अर्थात् दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 को अक्षरशः लागू क्यों नहीं कर रही है। इस अधिनियम की पूरी तरह से अनदेखी की जा रही है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक है दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 को लागू करने हेतु दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के लिए एक स्वतंत्र राज्य आयुक्त की नियुक्ति। अधिनियम लागू होने के बाद से ही सरकार दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के लिए एक स्वतंत्र राज्य आयुक्त की नियुक्ति करने में विफल रही है।

जब सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो दृष्टिबाधित समुदाय के लिए काम करने वाले संगठनों ने तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और न्यायालय ने दिसंबर 2024 में राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को दिए गए इस आश्वासन के आधार पर कि स्वतंत्र आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है, छह सप्ताह के भीतर आयुक्त की नियुक्ति करने का आदेश जारी किया। राज्य सरकार ने मार्च 2025 में हमारे आरटीआई आवेदन के उत्तर में भी संकेत दिया है कि नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। जब सरकार ने इस आदेश का कोई जवाब नहीं दिया, तो हमने फिर से उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और सुनवाई चल रही है। इस बीच, सरकार ने अब न्यायालय की अवमानना की कार्यवाही से बचने के लिए न्यायालय के आदेश की समीक्षा हेतु एक समीक्षा याचिका दायर की है। यह दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 का पूर्ण उल्लंघन है और इसलिए हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह पुनर्विचार याचिका वापस ले और अन्य समुदायों के लिए नए अधिनियम लाने से पहले पहले से मौजूद दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 को अक्षरशः लागू करे।

हिरण के मांस और सींग के साथ 2 गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टोलीचौकी पुलिस ने शुक्रवार रात वन्यजीव व्यापार के एक संदिग्ध मामले में हिरण के मांस और सींग के अवैध कब्जे के लिए दो लोगों को गिरफ्तार किया। संदिग्धों की पहचान मोहम्मद सिराज और मोहम्मद वसीम के रूप में हुई है, जो एमडी लाइन्स के निवासी हैं और उनके पास से हिरण का सिर, मांस और दो सींग बरामद किए गए।

पूछताछ के दौरान, सिराज ने चारमीनार चौक से एक अज्ञात व्यक्ति से हिरण का सिर खरीदकर अपने घर ले जाने की बात कबूल की। स्थानीय कसाई वसीम की मदद से उसने हिरण के सिर के टुकड़े-टुकड़े किए। पुलिस ने हिरण के मांस और सींगों को जब्त कर लिया और आगे की जांच के लिए उप वन रेंज अधिकारी को सौंप दिया। वन अधिकारी अब हिरण के सिर के स्रोत और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के संभावित उल्लंघन की जांच कर रहे हैं।

चीन को बड़ा झटका, हैदराबाद में रेअर अर्थ मैग्नेट का प्रोडक्शन शुरू करेगा भारत

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हैदराबाद में रेअर अर्थ मैग्नेट का प्रोडक्शन शुरू करने का निर्माण लिया। यह जानकारी शनिवार को केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी रेशन रेड्डी ने दी है।

मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया, केंद्र सरकार ने हैदराबाद में दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों का उत्पादन का निर्णय लिया है। खनन मंत्रालय का एनएफटीएसएम इंस्टीट्यूट कई उद्योगों के साथ मिलकर आवश्यक मशीनरी के लिए काम कर रहा है।

रेअर अर्थ मैग्नेट के लिए 100 प्रतिशत चीन पर निर्भर था भारत :

केंद्रीय मंत्री ने कहा, दुर्लभ पृथ्वी के स्थायी चुम्बकों के लिए हम 100 प्रतिशथ चीन पर निर्भर थे। लेकिन हाल ही में चीन ने आपूर्ति करने से इनकार कर दिया है। इसी वजह से भारत सरकार स्थायी चुम्बक निर्माण के लिए प्रयासरत है। हैदराबाद स्थित हमारे खनन मंत्रालय के संस्थान ने प्रयास कर उपकरणों सहित एक परमानेंट मैग्नेट प्रोसेसिंग यूनिट तैयार कर ली है। 3-4 महीने बाद, हम विभिन्न निजी कारखानों को तकनीक देकर स्थायी चुम्बक बनाने का प्रयास करेंगे। इसके लिए भारत सरकार ने कुछ पीएलआई योजनाएं भी शुरू की हैं।

पीएम मोदी से की जा चुकी है चर्चा :

जी किशन रेड्डी ने कहा, केंद्र सरकार रेअर अर्थ मैग्नेट को लेकर काफी गंभीरता से काम कर रही है। कई मंत्रालय मिलकर एक साथ काम कर रहे हैं। इस मुद्दे पर पीएम मोदी से भी चर्चा की गई है। हाल में ही पीएम मोदी के पांच देशों की यात्रा में भी अलग-अलग देशों से इसी मुद्दे पर बात की गई है।

उन्होंने बताया, रेअर अर्थ का रॉ मटेरियल भी भारत में काफी कम मिलता है। इसलिए कच्चे माल को विदेशों से सरकार आयात करने को लेकर काम कर रही है। रेअर अर्थ मैग्नेट का मोबाइल फोन से लेकर रक्षा क्षेत्र, स्पेस टेक्नोलॉजी समेत कई जगहों पर इसका उपयोग होता है।

बीमा राशि के लिए व्यक्ति ने रची सास की हत्या की साजिश

सिद्दीपेट, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति ने बीमा राशि का दावा करने के लिए सड़क दुर्घटना का नाटक करके अपनी सास की हत्या की कथित तौर पर साजिश रची। यह घटना 7 जुलाई को थोगुटा मंडल के पेद्दा मानसनपल्ली में हुई।

आरोपी तल्ला वेंकटेश (32) ने कथित तौर पर अपनी सास थाटिकोंडा रामाव्वा (50) के नाम पर कई दुर्घटना बीमा पॉलिसियां ली थीं, तथा उसके बाद उसने अपने दोस्त को अपनी सास को कार से कुचलने के लिए कहा।

शुरूआत में इसे एक दुर्घटना का मामला माना गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर वेंकटेश को आरोपी बनाया। पुलिस आयुक्त बी अनुराधा ने शनिवार को सिद्दीपेट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले की जानकारी दी।

वेंकटेश ने डाकघर में 755 रुपये देकर 15 लाख रुपये की पॉलिसी ली थी और एसबीआई में 2,000 रुपये सालाना देकर 40 लाख रुपये की पॉलिसी ली थी। उन्होंने रैतु भीमा योजना के लाभ पाने के लिए अपनी पत्नी के नाम 28 गुंटा ज़मीन भी दर्ज कराई थी।

बताया जा रहा है कि उस पर अपने दोस्त करुणाकर (29) के 1.3 लाख रुपये बकाया थे और मदद के बदले में उसने उसे बीमा राशि में हिस्सा देने का वादा किया था। करुणाकर ने सिद्दीपेट में एक सेल्फ-ड्राइव महिंद्रा थार किराए पर ली और वेंकटेश से लोकेशन अपडेट लेते हुए रामाव्वा को गाड़ी से टक्कर मार दी। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

14 जुलाई को जारी होगी टीजी एडसीईटी 2025 प्रवेश अधिसूचना

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एजुकेशन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी एडसीईटी) 2025 के माध्यम से दो वर्षीय बीएड कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिसूचना सोमवार को जारी की जाएगी, जिसके लिए पंजीकरण 21 जुलाई से शुरू होंगे। उम्मीदवार 31 जुलाई तक ऑनलाइन प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए पंजीकरण और आवेदन कर सकते हैं। एनसीसी, सीएपी, पीएच या खेल कोटे में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के प्रमाणपत्र सत्यापन की प्रक्रिया 23 से 26 जुलाई तक निर्धारित है। पात्र उम्मीदवारों की सूची 2 अगस्त को प्रकाशित की जाएगी और यदि कोई आपत्ति हो, तो उसी दिन ईमेल के माध्यम से भेजी जा सकती है। वेब विकल्प 4 और 5 अगस्त को उपलब्ध होंगे और 6 अगस्त को उनमें संशोधन किया जा सकता है। अनंतिम सीट आवंटन 9 अगस्त को निर्धारित है। अभ्यर्थियों को 11 से 14 अगस्त के बीच मूल प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए आवंटित कॉलेजों में ट्यूशन फीस भुगतान चालान के साथ रिपोर्ट करना होगा। कक्षाएं संभवतः 18 अगस्त से शुरू होंगी।

दीक्षांत समारोह में 462 डिग्रियां और डिप्लोमा प्रदान किए गए

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 462 डिग्रियां (व्यक्तिगत रूप से- 232 और अनुपस्थिति में- 230) और डिप्लोमा प्रदान किए गए, जिनमें पीएच.डी. (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी), एलएलएम (मास्टर ऑफ लॉ), एमबीए (मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन), एमए (कराधान कानून)- अनुपस्थिति में एमए (आपराधिक न्याय प्रबंधन), बीए, एलएलबी (ऑनर्स), बीबीए (ऑनर्स) [बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ऑनर्स)], बीबीए (बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन), पी.जी. डिप्लोमा इन टैक्सेशन लॉ, पी.जी. डिप्लोमा इन क्रिमिनल जस्टिस मैनेजमेंट शामिल हैं। इस अवसर पर 58 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिनमें पांच एलएलएम शामिल हैं। (मास्टर ऑफ लॉज़), एमबीए में एक। बीए.एलएलबी (ऑनर्स) के लिए 52। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा पदक वितरित किए गए। एलएलएम में मुस्कान कार्ला ने दो स्वर्ण पदक प्राप्त किए। बी.हरिनी, हुजैफा शेख, नंदिनी शिवरे ने एक-एक पदक प्राप्त किया। एमबीए में मुस्कान अल्वी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। बीए.एल.एल.बी. ऑनर्स में इशिका गर्ग ने आठ स्वर्ण पदक प्राप्त किए। के.एस. शैलेंद्र ने सात स्वर्ण पदक प्राप्त किए। अर्चिता ने छह स्वर्ण पदक प्राप्त किए। भव्या ने चार, तेजस्वी, श्रुति, अकील सूर्या ने तीन-तीन पदक प्राप्त किए। श्रुति और सान्वी ने दो-दो पदक प्राप्त किए। श्रीवल्ली, अनुष्का, अरिवालगन, जाह्नवी, प्रद्युम्न, शमिक और विष्णु ने एक-एक पदक प्राप्त किया।

ट्रेन के आगे कूदकर अज्ञात युवक ने कर ली आत्महत्या

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात सिकंदराबाद और लालागुडा के बीच रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक ने तेज गति से आ रही ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। पीड़ित की लाश, जिसकी उम्र 20 वर्ष के आसपास होने का संदेह है, ट्रैक रखरखाव टीम को मिली, जिसने सिकंदराबाद राजकीय रेलवे पुलिस को सूचित किया। रेलवे पुलिस ने हाल ही में गुमशुदगी की शिकायतों की जांच के लिए स्थानीय पुलिस थानों को सूचित कर दिया है। पीड़ित की पहचान के प्रयास जारी हैं।

वनों की सुरक्षा के लिए करेंगुट्टालु में किए जाएंगे सीएपीएफ शिविर स्थापित

कोत्तागुडेम, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) जल्द ही वन संपदा की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि आदिवासी स्वतंत्र रूप से वन संसाधनों तक पहुंच और उनका उपयोग कर सकें, करेंगुट्टालु पहाड़ियों पर शिविर स्थापित करेंगे, पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बताया। इस साल जनवरी से अब तक, विभिन्न रैंकों के 300 माओवादी 'ऑपरेशन चेयुथा' के तहत कोत्तागुडेम पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। शनिवार को, छह सीपीआई (माओवादी) कार्यकर्ताओं ने सीआरपीएफ बटालियन 81, 141, 151 और 204 कोबरा के अधिकारियों के साथ कोत्तागुडेम एसपी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

एसपी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 300 लोगों में से चार डीवीसीएम/सीवाईपीसी कैडर, 19 एसीएम/पीपीसीएम कैडर, 37 पार्टी सदस्य, 107 मिलिशिया सदस्य, 35 आरपीसी सदस्य, 47 डीएकेएमएस/केएएमएस सदस्य, 30 सीएनएम सदस्य और 21 जीआरडी सदस्य थे।

रोहित राजू ने कहा कि निचले स्तर के माओवादी शीर्ष नेतृत्व के आदेशों का पालन करने के लिए अनिच्छुक हो रहे हैं तथा अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए अपने पैतृक गांवों में लौटना चाहते हैं, क्योंकि सीपीआई (माओवादी) अपने पतन के अंतिम चरण में है। सामूहिक आत्मसमर्पण का कारण आत्मसमर्पण करने वाले कार्यकर्ताओं के लिए तेलंगाना सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और आदिवासियों के लिए उसकी विकास पहलों के बारे में बढ़ती जागरूकता को बताया गया।

उन्होंने कहा, यह एक सकारात्मक संकेत है कि आत्मसमर्पण करने वाले 90 प्रतिशत से अधिक माओवादी, जिनमें से अधिकांश गरीब आदिवासी हैं, अब अपने परिवारों के भविष्य के बारे में सोच रहे हैं और मुख्यधारा में शामिल होना पसंद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कई माओवादी कार्यकर्ता खराब स्वास्थ्य से पीड़ित हैं और वन क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय आदिवासियों से भोजन, सहायता और सहयोग की कमी के कारण कहीं आने-जाने में असमर्थ हैं।

एसपी ने बताया कि अंतरिम राहत के तौर पर, आत्मसमर्पण करने वाले 300 सशस्त्र कैडरों को 58 लाख रुपये वितरित किए गए हैं। शनिवार को आत्मसमर्पण करने वाले छह लोगों को 25-25 हज़ार रुपये दिए गए। इसके अलावा, इनाम की 10.75 लाख रुपये की राशि जल्द ही उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी। भद्राचलम एएसपी विक्रांत कुमार सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बीआरएस ने चुक्का रमेश के परिवार को दी वित्तीय सहायता

उनकी मौत में कांग्रेस सरकार की भूमिका का आरोप लगाया

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुलुगु जिले के चलवई निवासी चुक्का रमेश के परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिनकी कथित तौर पर कांग्रेस सरकार द्वारा उत्पीड़न के कारण मृत्यु हो गई थी। यह सहायता राशि रेडको के पूर्व अध्यक्ष वाई. सतीश रेड्डी, मुलुगु निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी बड़े नागज्योति और मुलुगु जिलाध्यक्ष लक्ष्मण राव ने शनिवार को रमेश के आवास पर जाकर उन्हें सौंपी। इस अवसर पर बोलते हुए, बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर चुक्का रमेश की मौत की साजिश रचने का आरोप लगाया और इसे राज्य प्रायोजित हत्या करार दिया।

उन्होंने दावा किया कि रमेश को सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए इंदिराम्मा आवास योजना में अनियमितताओं को उजागर करने के लिए निशाना बनाया गया। नेताओं ने आरोप लगाया कि मुलुगु में मंत्री सीतक्का के कुप्रबंधन का पर्दाफ़ाश होने के डर से सरकार ने रमेश के ख़िलाफ़ पुलिस कार्रवाई को उकसाया, जिसके कारण उनकी असामयिक मृत्यु हो गई। बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस नेताओं पर राज्य भर में इंदिराम्मा आवास योजना का दुरूपयोग करने, गरीबों से धन ऐंठने तथा आवास आवंटन के लिए 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया। जवाबदेही की मांग करते हुए बीआरएस ने रमेश की मौत की तत्काल जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

ट्रांसफार्मर से तांबा चुराते दो को पकड़ा

सिद्दीपेट, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट पुलिस ने तेलंगाना में 185 बिजली के ट्रांसफार्मर चुराकर तांबे के तार निकालने और बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 272 किलो तांबे का तार, 3.24 लाख रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस आयुक्त बी अनुराधा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए मोहम्मद अजहरुद्दीन (27) और मोहम्मद शाकिर (28) राजस्थान के रहने वाले हैं। तीन अन्य- थेलिम खान, सलीम उर्फ सोहेल और मोहम्मद अकर- फरार हैं। कोंडापाक मंडल के ट्रांसको सहायक अभियंता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि आरोपी कई समान मामलों में शामिल थे। उनकी गतिविधियों पर नज़र रखने के बाद, पुलिस ने अज़हरुद्दीन और शाकिर को गिरफ्तार कर लिया, जिन्हें बाद में अदालत में पेश किया गया और रिमांड पर भेज दिया गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No.14664112P, NK, Prem Purushottam Choudhary, R/o, Sitamarhi Dist, Bihar, changed my Mother's name from Phool Devi to Ful Devi vide Affidavit dt 11.07.2025.

I, Vaisalee Sominath, W/o, No.14681027H, Hav, Dhokte Sominath Navnath, R/o, Vill & PO :Takalsing, Dist: Beed, Maharashtra, changed my name from Vaisalee Sominath to Dhokte Vaishali Sominath vide Affidavit dt 11.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

शादीशुदा पूजा यादव ने प्रेमी रौशन के लिए थाने में ही खा लिया जहर

वाराणसी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इन दिनों उत्तर प्रदेश से ट्रायंगल लव स्टोरी में आए दिन कहीं जान लेने और देने की खबरें सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में वाराणसी के महिला थाने में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब 28 वर्षीय पूजा यादव नाम की शादीशुदा महिला ने थाने परिसर में ही जहर खा लिया और फिर मंडलीय अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दरअसल, शादीशुदा पूजा और उसके प्रेमी रौशन यादव को महिला थाने में बुलाया गया था। यहां दोनों को रौशन की महिला मित्र अंजना यादव की शिकायत पर पूछताछ और समझौते के लिए बुलाया गया था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान पूजा ने महिला थाना परिसर में ही जहर खा लिया।

'बिहार में कानून व्यवस्था फेल'

कांग्रेस ने पूछा-मंत्री जीवेश मिश्रा पर कब गिरेगी गाज?

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता और सोशल मीडिया एवं डिजिटल मंच की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था और नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने नकली दवा निर्माण में मंत्री की भूमिका को लेकर राज्य सरकार पर सीधा हमला बोला।

नकली दवा मामले में दोषी पाए गए मंत्री

सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि बिहार सरकार के नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा, जो अल्टो हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के निदेशक हैं, उनकी कंपनी द्वारा राजस्थान के राजसमंद जिले में भेजी गई सिप्रोलिन-500 टैबलेट घटिया और नकली पाई गई। इस मामले में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स अधिनियम की कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज हुआ। 4 जून 2025 को राजस्थान की अदालत ने जीवेश मिश्रा सहित 9 लोगों को दोषी करार दिया, लेकिन जेल भेजने के बजाय प्रोबेशन ऑफ ऑफेंडर्स अधिनियम, 1958 की धारा 4 और 5 के तहत राहत देते हुए जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, "यह केवल कानूनी मामला नहीं, बल्कि मानवीय, नैतिक और जनस्वास्थ्य से जुड़ा प्रश्न है। क्या मंत्री पद पर बैठा व्यक्ति इतनी गंभीर लापरवाही को 'पहली गलती' कहकर बच सकता है?"

बिहार में 'गुंडाराज', कानून व्यवस्था पर कांग्रेस का हमला

राज्य में बढ़ते अपराधों को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि "आज बिहार में एनडीए का शासन नहीं, बल्कि गोलियों का राज है-यानी गुंडाराज।" उन्होंने राजधानी पटना सहित पूरे राज्य में व्यापारियों की हत्या, खुलेआम गोलीबारी, पुलिस पर हमले और महिलाओं-बच्चियों पर हो रहे अत्याचारों का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया।

महिलाओं और बच्चियों पर अत्याचार

पिछले 15–20 दिनों में पटना, मुजफ्फरपुर, छपरा, बेतिया, सीतामढ़ी, बगहा, अररिया, मुंगेर जैसे जिलों में नाबालिग बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या के कई मामले सामने आए। राज्य में प्रतिदिन औसतन 28 महिलाओं का अपहरण और 55 महिला अपराध दर्ज हो रहे हैं।

गैंगवार और सामाजिक हिंसा

बेगूसराय, मोकामा, पंडारक, बांका जैसे इलाकों में लगातार गैंगवार हो रहे हैं। सीतामढ़ी में तालिबानी सज़ा के नाम पर 5 बच्चों को नग्न कर सड़कों पर घुमाया गया, जो समाज और कानून के लिए शर्मनाक है। मीडिया सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, मीडिया विभाग प्रमुख राजेश राठौड़, सोशल मीडिया प्रभारी प्रणव झा, सौरभ सिंहा, असित नाथ तिवारी और अचला सिंह सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

20 करोड़ की ऑनलाइन ठगी का खुलासा, तीन साइबर ठग गिरफ्तार

प्रतापगढ़, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ से पुलिस ने एक बड़ी साइबर ठगी का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने ऑनलाइन गेमिंग, ट्रेडिंग और लोन एप के माध्यम से लोगों को ठगने का काम किया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल, बैंक पासबुक और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे लोगों को झांसे में लेकर उनके खाते से पैसे निकाल लेते थे। उनका एक संगठित गिरोह है, जिसमें शिवम तिवारी, अनुराग शुक्ला और अंकित पाल शामिल हैं। आरोपियों ने बताया कि वे फर्जी एप बनाकर लोगों को निवेश करने के लिए प्रेरित करते थे और उनके पोर्टफोलियो में निवेश की गई राशि को दो गुना दिखाते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने 16 राज्यों में 55 शिकायतों में लगभग 20 करोड़ रुपये की ठगी की है। आरोपियों के संबंध पश्चिम बंगाल, बिहार और असम जैसे राज्यों के अन्य साइबर अपराधियों से जुड़े हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों में शिवम तिवारी, अनुराग शुक्ला और अंकित पाल शामिल हैं। शिवम तिवारी और अनुराग शुक्ला के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से बरामद दस्तावेजों और मोबाइल का विश्लेषण किया है

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की बढ़ीं मुश्किलें कोर्ट ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

सहारनपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. सीबीआई की विशेष अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है. उन पर 40.12 लाख रुपए की हेराफेरी का आरोप लगा है. सीबीआई की विशेष अदालत ने सांसद इमरान मसूद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है. साल 2007 में पीएनबी में 40.12 लाख रुपए की हेराफेरी हुई थी.

इस मामले में सहारनपुर नगरपालिका के ईओ ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था. सीबीआई कोर्ट गाजियाबाद में इस मामले की सुनवाई चल रही है. अदालत ने इमरान मसूद की डिस्चार्ज एप्लीकेशन खारिज कर दी. कांग्रेस सांसद की हाजिरी के लिए अब 18 जुलाई को सुनवाई होगी. विशेष सीबीआई न्यायाधीश अरविंद मिश्र ने ये आदेश दिए हैं. बता दें कि इमरान मसूद सहारनपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं. इससे पहले, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने मतदाता सूची पुनरीक्षण पर कहा था कि चुनाव आयोग निष्पक्ष रूप से चुनाव आयोजित नहीं कराएगा तो लोकतंत्र नहीं बचेगा. लोकतंत्र को जिंदा रखना है तो सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए और निगरानी में चुनाव आयोग से काम कराना चाहिए.

जितनी अधिक भाषाएं आप सीखेंगे, उतना ही बेहतर होगा

उन्होंने महाराष्ट्र भाषा विवाद पर कहा था कि भाषा विवाद एक निराधार मुद्दा है. हर भाषा अपने तरीके से सुंदर है और लोगों को ज्ञान प्राप्त करना चाहिए और विभिन्न भाषाएं सीखनी चाहिए. अगर मैं मराठी बोलना शुरू कर दूं तो मेरे लिए अच्छी बात है कि मैं नई भाषा को जान पाया. जितनी अधिक भाषाएं आप सीखेंगे, उतना ही बेहतर होगा. यह ऐसा कुछ नहीं है, जो बिना किसी कारण के किसी की पिटाई को सही ठहराए. उनके पास केवल नफरत का एजेंडा है और नफरत फैलाने के मकसद के आगे उनके पास कुछ नहीं है.

भारत-नेपाल सीमा पर खाद तस्करी रोकने गए जवानों पर हमला

मोतिहारी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मोतिहारी में भारत-नेपाल सीमा पर खाद तस्करी को रोकने गए एसएसबी जवानों पर तस्करों ने हमला कर दिया। एसएसबी की 71वीं वाहिनी के चार जवान इस हमले में घायल हो गए। जवानों को आत्मरक्षा में हवाई फायरिंग करनी पड़ी। घटना बाह्य सीमा चौकी अगरवा के क्षेत्र में हुई। रात्रि गश्ती के दौरान जवानों ने देखा कि करीब 200-250 लोग साइकिल पर खाद लेकर नेपाल की तरफ जा रहे थे। इनमें महिलाएं, युवक और बच्चे शामिल थे।

एसएसबी जवानों ने जब तस्करों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पथराव शुरू कर दिया। तस्करों ने डंडों से हमला किया और जवानों के हथियार छीनने की कोशिश भी की। जवानों ने स्थिति को काबू में करने के लिए हवाई फायरिंग की।

योगी आदित्यनाथ मतांतरण पर गंभीर

बोले- सरकार कर रही है सख्त कार्रवाई, आप भी सजग रहें

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर लखनऊ से दिल्ली जाने वाले संदेश यात्रा का मुख्यमंत्री आवास से शुभारंभ किया। यात्रा लखनऊ से प्रारंभ होकर कानपुर, इटावा, आगरा होते हुए दिल्ली के चांदनी चौक, शीशगंज के गुरुद्वारा पहुंचकर समाप्त होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब पर प्रकाश डालने के साथ मतांतरण में लिप्त लोगों के सजग रहने की सलाह देने के साथ सरकार की प्राथमिकता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में मतांतरण की साजिशें हो रही हैं।

हिंदुओं और सिखों आदि के मतांतरण के रेट तय किए गए हैं। सरकार मतांतरण के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। आप भी सजग रहें। हिंदू युवतियों को निशाना बनाया जा रहा है। हम किसी भी दोषी को नहीं बख्शेंगे, लेकिन आप लोग भी सजग रहें और किसी भी अनहोनी की शासन-प्रशासन को जानकारी जरूर दें। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां बदली हैं, काम का तरीका बदला है। हिंदुओं व सिखों के बीच दरार डालने की कोशिशें होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी संपूर्ण मानवता के लिए एक प्रेरणापुंज हैं। जिस देश के लिए सिख गुरुओं ने बलिदान दिया उसे बनाए रखने के लिए नई रणनीति से काम करने की जरूरत है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु तेग बहादुर महाराज ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दी। इस कार्यक्रम के जरिए उनकी यात्रा और 350 वर्षों के संपूर्ण इतिहास को ही जीवंत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री औरंगजेब के युग को याद किया और कहा कि वह कैसा युग रहा होगा जब औरंगजेब जैसा क्रूर और बर्बर शासक था। उस दौरान हर जगह से अत्याचार की खबरें सामने आती थीं।

औरंगजेब का पहला उद्देश्य सनातन धर्म को मिटाना था। उसको अपने इस्लामीकरण अभियान के दौरान सबसे पहली और बड़ी चुनौती गुरु तेग बहादुर महाराज से मिली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस ऐतिहासिक यात्रा का स्वागत व अभिनंदन किया और इसे ' बलिदान, शांति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन भारत के सांप्रदायिक सौहार्द, सहिष्णुता और धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान की मिसाल है। गुरु तेग बहादुर से जुड़े यूपी के स्थलों पर कार्यक्रम की रणनीति बनाई जाएगी।

'मैं उनका फैन हूं'

पवन सिंह ने की तेजस्वी यादव की तारीफ, शराबबंदी पर कह दी बड़ी बात

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पावर स्टार पवन सिंह ने तेजस्वी यादव की जमकर तारीफ की. साथ ही उन्होंने बिहार में शराबबंदी को लेकर भी बड़ा बयान दिया और कहा की लिमिट में शराब बिकनी चाहिए. पूरी तरह रोक लगाना सही नहीं है.

पवन सिंह ने कहा कि लिमिट में अगर शराब मिलती तो कोई हर्ज नहीं था. किसी भी चीज को पूरी तरह बंद नहीं करना चाहिए. एक हद तक रोक लगा देना चाहिए. अगर कोई लिमिट क्रॉस करता है, तो उसे सजा दीजिए, लेकिन देसी शराब के कारण जो गांव में मौतें हो रही है वो सही नहीं है, कभी 70 लोगों की मौत की खबर कभी 100 लोगों की मौत की खबर आती है. ये कहां तक सही है. जब उनसे पूछा गया कि आप शराबबंदी की बात कर रहे हैं रहे हैं, तो उन्होंने साफ कहा कि हम नाम नहीं लेंगे, लेकिन ये सही नहीं है. उन्होंने ये भी कहा कि जब भी कोई खुशी का काम होता है, खुशी मनानी होती है, लोग दूसरे प्रदेश चले जाते हैं. पड़ोसी राज्य यूपी और दिल्ली चले जाते हैं. बिहार की सारी खुशी ही साइड हो गई है. एक सवाल के जवाब उन्होंने तेजस्वी यादव को जमीन से जुड़ा नेता बताया और कहा कि वो लोगों के बीच जाते हैं. गांव-गांव जाकर लोगों से मिलते हैं. उनकी बात में दम होताहै. उन्होंने ये भी कहा कि तेजस्वी 9वीं फेल हैं तो मैं भी 6ठी पास हूं.

क्लेम देने से मुकरी बीमा कंपनी तो कंज्यूमर कोर्ट ने ब्याज सहित राशि लौटाने के दिए निर्देश

ग्रेटर नोएडा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। नोएडा में जिला उपभोक्ता आयोग ने एक अहम फैसले में बीमा कंपनी को इलाज खर्च की पूरी राशि ब्याज सहित लौटाने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने माना कि बीमा कंपनी न केवल उपभोक्ता से किया गया वादा निभाने में असफल रही, बल्कि सेवा में कमी भी की, जिससे उपभोक्ता को मानसिक और आर्थिक नुकसान हुआ। यह मामला नोएडा सेक्टर-33 निवासी ताराचंद्रा से जुड़ा है।

उन्हें 26 अप्रैल 2021 को निमोनिया हो गया था, जिसके बाद उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उनके पास 11 जुलाई 2020 से 10 जुलाई 2021 तक वैध एक मेडिकल बीमा पॉलिसी थी, जिसके लिए उन्होंने 14,803 रुपये का प्रीमियम अदा किया था। इलाज के बाद अस्पताल ने 3 जून 2021 को 4,64,143 रुपये का क्लेम बीमा कंपनी को भेजा, लेकिन कंपनी ने 17 अक्टूबर को क्लेम को अस्वीकार कर दिया। बीमा कंपनी का तर्क था कि

इलाज से संबंधित दस्तावेज जाली और मनगढ़ंत हैं तथा पॉलिसी धोखाधड़ी के आधार पर रद्द की गई थी।

क्लेम ठुकराए जाने के बाद पीड़ित ने जिला उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। आयोग में दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजु शर्मा ने पाया कि बीमा कंपनी अपने दावों को साबित नहीं कर सकी। उन्होंने यह भी माना कि बीमा कंपनी ने उपभोक्ता के साथ अनुचित व्यवहार किया और सेवा में घोर लापरवाही बरती। आयोग ने बीमा कंपनी को आदेश दिया है कि वह 30 दिन के भीतर 4,64,143 रुपये की राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ शिकायत दर्ज करने की तारीख से लेकर भुगतान की तारीख तक लौटाए। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि बीमा कंपनी की ओर से दस्तावेजों को जाली साबित करने के लिए कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं किया गया,

जिससे उसकी बात कमजोर साबित हुई। यह फैसला बीमा कंपनियों को उपभोक्ताओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की कड़ी चेतावनी देता है और आम नागरिकों को भी अपने अधिकारों को लेकर सजग रहने का संदेश देता है।

'डेढ़ साल पहले हुई शादी अब था डिलीवरी का समय'

बेड पर मिली जूनियर डॉक्टर की लाश, बाएं हाथ पर थे दो निशान

गोरखपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल के कमरे में शुक्रवार सुबह जूनियर डॉक्टर अबिषो डेविड (32) का शव बेड पर मिला। बाएं हाथ में इंजेक्शन के दो निशान मिले। पास के मेज पर वेक्यूरोनियम ब्रोमाइड इंजेक्शन का वॉयल मिला। आशंका जताई जा रही है कि डॉक्टर ने इसकी ओवरडोज लेकर खुदकुशी की है। मौके पर पहुंची गुलरिहा पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की। जानकारी के अनुसार, डॉ. अबिषो डेविड केरल के तिरुअनंतपुरम के निवासी थे।

मेडिकल कॉलेज के 100 सीट पीजी हॉस्टल में रह रहे थे। वह एनेस्थीसिया विभाग में जूनियर रेजिडेंट (जेआर-3) के रूप में सेवाएं दे रहे थे। सुबह जब डॉ. अबिषो डेविड समय पर विभाग में उपस्थित नहीं हुए तो विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार ने कर्मचारी को उनके हॉस्टल में भेजा। कर्मचारी जब हॉस्टल पहुंचा तो देखा कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है। खटखटाने और आवाज लगाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इस पर कर्मचारी ने विभागाध्यक्ष को सूचना दी। इसके बाद डॉ. सतीश कुमार अन्य डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ हॉस्टल पहुंचे। काफी प्रयासों के बाद जब दरवाजा नहीं खुला तो उसे तोड़ा गया। अंदर जाने पर डॉ. अबिषो डेविड बेड पर मृत अवस्था में पड़े थे। घटना की सूचना पर प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल समेत कई वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षक और रेजिडेंट डॉक्टर भी मौके पर पहुंच गए। इस संबंध में एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। डॉ. अबिषो की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व केरल में हुई थी। पत्नी डॉ. निमिषा गायनेकोलॉजिस्ट हैं।

वह गर्भवती हैं, इसी सप्ताह डिलीवरी होने वाली है। डॉ. अबिषो शुक्रवार को छुट्टी पर घर जाने वाले थे। वह एनेस्थीसिया विभाग में तृतीय वर्ष के छात्र थे। पढ़ने में बचपन से होनहार और कॉलेज में भी रैंकर थे। कॉलेज के लिए यह दुखद घटना है।

पटना में अपराधियों का तांडव जारी

सीएम नीतीश के सुशासन में एक और कारोबारी की हत्या, बदमाशों ने गोलियों से भूना

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में अपराधियों का तांडव लगातार जारी है। लॉ एंड ऑर्डर सवालों के घेरे में है। कारोबारियों को निशाना बनाया जा रहा है। शुक्रवार को पटना में एक और कारोबारी की हत्या हो गई। देर रात पटना के रामकृष्ण नगर थाना इलाके में ये घटना हुई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तृष्णा मार्ट के मालिक थे विक्रम झा

जानकारी के मुताबिक विक्रम झा नाम के एक दुकानदार को गोली मारी गई है, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वे दरभंगा के रहने वाले थे। विक्रम झा तृष्णा मार्ट के मालिक थे। बाइक सवार अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। घटना को अंजाम देकर अपराधी फरार हो गए हैं। घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर जांच में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। परिचय कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी), पटना मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि आस पास के लोगों ने बताया कि एक व्यक्ति बाइक पर आया था। उसने गोली मारी और फरार हो गया। एक व्यक्ति को भागते देखा गया है।

वैसे और भी लोग इसमें शामिल हो सकते हैं। विक्रम झा को इलाज के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। परिचय कुमार ने कहा कि दुकान को देखकर लग रहा है कि लूटपाट की कोई घटना नहीं हुई है। घटना का कारण क्या है, यह पता लगाने में हम लोग जुटे हुए हैं। अपराधी को पकड़ने के लिए छापेमारी चल रही है। घटनास्थल से गोली का खोखा बरामद नहीं हुआ है। एफएसएल की टीम बुलाई गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, लोकल थाने से पता चला है कि पूर्व में इनके जरिए कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी।

अपराधियों के निशाने पर कारोबारी

बता दें कि बिहार में ये चुनावी वर्ष है। एक के बाद एक बड़ी अपराधिक घटनाएं हो रही हैं। कानून व्यवस्था पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। अपराधियों के निशाने पर कारोबारी हैं। बड़े व्यवसाय गोपाल खेमका की अपराधियों ने घर के गेट पर ही गोली मार कर हत्या की थी। इसके बाद बालू कारोबारी रमाकांत यादव को अपराधियों ने गोलियों से भून डाला। इसी बीच अब कारोबारी विक्रम झा को अपराधियों ने मौत के घाट उतार दिया है। अपराधी पूरी तरह से बेखौफ नजर आ रहे हैं।

पटना में भीषण सड़क हादसा, नहर में पलटी कार, 3 की मौत; दो घायल

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थाना क्षेत्र में शनिवार की तड़के सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां रानी तालाब थाना क्षेत्र सरैया गांव के पास एक कार अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन की टीम और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। जेसीबी के सहारे कार को बाहर निकाल गया।

लेकिन तब तक कार मे मौजूद 5 लोगों मे से तीन की मौत हो चुकी थी। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल है, उन्हें इलाज के लिए पटना एम्स रेफर किया गया है। इधर मृतकों की पहचान 52 वर्षीय निर्मला देवी, 36 वर्षीय नीतू सिंह और 10 वर्षीय अस्तितु कुमारी के रूप में हुई है। सभी लोग वैशाली जिले के महुआ इलाके के रहने वाले है। घायलों में नंदन सिंह और रिद्धि सिंह है, जिनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक वे सब किसी के शादी की सालगिरह में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ से वैशाली के हाजीपुर जा रहे थे। तभी यह हादसा हुआ।

इधर घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। पूरे परिवार में मातम छा गया। घटना को लेकर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि। सुबह पुलिस को सूचना मिली कि थानाक्षेत्र के सरैया गांव के पास एक कार नहर में पलट गई है, जिसके बाद पुलिस की टीम और स्थानीय लोगों और जेसीबी के सहारे कार को नहर से बाहर निकाला गया। जहां कार में मौजूद तीन लोगों की मौत चुकी है। जबकि दो लोग घायल है। कार में कुल पांच लोग सवार थे। सभी लोग छत्तीसगढ़ से वैशाली के लिए जा रहे थे।

अकाउंट नम्रता का, पैसा निकाल रही थी शीला

आधार के जरिए महिला ठग ने खाता किया खाली

अंबेडकर नगर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पैसा रखने के लिए अब तक सबसे सुरक्षित माना जाने वाला बैंक खाता भी सुरक्षित नहीं रह गया है। जालसाज कब आपकी मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर दें, इसकी आपको भनक भी नहीं लगेगी।उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में पुलिस ने ऐसी ही एक जालसाजी का सनसनीखेज खुलासा किया है। साथ ही पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला टांडा कोतवाली क्षेत्र का है। यहां नम्रता दूबे पत्नी शिशिर कुमार निवासी गांव फूलपुर जमुनीपुर का बैंक ऑफ बड़ौदा के मालीपुर शाखा में खाता है। बीते तीस अक्टूबर को नम्रता ने बैंक में शिकायत कर कहा कि उनके खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा हेरा-फेरी कर अवैध रूप से पैसे निकाले गए। इसके बाद खाता धारक की शिकायत पर बैंक ने एक आंतरिक जांच कराई। जांच में पता चला कि शीला देवी नामक महिला द्वारा तकरीबन 9 लाख 30 हजार रूपये निकाले गए हैं।

बैंक के नियमों के अनुसार, खाता खोलने या पुराने खातों को संचालित करने के लिए खाते में आधार नंबर की फीडिंग आवश्यक है।

खाताधारकों की सुविधा के लिए आधार नंबर से पैसे निकालने की व्यवस्था है। बैंक की इसी सुविधा का लाभ जालसाजों ने उठाया। वहीं पुलिस की जांच के मुताबिक, शीला देवी पत्नी मुन्ना निवासी शाहपुर कुरमौल कोतवाली टांडा की निवासी हैं। शीला देवी ने ग्राहक सेवा केंद्र मुबारकपुर के संचालक आशीष कुमार यादव के माध्यम से नम्रता दूबे के खाते में अपना आधार फीड करा दिया। आधार कार्ड की इस हेरा फेरी से शीला की पहुंच नम्रता के खाते तक हो गई। इसके बाद शीला ने आधार नंबर का इस्तेमाल कर अपना अंगूठा लगाकर नम्रता के खाते से पैसे निकालने शुरू कर दिए। शीला देवी और बीसी संचालक आशीष यादव ने मिलकर 9 लाख 30 हजार रूपये नम्रता के खाते से निकाल लिए। इन जालसाजों ने न सिर्फ नगद पैसा निकाला, बल्कि एक लाख रुपए की एफडी भी बनवा ली।

इस पूरे मामले में टांडा कोतवाली प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी ने बताया कि जालसाजी कर पैसा निकालने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट पर वन्यजीव तस्करी का भंडाफोड़ दुर्लभ प्रजातियों के खरगोश-तोते और कछुए जब्त

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कस्टम्स ज़ोन-आईआईआई के एयरपोर्ट कमिश्नरेट अधिकारियों ने 10 और 11 जुलाई की दरम्यानी रात छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो अलग-अलग मामलों में दुर्लभ और संरक्षित वन्य जीवों की तस्करी का पर्दाफाश किया है। अधिकारियों ने इन मामलों में दो विदेशी यात्रियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से जीवित और मृत जानवरों को बरामद किया है। यह कार्रवाई कस्टम अधिनियम, 1962 तथा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत की गई। सभी वन्यजीव प्रजातियों की तस्वीरें ली गईं और उन्हें क्षेत्रीय उप निदेशक, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, पश्चिमी क्षेत्र को भेजा गया। अभियुक्त सुहैल अहमद ने अपने स्वैच्छिक बयान में पकड़े गए जानवरों की जानकारी दी, साथ ही उनके कब्जे, संचालन, छुपाने, तस्करी और बरामदगी का भी स्वीकार किया।

पहले मामले में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, बैंकॉक से मुंबई आए एक यात्री को रोका गया। उसके क्रीम रंग के ट्रॉली बैग की जांच के दौरान उसमें से निम्न वन्यजीव बरामद किए गए: यात्री को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। तो वहीं दूसरे मामले में एक अन्य यात्री, जो बैंकॉक से मुंबई आया था, को रोककर उसके हरे रंग के ट्रॉली बैग की जांच की गई। उसमें से निम्न वन्य जीव पाए गए: स यात्री को भी गिरफ्तार किया गया और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू की गई। मुंबई कस्टम्स ज़ोन-आईआईआई ने लगातार सतर्कता और सटीक खुफिया जानकारी के चलते वन्यजीव तस्करी की इन कोशिशों को विफल किया। विभाग की यह कार्रवाई दुर्लभ प्रजातियों के अवैध व्यापार के खिलाफ एक सख्त संदेश है।

कार से सागौन की तस्करी, वन अमले को आता देख कार छोड़कर फरार हुए तस्कर

सीहोर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। सीहोर में सागौन बहुतायत में पाया जाता है। इसलिए सागौन तस्करों की जिले में हमेशा नजर रहती है। वन विभाग भी इन सागौन तस्करों के आगे कमतर ही साबित होता है। ऐसा ही मामला बुधनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले खटपुरा बीट के जंगल से इमारती लकड़ी सागौन की तस्करी का मामला सामने आया। वन विभाग की टीम ने कार का पीछा किया तो तस्करों ने कार की स्पीड बढ़ा दी। वन अमले ने भी दिलेरी दिखाते हुए करीब 15 किमी तक पीछा किया, लेकिन अंततः तस्कर वाहन को रास्ते में खड़ा करने के बाद चकमा देकर भाग निकले। जानकारी के अनुसार अलसुबह मुखबिर द्वारा सूचना मिली की ग्राम खटपुरा के जंगल से इमारती लकड़ी सागौन की तस्करी एक सफेद रंग की कार से की जा रही है। सूचना पर वन विभाग द्वारा एक टीम का गठन कर सर्चिंग अभियान चलाया गया। टीम को खटपुरा की मुख्य सड़क पर जंगल से आती हुई एक कार दिखी, जिसे घेराबंदी कर रोकना चाहा, लेकिन कार चालक वन विभाग की टीम को देखकर कार को बुधनी की तरफ तेज रफ्तार से ले गया। उसका पीछा वन विभाग की टीम कर रही थी।

'पाकिस्तान का समर्थन अपराध नहीं'

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह कहते हुए छात्र को दी जमानत

प्रयागराज, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी करते हुए उस छात्र को जमानत दे दी है, जिसने सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट की थी। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति भारत या किसी विशेष घटना का उल्लेख किए बिना महज पाकिस्तान का समर्थन करता है, तो वह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 के तहत प्रथम दृष्टया अपराध नहीं माना जा सकता।

यह फैसला न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की पीठ ने 18 वर्षीय रियाज को जमानत देते हुए सुनाया, जो 25 मई से जेल में बंद था। रियाज ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, "चाहे जो हो जाय, सपोर्ट तो बस पाकिस्तान का करेंगे।" इसके आधार पर उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया था।

अब अदालत ने कहा कि चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और आरोपी को अब अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जरूरत नहीं है, लिहाजा उसे जमानत मिलनी चाहिए। रियाज की ओर से दलील दी गई कि उसकी पोस्ट में न तो भारत का नाम था, न राष्ट्रीय ध्वज या कोई ऐसा प्रतीक जिससे देश की गरिमा को ठेस पहुंचे। केवल पाकिस्तान के प्रति समर्थन व्यक्त करना बीएनएस की धारा 152 के तहत दंडनीय नहीं माना जा सकता। राज्य सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इस तरह की पोस्ट समाज में वैमनस्य फैलाती हैं और अलगाववाद को बढ़ावा देती हैं।

हालांकि कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के इमरान प्रतापगढ़ी बनाम गुजरात राज्य मामले का हवाला देते हुए कहा कि विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान का मूलभूत अधिकार है। अदालत ने स्पष्ट किया कि धारा 152 में कठोर दंड का प्रावधान है, इसलिए इसे लागू करने में विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए। सिर्फ सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट करना, जब तक वह सीधे तौर पर भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में न डाले, तब तक उसे आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि भले ही मामला बीएनएस की धारा 196 के तहत विचारणीय हो, लेकिन उस पर भी कार्रवाई करने से पहले धारा 173(3) के तहत प्रारंभिक जांच अनिवार्य थी, जो इस केस में नहीं की गई। रियाज की कम उम्र, आपराधिक रिकॉर्ड न होना और चार्जशीट दाखिल होने के आधार पर अदालत ने उसे सशर्त जमानत दी।

केरल में सीपीएम सांसद के जीजा की गुंडागर्दी

अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों और अटेंडर पर किया हमला

पालक्काड, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के पालक्काड से सीपीएम सांसद के राधाकृष्णन के जीजा की गुंडागर्दी का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में उन्हें मारपीट करते देखा जा सकता है। हालांकि, उनके खिलाफ अब तक कोई मामला नहीं दर्ज हुआ है। ऐसे में विपक्षी दल कांग्रेस और बीजेपी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं ने केरल सरकार पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। केरल में एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक अलायंस) की सरकार है। इस गठबंधन में सीपीआई, सीपीएम और केरल कांग्रेस (एम) शामिल हैं। सीपीएम सांसद के. राधाकृष्णन के रिश्तेदारों ने 11 जुलाई को पालक्काड के चेलक्करा तालुक अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों और अटेंडर पर हमला किया। यह हमला तब हुआ जब सुरक्षाकर्मियों ने एक ऑटो चालक को आईसीयू परिसर से ऑटो हटाने के लिए कहा।

सांसद की बहन के पति ने आपस में हुई बहस के बाद सुरक्षाकर्मियों और महिला अटेंडर पर हमला किया। अस्पताल अधीक्षक ने घटना की पुष्टि की है। हालांकि, पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन बाद में किसी दबाव में अस्पताल प्रशासन ने शिकायत वापस ले ली। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, लेकिन अब तक पुलिस ने कोई मामला नहीं दर्ज किया है।

इस घटना से जुड़ी एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सामने आई है।

राजा रघुवंशी मर्डर केस में दो को मिली जमानत

इंदौर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। निवासी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में नए अपडेट सामने आए हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी डीकेके मिहसिल्ल की अदालत ने दो सह-आरोपियों, लोकेंद्र सिंह तोमर और बलबीर अहिरवार को जमानत दे दी है। लोकेंद्र सिंह तोमर इस मामले में गिरफ्तार होने वाला आठवां आरोपी था। लोकेंद्र वह फ्लैट मालिक है, जहां हत्या के बाद मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी ने शरण ली थी, जबकि बलबीर उस इमारत का सुरक्षा गार्ड है।

द शिलॉन्ग टाइम्स की रिपोर्ट्स के अनुसार, उसकी इमारत के एक फ्लैट में सोनम रघुवंशी 30 मई से 7 जून 2025 तक छिपी रही थी। बताया गया है कि यह फ्लैट शिलोम जेम्स नामक व्यक्ति को किराए पर दिया गया था। बलबीर अहिरवार, जो उस फ्लैट का सुरक्षा गार्ड है, उस

दौरान तैनात था और इस पूरी गतिविधि की जानकारी रखता था। सरकारी वकील तुषार चंदा के अनुसार, दोनों सह-आरोपियों के खिलाफ दर्ज धाराएं जमानती थीं और उनकी हत्या में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं पाई गई। अदालत को बताया गया कि इन दोनों की भूमिका केवल सोनम को शरण देने और सुरक्षा तक सीमित थी।

इसी आधार पर अदालत ने उन्हें जमानत पर रिहा करने का निर्णय लिया। चंदा ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच के दौरान इनकी संलिप्तता केवल परिस्थितिजन्य थी। उधर, इस मामले में एक अन्य आरोपी शिलोम जेम्स को अदालत ने 2 जुलाई को हुई सुनवाई के बाद 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। शिलोम पर आरोप है कि उसने हत्या से जुड़े सबूतों को मिटाने का प्रयास किया। वह इंदौर का निवासी है और उसके वकील अब अगली सुनवाई में जमानत याचिका दाखिल करने की तैयारी में हैं। गौरतलब है कि 23 मई को मेघालय के सोहरा में राजा रघुवंशी की हत्या उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी ने कर दी थी। यह मामला देशभर में चर्चा में रहा और अब अदालत में सुनवाई जारी है।

53 करोड़ रुपये की बैंक डकैती, अब तक मास्टरमाइंड समेत 15 आरोपी गिरफ्तार

विजयपुरा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के मणगुली गांव में केनरा बैंक की शाखा में हुई 53.26 करोड़ रुपये की सनसनीखेज डकैती के मामले में पुलिस ने अब तक 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस डकैती का मास्टरमाइंड बैंक का पूर्व शाखा प्रबंधक विजयकुमार मिरियाला बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, 25 मई 2025 को इस चोरी की घटना सामने आई थी, जिसमें 40.7 किलोग्राम शुद्ध वजन के सोने के आभूषण और 5.2 लाख रुपये नकद चोरी किए गए। शुरुआत में बैंक ने चोरी हुए सोने का वजन 58.9 किलोग्राम बताया था, जिसे बाद में शुद्ध वजन में संशोधित किया गया। जांच में पता चला कि यह डकैती की प्लानिंग काफी बारीकी से की गई थी।

साजिश की शुरुआत फरवरी 2025 में हुई, जब विजयकुमार मिरियाला ने अपने ट्रांसफर की वेटिंग के दौरान पूरी प्लानिंग की। 9 मई को ट्रांसफर होने के बाद उसने तिजोरी की चाबियों की डुप्लीकेट कॉपी अपने साथियों को सौंप दी। चोरी की रात सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए और सुरक्षा उपकरणों से साथ छेड़छाड़ की गई। शुरुआत में बैंक ने चोरी हुए सोने का वजन 58.9 किलोग्राम बताया था, जिसे बाद में शुद्ध वजन में संशोधित किया गया। जांच में पता चला कि यह डकैती की प्लानिंग काफी बारीकी से की गई थी। साजिश की शुरुआत फरवरी 2025 में हुई, जब विजयकुमार मिरियाला ने अपने ट्रांसफर की वेटिंग के दौरान पूरी प्लानिंग की। 9 मई को ट्रांसफर होने के बाद उसने तिजोरी की चाबियों की डुप्लीकेट कॉपी अपने साथियों को सौंप दी। चोरी की रात सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए और सुरक्षा उपकरणों से साथ छेड़छाड़ की गई।

मामले को रहस्यमय बनाने के लिए चोरों ने घटनास्थल पर काले जादू से जुड़ी सामग्री भी छोड़ी, ताकि जांच को गुमराह किया जा सके। पुलिस ने अब तक 39.26 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की है, जिसमें 39 किलोग्राम पिघलाया हुआ सोना और 1.16 करोड़ रुपये नकद शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ कि चोरी का कुछ हिस्सा गोवा के मार्जेरिटा इलाके कैसीनो में खर्च किया गया। मामले को रहस्यमय बनाने के लिए चोरों ने घटनास्थल पर काले जादू से जुड़ी सामग्री भी छोड़ी, ताकि जांच को गुमराह किया जा सके। पुलिस ने अब तक 39.26 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की है,

एमपी अजब है! एक घंटे में 10 किलो काजू-बादाम और 30 किलो नमकीन खा गए अफसर, बिल आया तो खुली पोल

शहडोल, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश वाकई अजब है और यहां के अधिकारी गजब। शहडोल जिले में कभी 4 लीटर पेंट के लिए 168 मजदूरों का बिल पास होता है, तो अब नए कारनामे में भदवाही पंचायत में जल संरक्षण की चौपाल में किसी शादी-ब्याह से कम खर्चा नहीं हुआ। यहां 5 किलो काजू, 5 किलो बादाम और 30 किलो नमकीन खाकर अफसरों ने प्यासी जनता को पानी बचाने का संदेश दिया। शहडोल जिले के गोहपारू जनपद की भदवाही ग्राम पंचायत में दो महीने पहले जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल चौपाल का आयोजन हुआ। मकसद था गांव-गांव जाकर जल बचाने की सीख देना। लेकिन चौपाल के नाम पर पंचायत रजिस्टर में दर्ज खरीदारी देखकर सब हैरान रह गए। सिर्फ एक घंटे के कार्यक्रम में अफसरों की खातिरदारी के लिए, 5 किलो काजू, 5 किलो बादाम, 3 किलो किशमिश, 30 किलो नमकीन, 20 पैकेट बिस्किट, 6 किलो दूध, 5 किलो शक्कर और 2 किलो घी का इंतजाम किया गया। कुल खर्चा आया- 24 हजार रुपये से ज्यादा। बता दें कि यह पहला मामला नहीं है।

इससे पहले शहडोल जिले के सरकारी स्कूलों में 4 लीटर पेंट के लिए 168 मजदूर और 65 मिस्त्री दिखाकर 1 लाख 6 हजार रुपये का बिल पास कर दिया गया था। निपनिया स्कूल में 20 लीटर पेंटिंग और मामूली फिटिंग के लिए 275 मजदूर और 150 मिस्त्री दिखाकर 2 लाख 31 हजार रुपये का भुगतान किया गया। सबसे हैरानी की बात है कि बिल बनने से एक महीने पहले ही उसकी मंजूरी दे दी गई।

जहां 4 लीटर पेंट के लिए 165 मजदूर का पेमेंट देने का मामला अभी थमा भी नहीं था, कि जल संवर्धन कार्यक्रम के दौरान काजू नमकीन का मामला सामने आते ही कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोल दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश एक भी विभाग ऐसा नहीं है जहां 50% से कम कमीशन लिया जाता हो। कुछ दिन में 1 लीटर पेंट से 233 लोगों ने पुताई की थी, अब 14 लोग जिस तरीके से ड्राई फ्रूट खा गए, मुझे लगता है कि पेट तो इनका इंसानों जैसा था लेकिन खा भैंसों जैसा गए और पचा भी गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव जल संरक्षण की बात करते हैं, लेकिन जमीनी अमला इसे खर्च संवर्धन योजना बना रहा है। जनता पानी ढो रही है और अफसरों की थाली में काजू-बादाम, घी व नमकीन परोसी जा रही है।

पति ने गुस्से में काट डाली पत्नी की नाक, कर्ज न चुकाने को लेकर हुआ था विवाद; केस दर्ज

बेंगलूरु, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी की नाक काट दी। बताया जा रहा है कि दोनों ने कर्ज लिया हुआ था। कर्ज की किश्त न चुका पाने को लेकर दोनों में आए दिन विवाद होता था। बीते बुधवार को भी दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद पति ने पत्नी की नाक काट दी। घटना के बाद पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। वहीं इस मामले में एक प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दरअसल, पूरा मामला दावणगेरे जिले के चन्नगिरी तालुक के मंतरगट्टा गांव का है। यहां बुधवार को कर्ज चुकाने को लेकर एक दंपति के बीच तीखी बहस हो गई। इस दौरान गुस्से में आकर पति विजय ने कथित तौर पर अपनी पत्नी विद्या की नाक का अगला हिस्सा काट लिया। इस घटना के बाद पत्नी को गंभीर चोट लगी और उसके शरीर से खून बहने लगा। पुलिस के अनुसार, विद्या ने एक कर्ज लिया था, जिसके लिए उसका पति विजय गारंटर बना था। जब विद्या किश्तें नहीं चुका पाई, तो कर्जदाताओं ने दंपति को परेशान करना शुरू कर दिया, जिससे उनके बीच अक्सर झगड़े होने लगे।

इसी बीच विवाद के दौरान बुधवार को पति ने पत्नी पर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक का अगला हिस्सा कट गया। हालांकि गांव के लोगों ने तुरंत विद्या को प्राथमिक उपचार के लिए चन्नगिरी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में यहां से विद्या को शिवमोगा के मैकगैन अस्पताल और फिर बेहतर उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया।

लॉ कॉलेज के बाद आईआईएम कैंपस में युवती के साथ दुष्कर्म, एक शख्स गिरफ्तार

कोलकाता, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज (न्यू कैंपस) की एक लॉ छात्रा के साथ 25 जून को कॉलेज परिसर में हुए दुष्कर्म की घटना के बाद, शुक्रवार रात को कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके जोका में प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान-कलकत्ता (आईआईएम-सी) के छात्रावास में एक युवती के साथ कथित बलात्कार की घटना सामने आई है।

रात युवती ने संस्थान में पढ़ने वाले एक युवक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। उससे इस मामले के संबंध में पूछताछ जारी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पीड़िता आईआईएम की छात्रा नहीं है और अपनी सहेली के साथ हॉस्टल में ठहरी थी। पीड़िता को काउंसलिंग सेशन के लिए लड़कों के हॉस्टल में बुलाया गया था पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता को नौकरी काउंसलिंग सेशन के लिए लड़कों के हॉस्टल में बुलाया गया था। दर्ज शिकायत के मुताबिक, वहां उसे पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक पीने को दी, जिसे लेने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह बेहोश हो गई। होश में आने पर उसे यौन उत्पीड़न का अहसास हुआ। होश आने पर पीड़िता ने तुरंत अपनी सहेली से संपर्क किया और हरिदेवपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इससे पहले वह ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन गई थी, लेकिन मामला हरिदेवपुर थाने के अधिकार क्षेत्र में आने के कारण वहां शिकायत दर्ज नहीं हुई। पीड़िता ने बताया कि उसने आगंतुक रजिस्टर में हस्ताक्षर करने की कोशिश भी की थी, लेकिन आरोपी ने उसे रोक दिया। उसने यह भी दावा किया कि बेहोशी से पहले उसने आरोपी का विरोध किया, लेकिन उसने उसकी पिटाई की, जिसके बाद वह पूरी तरह बेहोश हो गई।

शिकायत के बाद पुलिस ने परिसर से आरोपी को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की। फिलहाल लड़की की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। यह घटना दक्षिण कोलकाता के कस्बा स्थित साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में 25 जून को हुई एक अन्य दुष्कर्म की घटना के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है। हरिदेवपुर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच शुरू हो चुकी है। आरोपी की आधिकारिक पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस ने परिसर में कई लोगों से पूछताछ की और साक्ष्य जुटाने में जुटी है।

मैं सुप्रीम कोर्ट का जज

बेटी ने दोस्ती से मना किया तो बुजुर्ग पिता को तंग करने लगा युवक, आधी रात में करता था कॉल

भोपाल, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हबीबगंज पुलिस ने गुरुग्राम से एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने खुद को सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बताकर एक बुजुर्ग को प्रताड़ित किया। आरोपी, पीड़ित की बेटी से दोस्ती करना चाहता था और इनकार करने पर उसने यह रास्ता अपनाया। यह सिलसिला दिसंबर 2024 से जून 2025 तक जारी रहा। थाना प्रभारी संजीव चौकसे के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। मामले में आरोपी का नाम उमंग परिहार है। वह और बुजुर्ग की बेटी अलीगढ़ के एमिवेन्स फ्लाइंग क्लब में साथ पढ़े थे। युवती ने आरोपी से दोस्ती करने से मना कर दिया था। आरोपी का हर प्रयास विफल होने पर उसने दूसरा रास्ता अपनाया। उसने युवती के पिता का मोबाइल नंबर लिया और उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बनकर कॉल किया। वह आधी रात में कॉल कर अनर्गल बातें कर बुजुर्ग को परेशान करता था। इस पर बुजुर्ग ने पूरी कहानी बेटे सौरभ को बताई। बेटे की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात पर मामला दर्ज किया था। किसी को शक ना हो इसलिए उसने आरोपी ने व्हाट्सऐप डीपी पर एक जस्टिस की फोटो लगा रखी थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी उमंग, पीड़ित की बेटी से दोस्ती करना चाहता था। जब युवती ने मना कर दिया, तो उसने उसके पिता को परेशान करने की योजना बनाई। उसने खुद को सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बताकर बुजुर्ग को फोन करना शुरू कर दिया। आरोपी आधी रात में कॉल करके बुजुर्ग को परेशान करता था। वह उनसे अजीब बातें करता था, जिससे बुजुर्ग मानसिक रूप से परेशान हो गए थे।

दिल्ली दौरे पर राहुल गांधी से मुलाकात न होने पर सिद्धारमैया ने दी सफाई, बीजेपी के आरोपों को किया खारिज

बेंगलूरु, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा नेता अमित मालवीय के उस आरोप को खारिज किया है जिसमें कहा गया था कि राहुल गांधी ने उन्हें मिलने से इनकार कर उनका अपमान किया। मालवीय के इन आरोपों पर सिद्धारमैया ने साफ कहा कि उनका दिल्ली दौरा सिर्फ मैसूरु के दशहरा एयर शो के संबंध में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलने के लिए था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिद्धारमैया ने लिखा कि दिल्ली में मेरे दौरे का मुख्य उद्देश्य रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलकर मैसूरु दशहरा एयर शो पर चर्चा करना था। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि राहुल गांधी को कर्नाटक के लोगों से बेहद स्नेह है। वह हमेशा याद करते हैं कि कैसे श्रीमती इंदिरा गांधी और श्रीमती सोनिया गांधी कर्नाटक से चुनी

गई थीं और कैसे इस राज्य ने हर मुश्किल घड़ी में कांग्रेस का साथ दिया है। उन्होंने आगे लिखा कि गांधी परिवार कर्नाटक के लोगों के प्यार और समर्थन के लिए हमेशा ऋणी रहेगा और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खुद एक गौरवशाली कन्नड़िगा हैं।

राहुल गांधी से मुलाकात ना होने को लेकर अपनी सफाई देते हुए सीएम सिद्धारमैया ने भाजपा पर जमकर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी कर्नाटक के बदलाव और विकास लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तब भाजपा ने कन्नड़िगों को उनके हक का केंद्रीय फंड तक नहीं दिया। यहां तक कि जब कर्नाटक में बाढ़ आई, तब प्रधानमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी ने एक शब्द भी नहीं कहा।

सिद्धारमैया ने यह भी आरोप लगाया कि कर्नाटक से भाजपा सांसदों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के लिए, कर्नाटक केवल चुनावों के समय याद आता है, जबकि कांग्रेस के लिए, कर्नाटक की भलाई एक रोज का संकल्प है। इसके साथ ही सिद्धारमैया ने यह भी साफ किया कि कांग्रेस हाईकमान के साथ मुख्यमंत्री बदलने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि कितनी बार बताऊं? इस विषय पर कोई चर्चा नहीं हुई।

क्या बोले थे अमित मालवीय?

गौरतलब है कि भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया था कि राहुल गांधी को सिद्धारमैया से मिलने का समय नहीं मिला और वह बिना मुलाकात किए लौट आए। उन्होंने लिखा कि यह पहली बार नहीं है जब गांधी परिवार ने कर्नाटक के किसी वरिष्ठ नेता का अपमान किया हो। इतिहास गवाह है कि कैसे राजीव गांधी ने बीमार वीरेंद्र पाटिल को पद से हटा दिया था। उन्होंने आगे कहा कि डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की प्रतीक्षा में हैं और सिद्धारमैया मजबूरी में उनके पीछे छिप रहे हैं।

कर्नाटक में दवाओं और खानपान की गुणवत्ता को लेकर बड़ी कार्रवाई

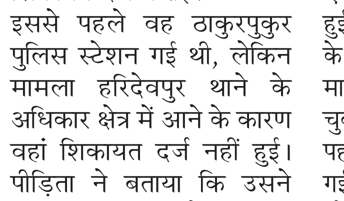

बेंगलूरु, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभान ने नियमों के उल्लंघन के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत विभाग ने जून महीने में बड़ी कार्रवाई करते हुए 133 दवा लाइसेंस निलंबित और 20 लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। यह कदम उन दुकानों और कंपनियों पर उठाया गया जिन्होंने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के नियमों का उल्लंघन किया था। बात अगर अब जांच के दौरान सामने आने वाली बातों की करें तो विभाग की ओर से जून में कुल 2,544 निरीक्षण किए गए।

बेंगलूरु, हुब्बली और बल्लारी की सरकारी लैब्स में 1,333 दवाओं के सैंपल की जांच की गई। इनमें से 1,292 सैंपल सही पाए गए, जबकि 41 सैंपल खराब गुणवत्ता के निकले। इसके बाद खराब दवाएं, जिनकी कीमत 40 लाख से ज्यादा थी, बाजार से वापस मंगवाकर जब्त कर ली गई हैं। अप्रैल से जून तक कोर्ट में 81 केस दर्ज बता दें कि बीते तीन महीनों में विभाग ने नियम तोड़ने वाली कंपनियों के खिलाफ 81 मुकदमे अदालतों में दायर किए हैं। इसके लिए राज्यभर में 122 ब्लड सेंटर्स की जांच की गई। 44 सेंटर्स को नोटिस जारी किया गया और 80 सेंटर्स को सुधार के निर्देश दिए गए। मामले में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 के तहत जून में 1,557 स्ट्रीट फूड वेंडर्स की जांच की गई। नियम उल्लंघन पर 406 दुकानों को नोटिस दिए गए और मौके पर ही 44,500 का जुर्माना लगाया गया।

अंतरिक्ष विज्ञान के पुरोधा : डा कस्तूरीरंगन

अतुल कुमार

विज्ञान जीवन का अभिन्न हिस्सा है . जीवन के तौर तरीकों को इसने बदला . जीवन की पूरी निर्भरता की बुनियाद विज्ञान और उससे जुडे माध्यम बन गये हैं तब वैज्ञानिकों की बडी महत्ता दिखायी देती है .शांत , लो प्रोफाइल , और बैक ग़्राउंड में रह साइंटिस्ट जिस भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं उस ओर कोई पूछ परख नहीं होती .ऐसा क्यों ? रोगों के इलाज के लिये डाक्टर उन्हीं दवाइयों को प्रेस्क्राइब करते हैं जिनकी खोज वैज्ञानिकों ने की .बिज़नेस की दुनिया में फार्मा उद्योग की चर्चाएं होती हैं जिसके मुख्य सूत्रधार साइंटिस्ट ही होते हैं . साहसी सेनानी की भांति अपनी खोज में लगे रहते हैं . उन्हीं की खोजी दवाइयां ह्यूमैनिटी की सेवा सुश्रुषा में लगी रहती हैं जिससे कि लोग स्वस्थ रहें .साइंस के भी सेक्टर्स हैं जिनमें एक है स्पेस साइंस अर्थात अंतरिक्ष विज्ञान. इस विज्ञान के पुरोधा वैज्ञानिक डा कस्तूरीरंगन थे .जिन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान को लोक सेवी और समाज सेवी बनाया . बताया कि " अंतरिक्ष की खोज मानव प्रगति का प्रतीक है" .

साठ के दशक तक जब कोई अंतरिक्ष विज्ञान की ओर ध्यान न दे उसे सुनहरे रोचक किस्से कथाओं तथा पोएट्री का भाग मानता था तब कस्तूरीरंगन ने इसे अपने गहन ध्यान ,अध्ययन और अंवेषण का हिस्सा बनाया और इसे समाज के हित में इसके प्रयोग की ओर ध्यान दिया. इस दिशा में अपने को झोंक कर कई अनूठे कार्य किये जिनका परिणाम है अंतरिक्ष में सेटेलाइट (उपग्रह) छोडे जिनके चलते कई चैनल टी वी पर प्रसारित और प्रक्षेपित होने लगे .जो समाज रेडियो तक सिमटा था उसे मनोरंजन ,ज्ञान , विज्ञान और जानकारियों के कई चैनल देखने को मिले जो क्रांतिकारी बदलाव और सूचनाओं के सूचक बने .

डा कस्तूरी रंगन भारतीय विज्ञान और शिक्षा नीति के क्षेत्र में एक कद्दावर शख्सियत थे . देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम का नेतृत्व करने के अलावा देश के शैक्षिक ढांचे को आकार देने में अहम भूमिका निभायी .राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष रहे शैक्षणिक परिदृश्य को प्रभावी और नया रूप देने में प्रभावी भूमिका अदा की .शैक्षिक सुधारों में योगदान दिया . उनके दूर दृष्टि नेतृत्व ने कई महत्वपूर्ण उपग्रह और प्रक्षेपण यान मिशनों की नींव रखी .जिससे वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में देश का कद ऊंचा हुआ . यशस्वी खगोल भौतिकविद डा कस्तूरीरंगन उच्च ऊर्जा खगोल (एस्ट्रोनोमी) भौतिकी में विशेषज्ञ थे . बहु विषयक और बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे .

विज्ञान और अंतरिक्ष में टेकनालाजी को बढावा दिया और इसको आगे ले जाने के लिये कई प्रयास किये .इसमें नवाचार की सीमाओं को आगे ले जाने के मूल उद्देश्य को कभी नहीं भुलाया .प्राय; कहा करते " किसी भी नवाचार या विकास को अंततः जन मानस और समाज की सेवा करनी चाहिये . उत्कृष्ट साइंटिस्ट थे जिन्होंने हमेशा समय से आगे विज्ञान को ले जाने की सोची और इस दिशा में अथक परिश्रम किया . अपनी वैज्ञानिक जीवन यात्रा एक खगोल भौतिकविद के रूप में शुरु की .उन्होंने वन मान चित्रण ,कृषि और पेय जल के लिये रिमोट सेंसिंग डेटा के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया . उनकी ख्वाहिश साइंस को आदमी की रोज़मर्रा की ज़िंदगी से ज़्यादा से ज़्यादा जोडने की रही .

अपने काम के प्रति इतने जीवट थे कि निजी जीवन में आयी बाधाओं और परेशानियों का सामना करते हुए भी विज्ञान को बढावा देने के जुनून से कभी नहीं डिग़े . लोग आज मेक इन इंडिया की चर्चा करते हैं लेकिन डा कस्तूरीरंगन ने शुरु से ही स्वदेशी पर ध्यान और ज़ोर दिया . " चंद्रयान की शुरुआत उनके नेतृत्व में हुई जिसका उद्देश्य चंद्रमा की परिक्रमा करना था . बताया जाता है कि पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रसिद्ध वैज्ञानिक डा ए पी जी अब्दुल कलाम ने यह सुझाव दिया कि " केवल परिक्रमा मत करो – चांद पर कुछ गिराओ " इस प्रकार मून इंपैक्ट प्रोब का निर्माण हुआ . भारतीय ध्वज के साथ उस छोटे से पे लोड की नींव डा कस्तूरीरंगन ने रखी .उनकी तेजस्वी सूझ बूझ और सफलताओं ने उनको हैरत से देखने के लिये आकर्षित किया .

उनकी धारणा थी कि साइंस के माध्यम से कुछ भी संभव है . इस विचार को अपने ज्ञान और योगदान से साबित कर दिखाया . सन 1994 से 2003 तक इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के अध्यक्ष के रूप में कई सफलता की गाथाएं लिखीं जैसे जी एस एल वी का पहला प्रक्षेपण हुआ और स्वदेशी उपग्रहों के साथ दूर संचार नेट वर्क का विस्तार हुआ .हमेशा रणनीतिक रूप में सोचते कि इससे जन सामान्य या सोसायटी को क्या लाभ होगा . उनकी मान्यता थी कि अंतरिक्ष कार्यक्रम युवाओं को प्रेरित करे और अधिक से अधिक युवा विज्ञान से जुडें .

24 अक्तूबर 1940 को एर्णाकुलम ,केरल में जन्मे इस महान अंतरिक्ष वैज्ञानिक का पूरा नाम डा कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन था .एक सुंदर कथनानुसार " विज्ञान मानवता के लिये एक खूबसूरत तोहफा है इसका सदुपयोग करना चाहिये ' डा कस्तूरीरंगन ने अपने योगदानों से यही किया .

उनकी अगुआई में भारत ने चंद्रयान -1 – का सफल प्रक्षेपण किया .जो मील का पत्थर साबित हुआ .उनके अंतरिक्ष विज्ञान के प्रयासों के कारण देश को दुनिया में प्रतिष्ठित मान्यता और सराहना मिली . वे योजना आयोग के सदस्य भी रहे और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में सक्रय रूप से शामिल थे . भारत सरकार द्वारा उन्हें उनके स्वर्णिम योगदान के लिये पद्मभूषण से सम्मानित किया .विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले इस महान अंतरिक्ष विज्ञान के पुरोधा ने इस वर्ष 25 अप्रेल को जीवन की अंतिम सांस ली .अपने पीछे ऐसी प्रेरक विरासत को छोडा जो आने वाली कई पीढियों के लिये सुनहरी मिसाल होगा . किसी शायर ने खूब कहा " सपना एक देखोगे मुश्किलें हज़ार आयेंग़ी / लेकिन वो मंज़र बडा खूबसूरत होगा / जब कामयाबी शोर मचाएगी " . डा कस्तूरीरंगन ने यही किया।

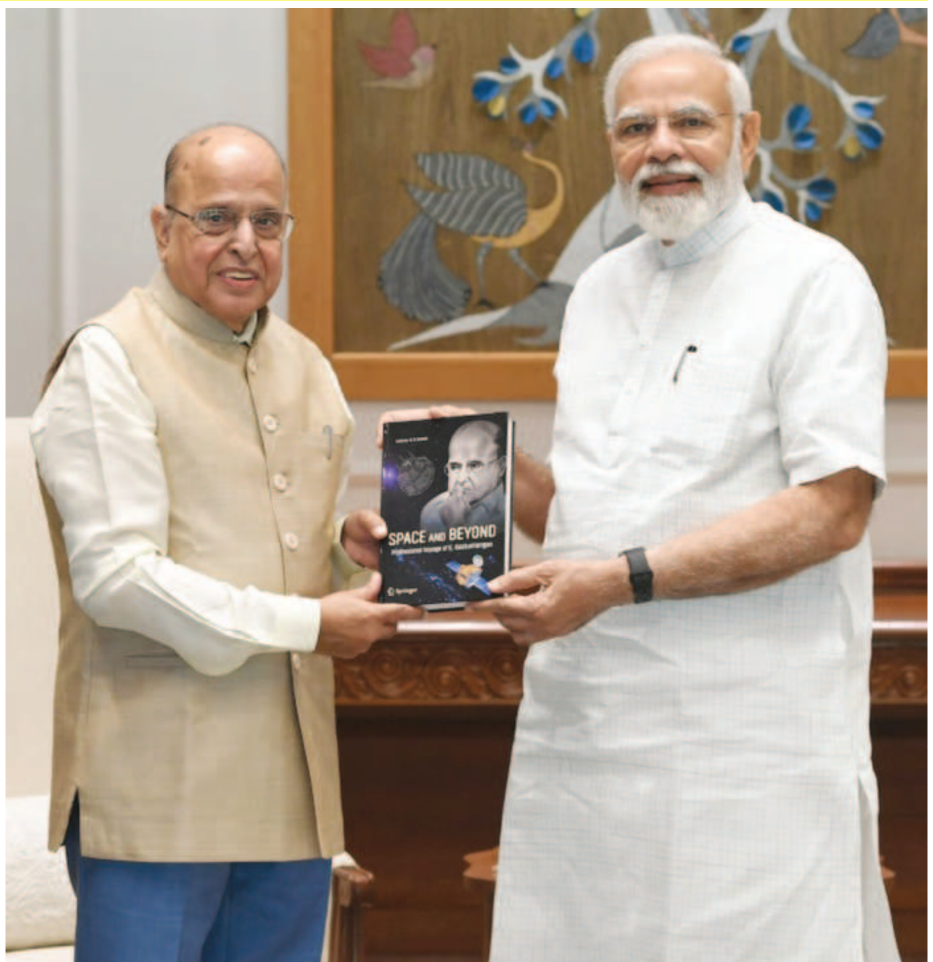

काव्य कुंज

शिवगौरी महिमा

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

शिव गौरी तेरी छांव तले
नित करती रहूं सत्कर्म,
मुझको ऐसा वर दीजिए
मेरा बना रहे सत धर्म ।
प्रेम,धर्म, सद्भाव से
चलती रहूं सही राह
अधर्म कर्म की कभी नहीं
उपजे हृदय में चाह ।
तेरी कृपा की छांव तले परिवार वसर करे मेरा
कभी बुरा ना करुं किसी का ऐसा सद्भाव हो मेरा ।
बरसती तेरी कृपा की अमृत से जीवन करुं धन्य
शिव गौरी तेरे चरणों में लगा रहे सदा मन ।
शिव- गौरी तेरी महिमा का मैं कैसे करूं बखान
सुर,नर,मुनि तेरे समक्ष सब बने रहे कद्र दान ।
वो भी समझ ना पाए तुमको फिर मैं तो हूं अज्ञान
कैसे तेरी महिमा समझ सकूंगी प्रभु मैं तो हूं नादान ।
मुझमें क्षमता कहां है इतनी जो कर सकूं बखान
ज्ञान भरो मुझमें शिवगौरी मेरी अलग बने पहचान ।
खो ना जाऊं जग की भीड़ में थामो मेरा प्रभु हाथ
आडम्बर से जगत भरा है मेरा हरदम देना साथ ।
तुम बिन मेरा नहीं है कोई शिव गौरी सुनो मेरी बात
गम से बोझिल नेत्रों में कट जाती सारी रात ।
मुझ पर कृपा करो शिव गौरी मेरे सिर पे धरो दोनों हाथ
खुशहाल रहे परिवार मेरा और मिलता रहे तेरा साथ ।

जमाने से बच के तुझे निहार आया हूँ

संजीव ठाकुर,
रायपुर

जमाने से बच के तुझे निहार आया हूँ,
अपने दर्द को लब्जों में उतार आया हूँ,
उसने कहा ये दरिया खून से लबरेज है,
दर्द की कश्ती से ही इस पार आया हूँ।
उंहें अंदाजा नहीं है, मेरे अंदर की आग का..
जंगी तूफान में दर्द का चिराग जला आया हूँ.,
उनकी ख्वाइस है मेरे दर्द से रूबरू होने की,
मैं दिल को तो अपनी कब्र पर छोड़ आया हूँ।
उनके सितार ने दिल को बजाया बार बार,
आपने दर्द की धुन मैं रूहों में बिखेर आया हूँ.
वो जख्म पर मरहम नहीं,नमक छिड़कने आए.
अफ़सोस,मैं दर्द को चिराग बना आया हूँ।
काफिला लेकर आए मेरे जनाजे में होने शामिल,
मैं अपनी रूह को उनके जेहन में छोड़ आया हूँ।

बस इतनी सी चाह

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

बस इतनी सी चाह है मेरी,
राम नाम ले मर जाऊँ।
इच्छाओं पर नियंत्रण करके,
भवसागर से तर जाऊँ।।
राम नाम की माला जपते जपते
आँख खुले मेरी,
भास्कर किरणें आने से पहले नींद खुले मेरी,
नित्य कर्म स्नान बाद मंदिर साफ करूँ तेरा
हाथ पुष्प माला,भोजन रोज प्रभु को चढ़े मेरी,
क्षमा करना प्रभु मुझको,कभी भूल जो कर जाऊँ।
बस इतनी सी चाह है मेरी,राम नाम ले मर जाऊँ।।
तुझसे दुनिया है रोशन,तेरे बिन न पत्ता हिले,
तेरी मेहरबानी से ही दुनिया की ये सत्ता चले,
तेरा तुझको अर्पण है,पर सब खुद पे खर्च करते
मोह माया की नगरी गहरी,मन में क्यों सट्टा चले,
शक्ति दे दो प्रभु मेरे,सद्गुणों से बस घिर जाऊँ।
बस इतनी सी चाह है मेरी, राम नाम ले मर जाऊँ।
इच्छाओं पर नियंत्रण कर,भवसागर से तर जाऊँ।।

मौन संदेश

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

मन में कुछ उथल पुथल,
हृदयांतर में संघर्ष विकल,
फिर भी संयमित सकल,
विधि सभ्यता के आंचल,
में अपने आपको समेटकर,
लिए बैठा हूँ मौन पथपर।
वाणी की मर्यादा को जानकर,
आलोचना के बातों को नकारकर,
संयमित संस्कारों को मानकर,
शब्दशर संधानों का सामनाकर,
आक्रोशित आवेग को थामकर
अकेला बैठा हूं मौन धारण कर।

अपने-अपनों के बीच है अपनापन नहीं,
अपनापन जताने के लिए कोई तैयार नहीं,
अहंभाव ताव पर है गंभीरता जानते नहीं,
घाव चोटिल दर्द जटिल फिर भी जुड़ाव नहीं,
तनावग्रस्त शांतचित्त नयन अशांत मन लेकर
विवश विह्वल हो बैठा हूँ मौन मानकर।

बनों पक्षियों के मित्र...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

बढ़ रहा तापमान और घट रहा हरित क्षेत्र,
गर्मियों के मौसम में बनों पक्षियों के मित्र।
चिल-चिलाती धूप और तप रहीं हैं जमीन,
सूखी हवाएँ 'दिनचर्या' को करती गमगीन।
इससे परिन्दों का जीवन प्रभावित हो रहा,
बेजुबाँ भी संघर्ष करने को मजबूर हो रहा।
बढ़ रहा तापमान और घट रहा हरित क्षेत्र,
गर्मियों के मौसम में बनों पक्षियों के मित्र।
शहरीकरण की मार एवं प्रकृति से हुई दूरी,
नतीजा पशु-पक्षियों की प्यास रहीं अधूरी।
आज छांव और पानी भी तो दुर्लभ हो गए,
ये डिजिटल होकर भी क्यों निर्दयी हो गए।
बढ़ रहा तापमान और घट रहा हरित क्षेत्र,
गर्मियों के मौसम में बनों पक्षियों के मित्र।
गोरैया, बुलबुल, मैना व कबूतर भटक रहें,
पक्षी पानी की तलाश में हलाकान हो रहें।
मानवीय संवेदनाओं को कोई भी न परखें,
आओ छतों या आंगनों में दाना-पानी रखें।

झूठ जल्दी इसलिए...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

मैक्सिम सीरियल में
सत्य का बारम्बार गला दबाया जाता है
दिन के उजाले में हतोत्साहित किया जाता है
इतिहास गवाह है
सत्यमेव जयते अर्थात सत्य की विजय होती है
अंधेरे को चीर कर भोर होती है
डंके की चोट, रौशनी गुलाम नहीं होती
झूठ जल्दी इसलिए बिक जाता
क्योंकि सच खरीदने की किसी की औकात नहीं होती
भले ही साम दाम दंड भेद अस्त्र इस्तेमाल करना पड़े
आदमी शीघ्र लक्ष्य हासिल करना चाहता है
हरे लगे न फिटकरी रंग आए चोखा
मुट्ठी में तूफान कैद करना चाहता है
थे तो मुंगेरी सपने
भोर हुई , मंच पर अकेला पाता है
इतना ही नहीं
अश्रुओं से लिपटा पाता है
बगुला को कितना भी स्नान करवाया जाए
प्रभात नहीं होती
झूठ जल्दी इसलिए..
अच्छा तो लगता है
गोली वरगे जाओ खोटे सिक्के वकन आओ
लेकिन अंततः वांछित परिणाम नहीं मिलता है
दीप्त उजाले में बुझा बुझा सा लगता है
अंधेरे को कितनी भी चासनी में लपेटा जाए,
मिठास नहीं होती
झूठ जल्दी इसलिए...

तमाशा

हेमंत सुराना,
उदयपुर

कमजोर यहाँ कोई नहीं,
सब वक्त के तमाशे हैं
किस से सीखे खुदा की बंदगी,
खुदा के बंटवारे कर बैठे हैं
कहते हैं खुदा कण कण में,
मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा लिए बैठे हैं
जिंदगी का तमाशा दिखता नहीं,
कमाल ये है कि मदारी दिखता नहीं
वह अपनी मजबूरी बयान करता रहा,
लोग तमाशा समझ ताली बजाते रहे
लगा कर आग चुपके से,
खुद ही तमाशा देखते रहे
क्या कहें जिंदगी के बारे में,
तमाशा देखने को यहां इंसान बहुत
दर्द सुना कर तमाशा ना बनाना,
मुस्कुरा कर खामोश हो जाना,
मुस्कुरा कर खामोश हो जाना ।

सावन

टी तारासिंह
हैदराबाद

बादले आज निले - निले छाये है
बंद कर लो दरवाजे ओर खिड़कियां
बादले बहुत शोर से गरज रहे है
बरसात का आभास हो रहा है
पहाडो से, नदिया से छुती हुई हवाये
माठी की भिनी खुशबू मनमोहक कर रही है
परिंदे भी जल्द पहुंच रहे है अपने घोसले
मौसम भी सुहाना हो रहा है
ये महीना ही सावन का है
रिमझिम बरस रहा है बरसात
फुल - कलियां भी खिली हुई है
भवरे भी मौसम का मस्त आनंद ले रहे है
खुशियाँ बच्चो - बढो मे बढ रही है
त्योहारो का सिलसिला शुरू हो गया है ।।

घर का पता

डॉ डी डी देसाई

एक रसोई यहाँ भी है माँ...
पर अंजान...पराई सी लगती है।
धान की कमी नहीं है कोठरियों में,
फिर भी यह खाली, बेजान सी लगती है।
वह मायके का हँसना.... हुदम मचाना..
सब कुछ बंदिश सा लगता है।
वह देर रात सोना...देर से उठना...
यहाँ की सुबह भी बड़ी जल्दी होती है।
तुम्हें शिकायत थी न मुझसे माँ....
अब मैं जल्दी उठती हु...
सब काम करती हु.।
सुबह की ठंड अब महसूस होती नहीं,
चूल्हे की आग जैसे लगती ही नहीं...।
गोल गोल मेरी रोटियाँ अब नहीं जलती।
एक बार तुम आकर देख लेना माँ..
अब मैं अँधेरे से भी नहीं डरती।
तुम हमेशा कहती थी न माँ....
शादी के बाद तुझे पाता चलेगा....।
चल गया माँ...सब पाता चल गया।
बिस्तर है पर तुम्हारी गोद नहीं है,
यादें है...सुकून भरी नींद नहीं है।
भोजन है...तुम्हारे हाथ का निवाला नहीं है।
पुकारते तो रोज ससुर ज़ी भी है...
पर वह पापा वाला एहसास नहीं है।
माँ.... नया घर सजने – सवरने नहीं देता,
बात – बात पर बिघड़ने नहीं देता।
जिम्मेदारियाँ देर तक सोने नहीं देती।
और थकान है कि उठने नहीं देती।
रोज एक नया सवेरा है माँ....
रोज एक नई कहानी है।
हर बार नया किरदार निभाऊँ कैसे...?
बहुत कुछ कहना है...मैं कहूँ कैसे....?
मायका है बहुत दूर मैं मिलूँ कैसे...?
सोचा एक खत लिखूँ पिताजी के नाम,
पर घर बेच कर ही मरी शादी की थी...
खत पर घर का पता लिखूँ कैसे...?

हिम में तनय तवांग

सुनिल चौरसिया,
उत्तरप्रदेश

युल्लो, लोकू, क्ष्यत्सई ,
जीवन गहन उमंग।
पूर्वोत्तर पवन झूमे,
जब झूमे सोलुंग।।
खान, सैंकन, सी-डोनी, मोई बौरी बूट।
गेह नेह रेह समरस,
खुशी खजाना लूट।।
धूप लिपटी वारिद से,
शोभित हिमगिरि सेज।
आजादी की महक लख,
छू न सके अंग्रेज।।
हरित ललित घाटी फलित,
नहीं लिखित इतिहास ।
एक नेक हिमालय लय, अरुणाचल के पास।।
तुहिन कणों की मार से, कांप रहा नागेश।
सुखी-सुखी सी सर सुखी, सिमट गया सुख वेश।।
तवांग में शुभ धवल हिम , हिम में तनय तवांग।
गिरिवर पर वारिद करें, ग्वाल बाल श्री स्वांग।।

पेड़ धरा की शान

मुकेश बोहरा
अमन, बाडमेर

पेड़ लगाएं, पेड़ बचाएं,
और धरा की शान बढ़ाएं।
आखिर कब तक, पेड़ कटेंगें,
अब जागो, पहचान बचाएं।।
पेड़ बचेंगें, चुनर धानी,
मिल पाएगी हवा सुहानी।
पेड़ बुलाएं बरखा रानी,
बरसायेंगें रिमझिम पानी।।
पेड़ निराले साथी सबके,
जंगल और मैदान बचाएं।
और धरा की शान बढ़ाएं।।
पेड़ हमारे जीवन दाता,
फूल-फलों से झोली भरते।
शीतल छाया खुशियां देते,
जीवन को रंगीला करते।।
पेड़ बचे तो सबकुछ सम्भव,
'अमन' नया अभियान चलाएं।
और धरा की शान बढ़ाएं।।

मुस्कान

पद्मजा श्रीवास्तव

होठों पर एक प्यारी सी मुस्कान
बहुत कुछ कह जाती है
बिन बोले कितने रिश्ते बना देती है
दुखी चेहरे पर हँसी के कुछ पल ला देती है ।
टूटे दिलों को हौसला देती
किसी के दुख पर मरहम लगाने
जैसा काम है करती ये मुस्कान
मुस्कान तो दिल की सौगात है
एक अनकही बात है
चुपचाप बहुत कुछ कह जाती है।
किसी की कही कड़वी बात भी मुस्कान छिपा जाती है ।
इसलिए मुस्कुराओ ,
चेहरे पर खिल जाए तो हर दुख पल में मिट जाए
कुछ लोग दर्द छिपा मुस्काते हैं तो
कुछ मुस्कान छिपा दर्द दिखाते हैं
ठोकर खा मुस्काना हौसले की निशानी है
नन्हें बच्चों की मुस्कान तो मानो भगवान के दर्शन जैसी है
पूरी दुनिया क़ो महकाए ये ऐसी एक ख़ुशबू है
तो मुस्कुराते रहें हर पल
दुनिया को महकाए हर क्षण
ये क्षण ही तो सब कुछ है , बाकी तो सब छल है ॥

मन का मौसम

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

मन का मौसम बड़ा ही मनमौजी है।
इस पर ऋतुओं का इख़तियार नहीं होता,
कभी नमी होती है तो
कभी शुष्क रेगिस्तान बन जाता है।
कभी प्यार बेशुमार होता है तो
कभी ताने हजार होते हैं,
कभी स्नेहसिक्त हो दिलो जान लुटाते हैं।
कभी जान पर बन आते हैं
कभी हद में रहकर बड़े-बड़े काम कर जाते हैं
कभी हद से नीचे आकर क्रूरता के मिसाल बन जाते हैं।
ये मन के मौसम बेलगाम होते हैं
ये ऋतुओं के नहीं परिस्थितियों के गुलाम होते हैं
कभी बदली बन हवाओं के संग उड़ जाते हैं
कभी भावनाओं के यान पर बैठ रिमझिम बरस जाते हैं
तो कभी बिजली बन कडक जाते हैं
कभी पुरवईया का झोंका बन तन को सहला जाते हैं
तो कभी कडकती धूप बन तन-मन को झुलसा जाते हैं
मन का मौसम बड़ा ही मनमौजी है
इस मौसम को समझना बड़ा ही मुश्किल है।

ओस के आंसू

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

भोर होने से पहले,
ऊषा की लालिमा के स्पर्श से पूर्व,
तृणमूल और हर पर्ण पर,
ओस की बूंदों के मोती,
कण-कण में बिखर जाते हैं,
मानों निशा काल की खामोशी से,
और सूरज की ऊष्मा के वियोग से,
सृष्टि में, ओस के आंसू बिछ जाते हैं।
कभी-कभी ऐसा लगता है, कि,
दिनभर की आपाधापी और हलचल से,
प्रदूषण और वाहनों के बोझ से,
कंक्रीट जंगल और पुलों के भार से,
जब थककर, चकनाचूर वो होती है,
अपनी पीड़ा और व्यथा से हारकर,
अर्धरात्रि में वो रोती है,
मेरी सृष्टि मां कब सोती है ?
उन्हीं क्षणों में ओस के आंसू बन वह,
भूमि के आंचल को भिगोती है।
जिस सृष्टि ने सर्वस्व लुटाया,
हम सबको पाला-पोसा और बढ़ाया।
विकास और समृद्धि के नाम पर,
हमने उसके अस्तित्व को ठुकराया।
हे मानव, अब तो निर्ममता छोड़ो,
मां के प्रेम और वात्सल्य से अपने स्व को तुम जोड़ो ।।

सावन

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

आया सावन का महीना। ये शिव शक्ति का है न।
शिव पूजा होगी रात दिन, अपने भोले भंडारी है न।
दूध चढ़ाओ जल चढ़ाओ।
शिव अभिषेक कराओ।
निरोगी कर लो काया अपनी,
पंचामृत से नहलाओ न।
बेलपत्र की बहार है।
आज धतूरा पे निखार है।
गुलाब निखर आया है।
कहे मुझे शिव से प्यार है।
हल्दी चांवल अबीर गुलाल। गन्ने का रस,अनार हो लाल।
अभिषेक को इन रसों से, सुखी जीवन भी बहाल है।
बहुत भोले शिव जी हमारे। पूजा से होते वारे न्यारे।
जो चाहो सो मांग लो, दर्शन को लगती कतारें।
शिव महिमा अपरंपार है। अब सृष्टि का इनपर भार है।
देव सो गए,चतुर्मास आरम्भ, सावन से शिव को प्यार है।
कांवड़ ले चलो रे भाई। गंगा जल भरे लोग लुगाई।
मेरे शिव जल से खुश हो जाते, बारिश संग धरती की हुई सगाई।
दिन रात जलाधारी बरसे। जल को ही शिव जी तरसे।
कंठ में विष जो अटकाया है, आग बुझाने पानी ही बरसे।
शीश में गंगा विराजे। कंठ सर्प माला साजे।
मस्तक चांद से सोहे, अंग सिंह छाल ओढ़े।
कैलाश पे घर है शिव का। बर्फ में रहते आए।
पार्वती ने महल बनवाया। विश्वकर्मा महल बनाए।
गृह प्रवेश को रावण बुलाए। पूजा पाठ संपन्न कराए।
नियत डोली महल देख रावण की, वहीं महल दक्षिणा में पाए।
पार्वती हो गई उदास। जब हनुमान ने लंका जलाई।
पूंछ पे बैठी पार्वती माई। लंका जलाकर भरी उल्लास।

वो स्त्रियाँ सौभाग्यशाली थीं...

प्रियंका सौरभ

वो स्त्रियाँ सच में सौभाग्यशाली रहीं हैं,
जिनके हिस्से में पुरुषों का सच्चा प्रेम आया है...
न केवल फूलों सा मुस्कुराता,
बल्कि काँटों के दिनों में भी साथ निभाता।
जो सिर्फ़ रूप नहीं,
रूदन भी समझ सका।
जो थकी हुई हथेलियों पर
अपने अधरों से सुकून रख सका।
जिसने चूड़ियों की खनक में
कभी सपनों की टूटन भी सुनी,
और ओढ़नी के रंगों में
उसकी आज़ादी की बुनावट जानी।
वो पुरुष जो प्रेम में पूजा नहीं,
पर बराबरी का स्पर्श दे सका,
जो स्त्री को 'कम' नहीं,
'कमी' नहीं कह सका।
हाँ, वो स्त्रियाँ सच में भाग्यशाली रहीं,
जिन्हें प्रेम में परछाईं नहीं,
पूरा अस्तित्व मिला।
जो सिर्फ़ पत्नी, माँ, या बहन नहीं,
एक 'व्यक्ति' की तरह जिया गया।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

टेनिस प्लेयर के जान की दुश्मन बनी रील

राधिका ने इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया, पिता से परिचितों ने जताया एतराज

हरियाणा के गुरुग्राम में जिस रील के बाद पिता ने जूनियर इंटरनेशनल टेनिस प्लेयर बेटी राधिका यादव की हत्या कर दी, वह सामने आ गई है। रील राधिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी, जिसमें वह को-एक्टर इनामुल हक के साथ नजर आ रही थीं। इस वीडियो में राधिका के इनामुल के साथ सीन देखकर लोगों ने आपत्तिजनक टिप्पणियां करना शुरू कर दी थीं। यहां तक कि परिचितों ने पिता दीपक यादव के पास एतराज जताने शुरू कर दिए थे। इसके बाद पहले राधिका यादव का इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट हुआ। फिर उसकी हत्या हो गई।

रील के विवाद की पुष्टि सेक्टर 57, वजीराबाद स्थित सुशांत लोक, फेज-2 के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन यादव ने भी की। पवन यादव ने कहा- कुछ लोगों ने राधिका की एक रील पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे परिवार में विवाद हुआ और राधिका को सोशल मीडिया अकाउंट हटाना पड़ा।

राधिका ने एक्टर इनामुल हक के साथ कारवां सॉन्ग में बतौर लीड एक्ट्रेस काम किया था। यह गाना 2 मिनट 55 सेकेंड का है। इसके प्रचार के लिए 42 सेकेंड की रील बनाई गई थी। जिसकी शुरुआत के 17 सेकेंड में राधिका को-एक्टर इनामुल के कंधे पर सिर रखे हुए दिखाई देती हैं और इनामुल ने उनका हाथ भी पकड़ा हुआ है।

को-एक्टर इनामुल हक का कहना है कि उसने गाने की वीडियो शूटिंग से पहले गाना राधिका को भेजा था। राधिका ने कहा था कि उसके पिता को गाना पसंद आया। हालांकि, यहां गौर करने वाली बात है कि तब पिता दीपक यादव ने गाना सिर्फ सुना था, उसका वीडियो नहीं बना था तो बेटी ने उसमें क्या एक्टिंग की, इसके बारे में उन्हें पता नहीं था।

इसके बाद गाने की शूटिंग हुई। गाना 20 जून को रिलीज हो गया, लेकिन राधिका ने उसका प्रचार नहीं किया था। इसकी पुष्टि करते हुए इनामुल ने कहा कि वीडियो रिलीज होने के तुरंत बाद राधिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी लगाई थी, जिसमें उसने बताया कि उसके दादा का निधन हो गया। इसी वजह से उसने गाने का प्रचार नहीं किया।

इसके बाद राधिका ने कुछ दिन पहले 42 सेकेंड की रील अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड की। रील अपलोड होते ही उसके परिवार के परिचितों ने भी उसे देखा। संभव है कि उनके ग्रुप में भी यह रील शेयर की गई होगी। इसके बाद उसमें राधिका के एक्टर इनामुल के साथ फिल्माए सीन परिचितों को अच्छे नहीं लगे। उसके नीचे आपत्तिजनक कमेंट आने लगे। इससे एतराज पिता तक भी पहुंच गया। सुशांत लोक फेज टू की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन यादव ने कहा कि रील को लेकर परिवार में बहस भी हुई थी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बेटी के किसी युवक के साथ पहली बार इस तरह के सीन देखकर पिता खुश नहीं थे। संभवतः उनके बीच इसको लेकर झगड़ा होने लगा। इसी के बीच टेनिस एकेडमी आ गई। पिता ने राधिका के आगे एतराज किया कि वह इस तरह के वीडियो में उसका काम करना बर्दाश्त नहीं कर सकते। इससे समाज और परिचितों में बदनामी हो रही है। इसे तुरंत हटाना होगा। उसे ये रील बनाने और एक्टिंग का काम बंद करना होगा। ऐसा हो सकता है कि इसके बदले में राधिका ने कहा हो कि वह इसे बंद कर रही है। अपना अकाउंट भी डिलीट कर रही है, लेकिन अब वह उनकी खोली एकेडमी भी नहीं चलाएगी। पिता इससे नाराज हो गए, क्योंकि उन्होंने सवा करोड़ रुपए खर्च कर यह एकेडमी खोली थी। इससे दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया। कत्ल वाले दिन पिता को फिर किसी ने एतराज जताया। घर आकर पिता का राधिका से झगड़ा हुआ। जिसके बाद तैश में आकर पिता ने बेटी को गोली मार दी।

पुलिस की दूसरी थ्यौरी है कि पिता ने राधिका को कहा कि वह तुरंत इस रील को डिलीट करे। अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दे। इस तरह की रील और एक्टिंग उनके परिवार की छवि के लिए ठीक नहीं है। वह आगे से ऐसा काम नहीं करेगी। इसके बावजूद राधिका जिद पर अड़ी रही कि वह एक्टिंग करेगी और इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद नहीं करेगी। इससे पिता नाराज हो गए और उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है तो फिर सवा करोड़ रुपए लगाकर उन्होंने जो एकेडमी दी है, उसे बंद कर दे। राधिका ने कहा होगा कि वह एकेडमी भी बंद नहीं करेगी। इससे पिता गुस्से में आ गए और लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोलियां मारकर उसकी हत्या कर दी।

क्या इनामुल राधिका के रेगुलर टच में था

इसको लेकर इनामुल ने खुद जानकारी देते हुए मीडिया से कहा- मुझे किसी टेनिस मुकाबले में राधिका दिल्ली में मिली। तब राधिका ने खुद एक्टिंग में दिलचस्पी दिखाई थी। मेरी टीम को वह क्यूट लगी थी। इसके बाद म्यूजिक वीडियो कारवां के लिए राधिका को सिलेक्ट किया। इसके बाद 4-5 घंटे की शूटिंग हुई। इनामुल ने आगे कहा- दिल्ली से मुलाकात के बाद शूटिंग तक कभी राधिका से बात नहीं हुई। हां, हम इंस्टाग्राम पर जुड़े थे। एक-दूसरे की स्टोरी पर रिप्लाई करते थे, लेकिन लंबी चैटिंग या बातचीत कभी नहीं हुई।

इस पूरे मामले में राधिका की मां मंजू यादव की चुप्पी सबको अखर रही है। वह हत्या के वक्त घर पर थी, लेकिन उसने पुलिस को बयान देने से इनकार कर दिया। इसके पीछे की वजह पुलिस ये मान रही है कि राधिका ने वीडियो में कैसे शूटिंग की, इसके बारे में वह जानती थी।

राधिका के को-एक्टर इनामुल ने भी कहा कि शूटिंग के दिन राधिका के साथ मां भी आई थीं। ऐसे में जब वीडियो सामने आया तो पिता नाराज हुए कि उसने इस तरह की शूटिंग कैसे करने दी। उसने पहले इसके बारे में क्यों नहीं बताया। यही वजह हो सकती है कि वह अब पति के खिलाफ कुछ नहीं कह रहीं। पिता पर कत्ल का केस चाचा के बयान पर हुआ है। गुरुग्राम पुलिस के पीआरओ संदीप कुमार ने बताया कि ये वीडियो काफी पुराना है। ये फैमिली की सहमति से ही बनाया गया था। रील विवाद को लेकर कोई संभावना फिलहाल इन्वेस्टिगेशन में सामने नहीं आई है और न ही परिवारजनों ने इस तरह की शंका जाहिर की है। फिलहाल इन्वेस्टिगेशन की यही क्लियर कट डायरेक्शन है कि एकेडमी चलाने की नाराजगी को लेकर ही हत्या की गई है।

राधिका की नहीं थी टेनिस एकेडमी, कोर्ट बुक कर ट्रेनिंग देती थी; आरोपी पिता जेल गया

टेनिस प्लेयर राधिका यादव के मर्डर में पुलिस की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। राधिका यादव के पास टेनिस की एकेडमी नहीं थी। वह सिर्फ टेनिस कोर्ट किराए पर लेकर खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देती थी। गुरुग्राम पुलिस के एक जांच अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। राधिका अलग-अलग जगहों पर ट्रेनिंग कोर्ट्स लेकर ट्रेनिंग देती थी। पुलिस का कहना है कि पिता दीपक यादव राधिका को ऐसा करने से रोकता था।

पिता के मना करने के बावजूद भी राधिका नहीं मानी और उसने ट्रेनिंग कोर्ट लेकर अपना काम जारी रखा। बाप और बेटी के बीच असली विवाद की यही वजह थी। इसी विवाद में पिता ने 10 जुलाई को गुरुग्राम के वजीराबाद स्थित घर में बेटी की पीठ पर 4 गोलियां मारकर हत्या कर दी। इससे पहले सामने आया था कि दीपक ने सवा करोड़ रुपए खर्च कर बेटी को टेनिस एकेडमी खुलवाकर दी थी। वहीं शनिवार को एक दिन का रिमांड खत्म होने के बाद आरोपी पिता को गुरुग्राम की कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मैं कोई दान की चीज नहीं हूं'

किसान की आईएएस बेटी ने ठुकरा दी कन्यादान की रस्म!

जब भी कोई साधारण परिवार का बच्चा असाधारण सफलता हासिल करता है, तो वह सिर्फ अपने घर का ही नहीं, पूरे समाज का गौरव बन जाता है। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है तपस्या परिहार की, जिन्होंने सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बावजूद यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में शानदार सफलता पाई। किसान परिवार की बेटी होकर भी उन्होंने कोचिंग के बिना अपने बलबूते आल इंडिया रैंक में 23वां नंबर हासिल की। उनकी यह उपलब्धि सिर्फ शैक्षणिक सफलता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, नारी सशक्तिकरण और ईमानदारी का प्रतीक है। तपस्या की यात्रा हर उस युवा को राह दिखाती है जो अपने सपनों के लिए संघर्ष कर रहा है।

मध्य प्रदेश की धरती से निकली तपस्या परिहार की कहानी सिर्फ एक सफल यूपीएससी कैंडिडेट की नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, संघर्ष, और ईमानदारी की मिसाल है। एक किसान परिवार की बेटी ने बिना कोचिंग, अपने दम पर देश की सबसे कठिन परीक्षा यूपीएससी पास की और आईएएस बनीं। एआईआर 23 लाकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं।

नरसिंहपुर की तपस्या ने केंद्रीय विद्यालय से स्कूली शिक्षा पूरी की और फिर पुणे के इंडियन लॉ सोसाइटी लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। पहले प्रयास में यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में असफलता मिली, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। कोचिंग छोड़कर खुद से तैयारी शुरू की, मॉक टेस्ट और करेंट अफेयर्स पर ध्यान दिया, और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रहीं। नतीजा-दूसरे प्रयास में शानदार सफलता और आईएएस बनने का गौरव मिला।

'महिलाएं दान करने की चीज नहीं'

उनकी सफलता की दूसरी खास बात यह है कि उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों को भी चुनौती दी। अपनी शादी में 'कन्यादान' की परंपरा को ठुकराते हुए उन्होंने यह संदेश दिया कि महिलाएं वस्तु नहीं हैं जिन्हें 'दान' किया जाए। यह साहसिक फैसला नारी सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम था। तपस्या की ईमानदारी और प्रशासनिक निष्ठा भी लोगों को प्रेरित करती है। जब छतरपुर में जिला पंचायत सीईओ के पद पर कार्यरत थीं, तो एक निलंबित शिक्षक उन्हें 50,000 रुपये की रिश्वत देने आया। तपस्या ने न केवल रिश्वत लेने से इनकार कर दिया, बल्कि उस शिक्षक को पुलिस के हवाले कर दिया। इस कृत्य ने उन्हें 'लेडी सिंघम' की उपाधि दिलाई और उनकी ईमानदारी की मिसाल बन गई।

आज तपस्या परिहार उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं जो छोटे कस्बों से बड़े सपने देखते हैं। उन्होंने सिखाया कि असफलता अंत नहीं होती, आत्मअनुशासन और सच्चाई की राह पर चलकर कोई भी ऊंचाई पाई जा सकती है। उनके जीवन की कहानी हर उस व्यक्ति के लिए रोशनी की किरण है जो कठिनाइयों से जूझते हुए सफलता की राह तलाश रहा है।

छांगुर के पास 50 कमांडो की फोर्स

उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण रैकेट के मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की गिरफ्तारी के बाद जैसे-जैसे एटीएस की जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे उसके काले साम्राज्य की परतें खुल रही हैं। अब जो बड़ा खुलासा हुआ है, वह उसकी निजी कमांडो फोर्स को लेकर है। बताया जा रहा है कि छांगुर बाबा की 50 युवकों की कमांडो फोर्स बाबा के लिए कुछ भी करने को तैयार थी। फिलहाल छांगुर बाबा और उसकी साथी नीतू उर्फ नसरीन एक हफ्ते की पुलिस रिमांड पर है। इसमें एटीएस धर्मांतरण और कमांडो फोर्स समेत कई एंगल पर पूछताछ कर छांगुर बाबा के साम्राज्य की जड़ें खोदने की कोशिश कर रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक, यूपी एटीएस की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में 50 युवकों का जिक्र किया गया है। छांगुर बाबा ने

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की ध्वस्त सल्तनत

करीब 50 युवकों की एक विशेष फोर्स तैयार कर रखी थी, जो उसके इशारे पर काम करते थे। ये युवक न सिर्फ धर्मांतरण की गतिविधियों में लगे थे, बल्कि स्थानीय स्तर पर भय, दबाव और हिंसा फैलाने में भी बाबा के हथियार बने हुए थे। ये सभी युवक बाबा की बलरामपुर स्थित आलीशान कोठी में ही रहते थे। उनके लिए अलग-अलग कमरे, खाना-पीना, कपड़े से लेकर हर जरूरत की चीजें छांगुर बाबा द्वारा मुहैया कराई जाती थीं। कोठी में ही इनका ब्रेनवॉश होता था और उन्हें बाबा का आदेश अंतिम फरमान माना जाता था।

बताया यह भी जा रहा है कि जांच में सामने आया कि ये युवक कई बार स्थानीय निवासियों के साथ मारपीट, धमकी और जबरदस्ती धर्मांतरण के मामलों में संलिप्त रहे हैं। कुछ मामलों में शिकायतें थाने तक भी पहुंचीं, लेकिन छांगुर बाबा की तगड़ी पकड़ के चलते कोई कार्रवाई नहीं हो सकी थी। सूत्रों के अनुसार, छांगुर का एक तरह से साया बने ये युवक अपने-आप में एक अनौपचारिक सुरक्षा दस्ते की तरह काम कर रहे थे। इन युवकों के बारे में कहा गया है कि वे बाबा के हर आदेश पर कुछ भी करने को तैयार रहते थे।

छांगुर बाबा खुद को एक धर्मगुरु के रूप में पेश करता था और युवकों को आध्यात्मिक सेवक बताकर अपने पास रखता था। लेकिन पूछताछ में पता चला कि इन युवकों को बाकायदा ट्रेनिंग जैसी प्रक्रिया से गुज़ारा गया था। इनकी वफादारी इस कदर थी कि कोई भी आदेश चाहे कानूनी हो या गैरकानूनी वे बिना सवाल माने जाते थे।

अब एटीएस इन सभी 50 युवकों की पहचान, पृष्ठभूमि और उनके बाबा से जुड़े कार्यों की विस्तृत जांच में जुटी है। इन युवकों का इस्तेमाल कहां-कहां किया गया। धर्मांतरण के किन-किन मामलों में इनकी भूमिका रही है, इन बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो कुछ युवक अन्य राज्यों से लाए गए थे और उन्हें यहां रखकर मानसिक और वैचारिक रूप से तैयार किया गया था। एटीएस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि क्या इस कमांडो फोर्स का इस्तेमाल किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंडे के लिए किया गया था।

डोभाल की ललकार और झूठ की चादर फाड़ते सैटेलाइट

जब भारत की हुंकार गूंजी, तो दुश्मन की नींद उड़ गई। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने जब पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश किया, तो वह पल भारत के अडिग संकल्प और सामरिक शक्ति का स्वर्णिम अध्याय बन गया। ऑपरेशन सिंदूर की वह ऐतिहासिक रात, 7 मई, जब भारत ने अपनी स्वदेशी तकनीक और रणनीतिक सूझबूझ से आतंकी ठिकानों को राख में मिला दिया, न केवल एक सैन्य विजय थी, बल्कि भारत की उस अटूट नीति का दमदार ऐलान थी, जो आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए कटिबद्ध है। डोभाल के शब्द, "मुझे एक तस्वीर दिखाओ, जिसमें भारत को नुकसान हुआ हो!"—ये शब्द हर भारतीय के दिल में गर्व की ज्वाला प्रज्वलित करते हैं। यह भारत का वह पराक्रम है, जो विश्व मंच पर नई इबारत लिखता है, जो दुश्मन को ललकारता है, और जो हर भारतीय को सिर उठाकर जीने की प्रेरणा देता है।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ वह कायराना आतंकी हमला भारत के दिल पर गहरी चोट था—हमारी संप्रभुता को चुनौती, हमारे नागरिकों की सुरक्षा पर प्रहार। मगर भारत ने चुप्पी नहीं साधी; उसने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए ऐसी हुंकार भरी, जिसने पाकिस्तान के आतंकी ढांचे को जड़ से उखाड़ फेंका। नौ आतंकी ठिकाने—एक भी सीमावर्ती क्षेत्र में नहीं—भारत की सटीकता और सैन्य पराक्रम के सामने राख में तब्दील हो गए। महज 23 मिनट में, भारत ने अपनी स्वदेशी तकनीक और रणनीतिक सूझबूझ से न केवल दुश्मन को धूल चटाई, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि कोई अनावश्यक नुकसान न हो। यह था भारत का वह शौर्य, जो सैन्य ताकत और नैतिकता का अद्भुत संगम बनकर विश्व पटल पर चमका।पाकिस्तान और कुछ विदेशी मीडिया ने दुष्प्रचार का जहरीला जाल बुनने की कोशिश की, दावे किए कि भारत को भारी क्षति हुई। मगर अजीत डोभाल की एक ललकार ने उनके झूठ की नींव हिला दी—"एक तस्वीर, एक वीडियो, एक सबूत दिखाओ, जिसमें भारत का एक कांच भी टूटा हो!" यह सवाल न केवल पाकिस्तान के झूठ को बेनकाब करता है, बल्कि उन विदेशी मीडिया घरानों की साख को भी धूल में मिला देता है, जिन्होंने बिना सबूत के भ्रामक कहानियां गढ़ीं। सैटेलाइट तस्वीरों ने सच को दुनिया के सामने ला खड़ा किया—पाकिस्तान के 13 प्रमुख एयरबेस, सरगोधा, चकलाला, और रहीम यार खान, तबाही के मंजर में डूबे थे। रनवे, हैंगर, और इमारतें मलबे में तब्दील, जबकि भारत की धरती पर एक खरोंच तक नहीं! यह था भारत की तकनीकी श्रेष्ठता और रणनीतिक दक्षता का अटल प्रमाण, जो हर भारतीय के सीने में गर्व की लौ जलाता है।ऑपरेशन सिंदूर भारत की आत्मनिर्भरता का वह स्वर्णिम पन्ना है, जिसने दुनिया को हमारी ताकत का लोहा मनवाया। अजीत डोभाल ने गर्व से ऐलान किया कि इस ऑपरेशन में स्वदेशी हथियारों और अत्याधुनिक तकनीक ने कमाल दिखाया—गार्ड-एक्स की सटीकता और राफेल विमानों की गर्जना ने दुश्मन को घुटनों पर ला दिया। यह महज एक सैन्य विजय नहीं थी; यह भारत के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सैनिकों की उस अटूट मेहनत का उत्सव था, जिसने आत्मनिर्भर भारत का परचम लहराया। यह वह आत्मविश्वास था, जो चीख-चीखकर कहता है—हम न केवल अपनी धरती की हिफाजत कर सकते हैं, बल्कि दुश्मन को उसके घर में घुसकर सबक भी सिखा सकते हैं।

पाकिस्तान के झूठ का किला तब धराशायी हुआ, जब यह उजागर हुआ कि उसे चीन और तुर्की जैसे देशों का साथ मिल रहा था। हथियारों की सप्लाई हो या रीयल-टाइम सैटेलाइट तस्वीरें—उसके मित्रों ने हरसंभव कोशिश की, मगर भारत की रणनीतिक चतुराई और अचूक निशाने ने सारी साजिशें धूल में मिला दीं। डोभाल ने न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे विदेशी मीडिया की बेबुनियाद खबरों को ललकारा, जिन्होंने बिना सबूत भारत को बदनाम करने की हिमाकत की। यह भारत का वह नया युग है, जो अब चुप नहीं रहता। आज का भारत हर झूठ का जवाब देता है—न केवल शब्दों से, बल्कि डंके की चोट पर, अपनी ताकत और सच्चाई के दम पर।

ऑपरेशन सिंदूर महज एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की अटूट सुरक्षा और स्वाभिमान का दमदार ऐलान था। अजीत डोभाल की बुलंद आवाज ने न केवल पाकिस्तान को ललकारा, बल्कि विश्व मंच पर यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब अपनी ताकत को छिपाता नहीं, बल्कि उसे गर्व के साथ ललकारता है। इस ऑपरेशन की गूंज आज भी पाकिस्तान के गलियारों में भय का सबब बनी हुई है—एक ऐसी गूंज, जो तब तक थमेगी नहीं, जब तक आतंकवाद का नामो-निशान मिट नहीं जाता। भारत ने अपने शत्रुओं को न केवल सबक सिखाया, बल्कि अपनी स्वदेशी तकनीक और अडिग संकल्प के दम पर यह जता दिया कि हमारा पराक्रम अजेय है।

क्या अब 'डीप स्टेट' का नया मोहरा प्रशांत किशोर होंगे?

रामस्वरूप रावतसरे

बिहार में प्रशांत किशोर और नॉर्वे के राजनयिक की गुप्त बैठक के बाद एक बार फिर डीप स्टेट टूलकिट की चर्चा होने लगी है। कई देशों को अस्थिर कर चुका ये टूलकिट भारत में कई बार अपना हाथ आजमा चुका है। किसान आंदोलन, पहलवान आंदोलन, अन्ना आंदोलन और उसके बाद केजरीवाल की मदद कर चुका है। सीसीए के खिलाफ देशभर में हुए विरोध प्रदर्शन और सबसे बड़ा शाहीन बाग आंदोलन ऐसे टूलकिट के जरिए मिले विदेशी फंडिंग के दम पर फले-फूले।

जानकारी के अनुसार भारत में नॉर्वे की राजदूत एलिन स्टेनर ने राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर से पटना में उनके आवास पर बैठक की है। देखने में यह एक सामान्य कूटनीतिक मुलाकात लग सकती है लेकिन नॉर्वे के इतिहास और बिहार के लिए प्रशांत किशोर की महत्वाकांक्षा को देखते हुए कई राजनीतिक जानकार इस मुलाकात की जाँच कराने की माँग कर रहे हैं।

अलग-अलग राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीतियाँ बनाने वाले प्रशांत किशोर अब जन सुराज पार्टी बना कर बिहार के चुनावी राजनीति में पैर जमाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में ये मुलाकात कहीं बिहार से संबंधित तो नहीं है? क्या किसी इंटरनेशनल संगठन की बिहार में विशेष रुचि हैं? ये भारत की अस्थिर करने की साजिश तो नहीं? या बिहार में निवेश को लेकर प्रशांत किशोर गंभीर हो रहे हैं, हालाँकि उन्होंने पहले ही कह दिया है कि बिहार को किसी बड़े कारखाने की जरूरत ही नहीं

प्रशांत किशोर पांडे

है। इस दौरान उन्होंने नार्वे के विकास की बात भी कही थी। तो क्या निवेश और पर्यावरण के नाम पर अब प्रशांत किशोर को नार्वे अपने एजेंडे के तहत सेट कर रहा है? प्रशांत किशोर को बिहार का अभिजात्य वर्ग भी पसंद कर रहा है। ऐसे में प्रशांत किशोर के सहारे अनौपचारिक किंगमेकर बनने की कोशिश नार्वे कर सकता है, ताकि भारत के संघीय ढाँचे को नुकसान पहुँचाया जा सके। कई लोग तो प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी की विदेशी फंडिंग की जाँच की माँग भी कर रहे हैं।

जानकारों की माने तो ये पहली बार नहीं है जब विदेशी फंडिंग को लेकर चर्चा हो रही है। दिल्ली के रामलीला मैदान में हुआ अन्ना आंदोलन और उससे निकलने वाली आम आदमी पार्टी और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के विदेशी फंडिंग की जाँच सरकार कर रही है। ईडी ने आम आदमी पार्टी को 2014 से 2022 के बीच 7.08 करोड़ रुपए का विदेशी फंड मिलने की जानकारी गृहमंत्रालय को दी थी। इसमें अमेरिका,कनाडा, सऊदी अरब, यूएई से लेकर कई यूरोपीय देश शामिल हैं। कहीं ऐसा तो नहीं है कि अब केजरीवाल का ग्राफ नीचे जाते ही प्रशांत किशोर विदेशियों के लिए नए विकल्प के रूप में सामने आ रहे हैं। इससे पहले सीएए के खिलाफ देशभर में हुई हिंसा और शाहीन बाग आंदोलन में विदेशी ताकतों का हाथ होने की बात सामने आई। ईडी ने साफ तौर पर पीएफआई के फंडिंग की बात की थी। यही हाल किसान आंदोलन और महिला पहलवानों के विरोध का भी रहा। केन्द्र सरकार ने अमेरिकन अरबपति जॉज सोरोस के नेतृत्व वाले ओपन सोसाइटी फाउंडेशन पर आंदोलन को आर्थिक मदद करने का आरोप लगाया था। आंदोलन का मकसद भारत की आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना और देश को अस्थिर करना था। किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले राकेश टिकैत पर खुद उनके सहयोगियों ने भी विदेशी फंडिंग का आरोप लगाया था।

नॉर्वे ने भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर को लेकर खुद को 'तटस्थ' बताते हुए मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था लेकिन भारत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया क्योंकि कश्मीर मामले में 'बाहरी हस्तक्षेप' हमें कभी कबूल नहीं रहा। अब बिहार के बहाने भारत में फिर से दिलचस्पी लेना एक पूर्वनियोजित रणनीति का हिस्सा लगता है।

डीप स्टेट खुफिया तंत्रों सीआईए, एफबीआई जैसे अमेरिकन इंटेलिजेंस एजेंसी का नेटवर्क है। इनमें दुनिया के सरकारी और गैर सरकारी अभिजात्य वर्ग शामिल हैं जो लोकतान्त्रिक रूप से चुनी गई सरकार से ज्यादा ताकतवर है। ये दुनिया के किसी भी कोने में सरकारों को बनाने- गिराने का माद्दा रखती है। ओस्लो का डीप स्टेट के साथ रिश्ता काफी गहरा है। नाटो के साथ उसका ऐतिहासिक समझौता है और डीप स्टेट का सेंटर ऑस्लो में है। दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश नॉर्वे हर हाल में सीआईए को भी सूट करता बताया जाता है।

ये मुनाफा रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूरोप के ऊर्जा संकट से हुए रिकॉर्ड "युद्ध मुनाफ़े" पर आधारित है। क्योंकि कई देशों ने रूस से ऑयल खरीदना बंद कर दिया था। इसका फायदा नॉर्वे को मिला। सॉवरेन ऑयल फंड की वैल्यू दुनिया में दखलंदाजी के लिए काफी है। इसने क्लिंटन फाउंडेशन, बिल गेट्स की परियोजनाओं और नाटो से जुड़े दुनिया के कई देशों में शासन बदलने की कोशिशों में लगे संगठनों को मदद करता है। यही वजह है कि अर्थशास्त्री अब नॉर्वे से आग्रह कर रहे हैं कि वह इस फंड का उपयोग यूक्रेन की आर्थिक मदद के लिए करे।

दिल्ली में केजरीवाल सरकार का जाना, आम आदमी पार्टी का कमजोर पड़ना और शाहीन बाग- किसान विरोध जैसे आंदोलन के नहीं चलने के बाद अब डीप स्टेट टूलकिट के जद में प्रशांत किशोर आ गए हैं। ये टूलकिट ऐसे लोगों की तलाश करते हैं जो महत्वाकांक्षी हो, जमीन पर दिख रहा हो और जिसे मिला कर 'अनौपचारिक किंगमेकर' बन सकें।

सावन में रुद्राभिषेक के बिना शिव पूजा मानी जाती है अधूरी

भगवान शिव हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक हैं और उन्हें बुराई का नाश करने वाला माना गया है सावन में इनकी आराधना से शांति, समृद्धि और नकारात्मक प्रभावों से सुरक्षा मिलती है सावन के दौरान अधिकतर लोग जलाभिषेक या फिर रुद्राभिषेक करते हैं

कहते हैं रुद्राभिषेक करने से भक्त जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति (मोक्ष) प्राप्त करते हैं वहीं जलाभिषेक से व्यक्ति की तमाम परेशानियों का अंत होने लगता है अगर आप भी सावन में शिव जी की पूजा करेंगे तो आज ही संपूर्ण सामग्री इक्ट्ठा कर लें

रुद्राभिषेक के लिए सामग्री

कुशा का आसन, जल, रोली, अक्षत, धतूरा, पंच फल, सफेद चंदन, दीपक, पंचामृत, दक्षिणा, मलयागिरी, गंगाजल, शुद्ध जल, दूध, दही, गाय का घी, शहद, शक्कर, कपूर, श्रृंगी, कलावा, बिल्वपत्र, धतूरा,फूल, फल, मिठाई, वस्त्र, भांग, आम्र मंजरी, मौली, जनेऊ, गन्ने का रस, पान, गुलाबजल, सुपारी और नारियल भी उपयोग किए जा सकते हैं

शिव को अर्पित करने वाली सामग्री का महत्व

जल: शीतलता का प्रतीक है, जो शांति प्रदान करता है

दूध: पवित्रता और भक्ति का प्रतीक है

शहद: जीवन में मिठास और दैवीय कृपा का प्रतिनिधित्व करता है

घी: आध्यात्मिक परिष्कार और स्वास्थ्य का प्रतीक है

गन्ने का रस: समृद्धि और प्रचुरता से जुड़ा हुआ

कौन सी सामग्री न चढ़ाएं ?

हल्दी, कुमकुम, तुलसी के पत्ते, नारियल, केतकी के फूल, शंख से जल, लाल रंग के फूल और कटे-फटे बेलपत्र न चढ़ाएं

रुद्राभिषेक के लाभ

भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है

रोगों से मुक्ति मिलती है

मनोकामनाएं पूरी होती हैं

सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है

मुरादाबाद में भी मिलता है शिवजी का खुद प्रकट हुआ नर्मदा पत्थर

सावन का महीना शुरू हो गया है। ऐसे में इस महीने भगवान शिव की पूरे महीने पूजा और भक्ति की जाती है। वहीं शिवजी की मूर्ति और शिवलिंग पर मौजूद नर्मदा पत्थर की भी डिमांड इन दिनों बढ़ जाती है। नर्मदा पत्थर मध्य प्रदेश में स्थित ओंकारेश्वर नदी से प्राप्त होता है। यह पत्थर नहीं शिवजी का अवतार होता है। मध्य प्रदेश के अलावा यह यूपी के मुरादाबाद में भी मिलते हैं। सावन का महीना शुरू होते ही इनकी डिमांड भी बहुत ज्यादा बढ़ गई है। यह अलग साइज और प्राइस में लोगों को दिए जा रहे है।

कारोबारी मनीष अग्रवाल ने बताया की सावन का महीना भगवान शिव के लिए समर्पित होता है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा अर्चना और आराधना की जाती है। भगवान शिव को यह पूरा महीना समर्पित किया जाता है। ऐसे में शिव भक्त भगवान शिव से जुड़ी चीजों की खरीदारी शुरू कर देते हैं। जिनकी मांग बढ़ जाती है। वहीं मुरादाबाद की बर्तन बाजार की मार्केट में भगवान शिव की शिवलिंग पर लगने वाले नर्मदा पत्थर की भी डिमांड बढ़ जाती है।

मध्य प्रदेश की ओंकारेश्वर में नर्मता नदी से होता है प्राप्त

यह पत्थर मध्य प्रदेश की ओंकारेश्वर नदी से निकलता है। इस पत्थर को कोई बनाता नहीं है। यह नदी से स्वयं प्रकट होता है। और अलग-अलग साइज में मिलता है। इनकी कीमत की बात की जाए तो 50 रुपए से इसकी कीमत शुरू होकर 1 लाख 2 लाख 3 लाख और आपके बजट पर निर्भर करती है। महंगे से महंगा सस्ते से सस्ता सभी वैरायटी का पत्थर यहां पर मिल जाता है। सावन में इस पत्थर की डिमांड बढ़ जाती है और लोग जमकर इस पत्थर को खरीदते हैं।

नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोग करें इन मंत्रों का जाप

नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों के जीवन में तनाव का स्तर रहता है। उनको हर समय काम का तनाव परेशान करता है। नौकरी में सफल होने या बिजनेस में उन्नति करने के लिए व्यक्ति को शांत, सौम्य और तनाव मुक्त रहना जरूरी है। इससे व्यक्ति को सही निर्णय लेने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में सफलता मिलती है। प्रोफेशनल्स, जॉब करने वाले, बिजनेस लीडर, अधिकारी या कॉर्पोरेट जीवन जीने वाले लोगों को प्रतिदिन सुबह में पूजा के समय मंत्र जाप करना चाहिए। आपको कुछ मंत्रों के बारे में बता रहे हैं, जिनका नियमित जाप करने से करियर और प्रोफेशनल ग्रोथ मिलने में मदद मिलेगी।

प्रोफेशनल्स के लिए प्रभावशाली मंत्र

प्रोफेशनल्स को प्रतिदिन ओम मंत्र का जाप करना चाहिए। यह काम प्रभावशाली मंत्र है। इसके जाप से आपका मन शांत होगा। जीवन में स्थिरता आएगी और आपका आध्यात्मिक विकास होगा।

यदि आपको किसी विशेष कार्य का शुभारंभ करना है और उसमें सफलता पानी है तो आपको विघ्नहर्ता श्री गणेश जी के मंत्र ओम गं गणपतये नमः का जाप करना चाहिए। गणेश जी सभी विघ्न और बाधाओं का नाश कर देंगे।

प्रतिदिन ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करना भी उत्तम फलदायी होता है। भगवान शिव के मंत्र का जाप करने से मानसिक शांति और दृढ़ आत्मबल प्राप्त होता है। आपका मन एकाग्र होगा और आपकी निर्णय क्षमता अच्छी होगी। इस शिव मंत्र के जाप से नकारात्मक विचारों, निर्णय भ्रम और मानसिक थकान दूर होगा।

यदि आप भगवान श्रीकृष्ण या राधा जी के भक्त है तो उनके नाम का जाप करें। नाम जाप में वो शक्ति है, जो सभी प्रकार के दुखों का नाश कर देती है। नाम जाप करने से मन साफ हो, मन की मलीनता दूर होगी, गंदे विचार खत्म होंगे। मन के पवित्र होने से आपके काम आसन होंगे। आप चाहें तो अपने इष्ट देव के नाम का भी जाप कर सकते हैं।

गायत्री मंत्र ओम भूर्भवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात। गायत्री मंत्र का जाप करने से मन एकाग्र होता है। स्मरण शक्ति बढ़ती है और मानसिक शांति प्राप्त होती है। इस मंत्र का जाप हर कोई कर सकता है। इससे मानसिक तनाव दूर होता है।

देव गुरु बृहस्पति के मंत्र ॐ बृं बृहस्पतये नमः का जाप करना भी सफलतादायक होता है। यदि आप प्रतिदिन इस मंत्र का जाप करते हैं तो प्रमोशन, ज्ञान और प्रभावशाली नेतृत्व में सफलता मिलती है। इस मंत्र जाप से कुंडली में बृहस्पति मजबूत होता है, इससे प्रोफेशनल ग्रोथ में मदद मिलती है।

वाणी, कला और ज्ञान की देवी सरस्वती के मंत्र ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः या ॐ ह्रीं वद वद वाग्वादिनी स्वाहा का जाप कर सकते हैं। इस मंत्र का जाप करने से बुद्धि, कम्युनिकेशन और टेक्निकल क्षमता में वृद्धि होती है। वाणी का प्रभाव बढ़ता है। देवी सरस्वती की कृपा से आइडिया, प्रेजेंटेशन स्किल, इंटरव्यू, मीटिंग, पब्लिक स्पीकिंग में कामयाबी मिलती है।

सावन में जाएं शिवालय तो पहले शिवलिंग नहीं, गणेश और नंदी की करें पूजा

सावन का महीना शुरू हो चुका है और यह माना जाता है कि पूरे 1 महीने तक सृष्टि का संचालन भगवान शिव खुद करते हैं। मान्यता है कि पूरे सावन महीने में भगवान शिव धरती पर रहते हैं। इसलिए इस महीने जो भी श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करता है, उसकी मन की इच्छा पूरी होती है। इसके साथ ही रोग, दोष, कष्ट, दुख और गरीबी दूर हो जाते हैं।

वहीं सावन में भगवान शिव की पूजा करते समय भक्त कई बार कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे पूजा का फल नहीं मिलता। भगवान शिव की पूजा करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, यह जानते हैं बैद्यनाथ मंदिर के प्रसिद्ध तीर्थ पुरोहित से।

क्या कहते हैं तीर्थ पुरोहित

11 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो चुका है। सावन का महीना ऐसा समय होता है जब हर दिन एक यज्ञ की तरह होता है और हर पल एक बलिदान की तरह। यह महीना इंसान को भगवान से जोड़ता है। इस महीने में विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए। जो भी भक्त सावन के महीने में भगवान शिव के शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाकर जल से अभिषेक करता है, उसके घर में सुख और समृद्धि आती है।

भगवान शिव की पूजा करते समय न करें ये गलती

तीर्थ पुरोहित बताते हैं कि शास्त्रों के अनुसार, किसी भी ज्योतिर्लिंग या मंदिर में भगवान शिव के शिवलिंग के ठीक सामने भगवान गणेश और दक्षिण दिशा की ओर भगवान नंदी विराजते हैं। ये दोनों भगवान शिव के प्रिय सेवक हैं। भगवान शिव की पूजा करने से पहले इन दोनों की पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से भगवान शिव बहुत खुश होते हैं। यानी, शिवलिंग की पूजा करने से पहले भगवान गणेश और नंदी की पूजा जरूरी होती है, तभी पूजा का पूरा फल मिलता है।

परिवार बचाने के लिए एक दूसरे की पूछताछ करते रहें

एक बड़े प्रकृतिप्रेमी-वैज्ञानिक ने मुझसे कहा, आप देखिएगा कुछ सालों बाद हमारा देश रहने लायक नहीं रह जाएगा। यह सुनकर मैं चौंक उठा। उन्होंने कहा प्रदूषण और बढ़ेगा, जिस हिसाब से हरियाली घट रही है। अब तो गांव में भी हरियाली के पते नहीं हैं। निर्माणों के लिए बेतहाशा पेड़ काटे जा रहे हैं। उनका कहना था राजनेता पेड़ तभी बचाएंगे, जब ये साबित हो जाए कि जो पेड़ काटेगा वो हारेगा। हमारे देश में हर चीज चुनाव से जोड़ दी गई है। चूंकि मैं हमारे देश में परिवार बचें, इसको भी एक आंदोलन मानता हूं, तो मेरी रुचि परिवार बचाने में है।

मुझे लगता है जैसे प्रदूषण से पेड़-पौधे मर रहे हैं, ऐसे ही यंत्रों से रिश्ते खत्म होने लगेंगे। भारत के परिवारों में भाई-बहनों की संख्या वैसे ही कम हो रही है। लेकिन जितने भी भाई-बहन हों, अगर वह परिवार बचाना चाहें तो एक-दूसरे की पूछताछ, देखभाल और मेलजोल आपस में करते रहें। अपने परिवार में विचार करें कि रिवॉर्ड क्या मिला ये छोड़िए, आपका कॉन्ट्रिब्यूशन क्या है परिवार को बचाने में, ये सोचिए।

रिश्ते में संशय हो तो वह कमजोर हो जाता है, जीवन साथी पर भरोसा करना जरूरी

शिव पूजा के साथ ही शिव जी की कथाएं पढ़ने-सुनने की भी परंपरा है। भगवान की कथाओं में छिपी सीख को अपनाने से हमारी सभी परेशानियां दूर हो सकती हैं। भगवान शिव और देवी सती का एक ऐसा प्रसंग है, जिसमें बताया गया है कि पति-पत्नी के बीच आपसी विश्वास होना बहुत जरूरी है। आपसी विश्वास ही वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और प्रेम बनाए रखता है।

ये प्रसंग रामायण के समय का है। जब रावण सीता का हरण कर चुका था और भगवान श्रीराम दुःखी होकर जंगलों में "हा सीते! हा सीते!" पुकार रहे थे। वे अपनी पत्नी की खोज में भटकते थे, विलाप करते थे। एक दिन ये दृश्य भगवान शिव और देवी सती ने भी देखा।

शिव जी ने श्रीराम को प्रणाम किया, लेकिन देवी सती को संदेह हुआ कि "जो व्यक्ति इतना दुःखी हो रहा है, वह क्या

सच में भगवान हो सकता है? ये तो एक साधारण राजकुमार जैसे लगते हैं।"यहां से सती के मन में संशय जन्म लेता है और यहीं से संबंधों की परीक्षा शुरू होती है।

शिव जी ने सती को समझाया कि ये सब भगवान राम की लीला है, लेकिन सती का संदेह दूर नहीं हुआ। उन्होंने श्रीराम की परीक्षा लेने का निर्णय लिया और खुद सीता का रूप धारण करके श्रीराम के सामने पहुंच गईं।

श्रीराम ने सती को तुरंत पहचान लिया और कहा, "देवी, आप अकेली इस वन में क्या कर रही हैं? महादेव कहां हैं?"ये बात सुनते ही सती के मन में जो संशय था, उसे मिटा गया। उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ, लेकिन गलती सिर्फ संदेह करना नहीं थी, देवी ने एक और गलती की थी वह थी झूठ बोलना। जब सती शिव जी के पास लौटीं, उस समय शिव जी ध्यान में थे। जब उन्होंने आंखें खोलीं, तो पूछा, "राम जी की परीक्षा ले ली?"सती ने उत्तर दिया, "नहीं, मैंने तो सिर्फ आपकी तरह दूर से प्रणाम किया।"शिव जी ने कुछ नहीं कहा, लेकिन मन में जानते थे कि उनकी पत्नी झूठ बोल रही हैं। उन्होंने ध्यान लगाया और पूरी घटना को जान लिया। जिस क्षण ये सत्य उनके समक्ष आया, उन्होंने कहा, "देवी, आपने इस देह से मेरी मां सीता का रूप लिया है, अब मैं इस रूप का मानसिक त्याग करता हूं।"इस घटना के बाद से शिव-सती का वैवाहिक जीवन बिगड़ गया था।

प्रसंग की सीख

रिश्तों में संशय हो तो रिश्ता कमजोर हो जाता है। अगर मन में कोई सवाल उठे तो जीवन साथी से बात करें और जीवन साथी की बात पर भरोसा करें। अगर साथी की बात पर भरोसा नहीं करेंगे, अपनी जिद की वजह से कोई परीक्षा लेंगे तो रिश्ता बिगड़ने की संभावना बन सकती है। वैवाहिक जीवन में झूठ सबसे बड़ा दोष है। कभी किसी प्रिय व्यक्ति से कुछ छिपाना या झूठ कहना उस रिश्ते को कमजोर कर देता है।विश्वास ही रिश्ता है। बिना विश्वास, कोई संबंध नहीं टिकता, चाहे कितना भी प्रेम हो या साथ हो।

ध्यान रखें वैवाहिक जीवन में मौन भी बहुत कुछ कह जाता है। शिव जी ने सती को कुछ नहीं कहा, लेकिन भगवान का मौन दर्शाता है कि देवी सती की ये बातें उन्हें अच्छी नहीं लगी थीं।शिव-सती की यह कहानी केवल पौराणिक प्रसंग नहीं है, यह आज के वैवाहिक रिश्तों के लिए बड़ी सीख देता है। पति-पत्नी का संबंध केवल साथ रहना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को समझना, भरोसा करना और सच के साथ खड़ा रहना है। अगर हम इन मूल भावों को अपने जीवन में अपनाएंगे तो रिश्तों में हमेशा प्रेम बना रहेगा।

मैं उनकी हो चुकी हूं दिल से : डायना पेंटी

शादी को लेकर मुझे कोई परेशानी नहीं है, लेकिन हम साथ रहते हैं। हमारा एक डॉग भी है। बिना किसी फॉर्मेलिटी या डॉक्यूमैंट्स के भी हमारा रिश्ता शादी के जैसा ही है।

इन दिनों डायना पेंटी रवि छाबड़िया द्वारा निर्देशित फिल्म 'डिटैक्टिव शेरदिल' को लेकर चर्चा में है, जिसमें वह दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आ रही है। इस साल — आजाद' और 'छावा' जैसी फिल्मों में भी दिखाई दे चुकी डायना अपने निजी जीवन को लेकर भी सुर्खियां बटोरने लगी है। दरअसल, डायना अपने ब्वॉयफ्रैंड हीरा व्यापारी हर्ष सागर के साथ लंबे समय से रिलेशनशिप है । यह जोड़ा एक दशक से भी अधिक समय से एक-दूसरे को डेट कर रहा है और मुंबई में एक साथ रह रहा है, लेकिन उन्हें शादी करने की जल्दी नहीं है। हाल ही में एक इंटरव्यू में डायना ने अपने इस फैसले के बारे में खुलकर बात की और कहा कि बेशक उन्होंने शादी नहीं की है लेकिन वह दिल से हर्ष की हो चुकी है।

उसने खुलासा किया कि वे दोनों और उनके परिवार जल्दबाजी में नहीं हैं। उसने कहा, "हां, मैं सिंगल नहीं हूं। मैं इस बारे में जोर-शोर से घोषणा नहीं करना चाहती लेकिन मैं और मेरा पार्टनर 12 साल से साथ हैं और हम एक-दूसरे को 22 साल से जानते हैं, जो मेरी आधी जिंदगी है, इसलिए भले ही मैं शादीशुदा नहीं हूं, लेकिन अपने दिमाग में मैं शादीशुदा हूं। लोगों यह एक ही बात है क्योंकि आप रिश्ते को उसी तरह सम्मान देते हैं। हालांकि, शादी को लेकर मुझे कोई परेशानी नहीं है, लेकिन हम साथ रहते हैं । हमारा एक डॉग भी है। बिना किसी फॉर्मेलिटी या डॉक्यूमैंट्स के भी हमारा रिश्ता शादी के जैसा ही है ।

उसने आगे कहा, "हमारे दोनों परिवार बहुत शांत हैं, वे हमारे रिश्ते का सम्मान करते हैं। दोनों परिवारों के लिए हमारी खुशी सबसे महत्वपूर्ण है, इसलिए शादी का कोई दबाव नहीं है। हम साथ रहते हैं। हर कोई जानता है कि हम साथ हैं, वास्तव में कोई जल्दबाजी नहीं है। यह काफी हद तक शादीशुदा होने जैसा है, बस यह कागज पर नहीं है लेकिन इससे मुझे या उसे कोई फर्क नहीं पड़ता । ' उसने कहा कि वह हर्ष सागर के साथ C एक सीरियस रिलेशनशिप में है। उसने कहा, 'मुझे कभी किसी के साथ कैजुअल रिलेशनशिप में कोई दिलचस्पी नहीं रही । मैं पुरानी सोच वाली हूं।

मॉडलिंग से शुरू किया था करियर

2012 में फिल्म 'कॉकटेल' से डेब्यू करने से पहले डायना मॉडल रह चुकी है। क्या मॉडलिंग के दौरान उसके साथ कोई अनुचित व्यवहार हुआ, पर उसने कहा, "मैंने हमेशा शुरुआत से ही अपनी सीमाएं निर्धारित की हैं और इसे बहुत स्पष्ट किया है। मैं आमतौर पर 'आसानी से अपने दायरे में नहीं आने देती । शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं इकलौती संतान हूं।

मेरे करियर का चुनौतीपूर्ण अनुभव : मानुषी छिल्लर

मिस वर्ल्ड रह चुकी मानुषी छिल्लर ने 2022 में यशराज बैनर की ऐतिहासिक फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' में राजकुमारी संयोगिता के किरदार से बॉलीवुड में पदार्पण किया, जिसमें उसने अक्षय कुमार के साथ काम किया। इस फिल्म में उसके अभिनय, ग्रेस और स्क्रीन प्रैजैंस को काफी सराहा गया, जिससे वह एक सशक्त नई अदाकारा के रूप में स्थापित हुई।

शुरू से ही मानुषी ने अपने करियर को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती। उसने अलग- अलग शैली की फिल्मों में काम करके अपनी अभिनय क्षमता का विस्तार किया। इनमें विक्की कौशल के साथ कॉमेडी ड्रामा 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', एक्शन थ्रिलर 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' शामिल हैं। ये फिल्में उसकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती हैं। हालांकि, अब तक उसकी कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता दर्ज नहीं कर सकी है अगली फिल्में

उसकी अगली दो बड़ी फिल्में - राजकुमार राव के साथ 'मालिक' और जॉन अब्राहम के साथ 'तेहरान ' चर्चा में हैं। ये फिल्में साबित करती हैं कि वह चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को अपनाने और परम्परागत किरदारों में सीमित न रहने के लिए तैयार है।

मानुषी इन दिनों जल्द रिलीज होने जा रही फिल्म 'मालिक' के प्रचार में व्यस्त है । इस फिल्म में उसके साथ राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।

मानुषी को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि उसके 3 साल के बॉलीवुड करियर में एक भी बड़ी हिट फिल्म नहीं है। ऐसे में 'मालिक' मानुषी के लिए काफी अहम फिल्म है।

फिल्म 'मालिक 'पर मानुषी ने कहा, "फिल्म शुरू करने से पहले हमें डायरैक्टर पुलकित के साथ कई वर्कशॉप्स करनी पड़ीं, ताकि हम किरदार में पूरी तरह ढल सकें । यह मेरे करियर का एक अलग और चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। मानुषी फिल्म में एक मजबूत महिला किरदार निभा रही है जो कहानी में एक अहम मोड़ लाती है । फिल्म में अपने किरदार शालिनी के साथ अपने गहरे जुड़ाव का खुलासा करते हुए उसने कहा कि यह किरदार उसके लिए अब तक का 'सबसे रियल' अनुभव रहा है।

एक इंटरव्यू में उसकी पसंदीदा अभिनेत्री के में पूछा गया तो उसका कहना था कि उसे प्रियंका चोपड़ा बहुत पसंद है। वहीं उसने बताया कि अगर उसे किसी फिल्म के रीमेक में काम करने का मौका मिले तो वह फिल्म 'देवदास' में पारो का किरदार करना चाहेगी।

'मिस वर्ल्ड' बनने से शुरू हुए अब तक के सफर में अगर कुछ हटाना चाहे तो क्या होगा, पर उसका कहना था, "वैसे तो कुछ भी नहीं हटाना चाहूंगी क्योंकि हर एक पल ने कुछ न कुछ दिया है। उससे कुछ न कुछ सीखा है। हां, जब कोविड की वजह से लॉकडाऊन लगा था, तब जरूर यह लगा कि सब कुछ धीमा हो गया है। एक ठहराव आ गया है। वह भी इसलिए कि मैंने फिल्मी सफर शुरू ही किया था और अचानक सब कुछ थम सा गया। हालांकि, उस वक्त उसकी जरूरत थी लेकिन अंदर ही अंदर लगता था कि मैं और भी काम करना चाहती हूं। मेरी फिल्म जल्दी आए। मैं बस उस समय को थोड़ा कम करना चाहूंगी।

अब तक के बॉलीवुड अनुभव पर उसने कहा, " अभी तो शुरुआत हुई है। अब तक तो सब कुछ अच्छा ही रहा है। जैसा किसी भी फील्ड में नए इंसान को ट्रीट किया जाता है, वैसा यहां मुझे किया जाता है। ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने मुझे बहुत अच्छा फील कराया है और मेरा साथ दिया है।

कइयों ने 'छल कपट' किया : श्रिया पिलगांवकर

श्रिया पिलगांवकर ने फिल्मों से कहीं अधिक ओ.टी.टी. पर कामयाबी पाई है । 'मिर्जापुर', 'क्रैकडाऊन', 'गिल्टी माइंड्स', 'द ब्रोकन न्यूज', 'ताजा खबर ' जैसी वैब सीरीज से लोकप्रियता पाने वाली श्रिया इन दिनों वैब सीरीज 'छल कपट : द डिसैप्शन' को लेकर सुर्खियों में है। इसमें वह पुलिस अफसर देविका राठौड़ के रोल में है। अपने किरदार को प्रभावशाली बनाने के लिए श्रिया ने उत्तर प्रदेश की महिला पुलिस अफसरों से मुलाकात की। इस कड़ी में उसने ए. डी. जी. पद्मजा चौहान से भी बातचीत की। श्रिया को 1090 के बारे में भी बताया गया । यह उत्तर प्रदेश में महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गई एक हैल्पलाइन सेवा है, जहां महिलाएं किसी भी परेशानी या उत्पीड़न की शिकायत कर सकती हैं । श्रिया लखनऊ में बिताए पलों के बारे में कहा, "लखनऊ की खूबसूरती हमेशा बनी रहती है। मैं पहले भी शूटिंग के लिए कई बार यहां आ चुकी हूं। मुझे इस शहर की संस्कृति, यहां के लोग और लजीज खाना बेहद पसंद है। श्रिया ने बताया कि महिला पुलिस अफसरों से मुलाकात ने उसे अपने किरदार देविका को और गहराई से समझने में मदद की। उसने कहा, इस अनुभव ने मुझे अपने किरदार से और ज्यादा जुड़ाव महसूस करवाया। देविका सिर्फ एक पुलिस अफसर नहीं है, बल्कि वह एक ऐसी महिला है, जो अपने दुख और अतीत का बोझ भी उठाए हुए है, फिर भी न्याय के लिए मजबूती से खड़ी है।

अपने साथ हुए छल-कपट और उससे बचने के तरीकों के बारे में श्रिया कहती है, कभी-कभी हम लोगों को पहचानने में गलती कर देते हैं । कई बार हमारे करीबी ही छल-कपट करते हैं। अपने साथ हुए छल-कपट से मैं निराश तो हुई । उसके बाद मैंने आस - पास एक आभासी घेरा बना लिया कि किन लोगों पर कितना भरोसा किया जा सकता है और किसे अपनी जिंदगी के बारे में कितना बताना है। लोग तो एक-दूसरे के साथ छल करने के लिए बैठे ही हैं। हमें ही जागरूक होना पड़ेगा । अब मैं किसी पर पूरा भरोसा करने से पहले काफी समय लेती हूं।

कभी नहीं लगा था कि मैं कोई कमर्शियल फिल्म कर पाऊंगी : मृणाल ठाकुर

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों की मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच फिल्म एक्ट्रेस ने कि उन्हें यकीन नहीं था कि वह 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी मुख्यधारा की कॉमेडी फिल्म में अभिनय कर पाएंगी। इस फिल्म में काम करने का अवसर देने के लिए उन्होंने सह-कलाकार अजय देवगन का आभार व्यक्त किया।

मृणाल ठाकुर ने कहा, मुझे इस फिल्म में जस्सी (अजय देवगन के किरदार) को परेशान करने में बहुत मज़ा आया। इस बार चार महिलाएं मिलकर उन्हें तंग करती हैं। यह मेरी पहली व्यावसायिक (कमर्शियल) फिल्म है और मैं अजय सर और निर्देशक की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया।

उन्होंने आगे कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं राबिया जैसे किरदार को निभा पाऊंगी। जस्सी को परेशान करने वाले सीन को करने से पहले मैं सोच रही थी कि 'क्या मैं इसे कर पाऊंगी?' लेकिन दीपक सर (डोबरियाल), कुब्रा सैत, रोशनी और बाद में चंकी सर के साथ मिलकर हम सबने बहुत मज़ा किया। विशेषकर दीपक सर के साथ काम करना बहुत आनंददायक रहा।

बता दें, 'सन ऑफ सरदार' 2012 में रिलीज हुई थी, जिसका यह फिल्म दूसरा भाग है। 'सन ऑफ सरदार 2' का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। इस फिल्म में रवि किशन, संजय मिश्रा, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, रोशनी वालिया, शरद सक्सेना, साहिल मेहता जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म में मुकुल देव भी नजर आएंगे। उनका इस वर्ष मई में 54 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। ज्योति देशपांडे, एन आर पचीसिया और प्रवीण तलरेजा के साथ देवगन द्वारा निर्मित 'सन ऑफ सरदार 2' आगामी 25 जुलाई को रिलीज होगी।

दुख और कष्ट में बीता बचपन, बाद में बनीं बॉलीवुड की पहली कॉमेडी क्वीन टुनटुन

जब भी बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन की बात होती है तो महमूद और जॉनी वॉकर से लेकर जॉनी लीवर, जूनियर महमूद और राजपाल यादव के नाम लिए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड की पहली महिला कॉमेडियन कौन थीं? अभिनेत्री उमा देवी खत्री उर्फ टुनटुन वो शख्स हैं जिन्हें बॉलीवुड की पहली महिला कॉमेडियन माना जाता है। टुनटुन कॉमेडी क्वीन के नाम से जानी जाती हैं। सिंगर-एक्टर उमा देवी उर्फ टुनटुन की आज 102वीं जयंती है। इस मौके पर जानते हैं कैसे शुरू हुआ उनका सफर।

बचपन में कर दी गई मां-बाप और भाई की हत्या

अपनी एक्टिंग से लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने वाली टुनटुन का बचपन दुखों भरा रहा है। टुनटुन का जन्म उमा देवी खत्री के रूप में 11 जुलाई 1923 को अब उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में हुआ था। टुनटुन का बचपन बेहद मुश्किलों में गुजरा। उनके माता-पिता और भाई की हत्या जमीन विवाद में कर दी गई थी। अपनी मौत से दो दिन पहले टुनटुन ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मैं नहीं जानती मेरे मां-बाप कैसे दिखते थे क्योंकि जब मैं ढाई साल की थी तो वो गुजर चुके थे। मेरा 8-9 साल का भाई था जिसका नाम हरी था। मुझे याद है हम अलीपुर में रहते थे। एक दिन मेरे भाई की भी हत्या कर दी गई तब मैं चार-पांच साल की रही हूंगी।

घर से भागकर पहुंचीं मुंबई

टुनटुन का बचपन से ही संगीत की तरफ झुकाव था। वो अक्सर रेडियो से गाने सुनकर उसका रियाज किया करती थीं। टुनटुन अक्सर काम के सिलसिले में दरियागंज में रहने वाले रिश्तेदार के घर जाया करती थीं। एक दिन वहां पर उनकी मुलाकात अख्तर अब्बास काजी से हुई। उन्होंने टुनटुन से वादा किया था वो उनकी मदद जरूर करेंगे। लेकिन बाद में वो लाहौर चले गए। इसके बाद उनकी मुलाकात एक लड़की से हुई जो मुंबई के कई फिल्म वालों को जानती थी। एक दिन

टुनटुन ने उनको ये बात बताई उन्हें गाने का बहुत शौक है, तो उन्होंने कहा कि तुम मेरे साथ मुंबई चलो। इसके बाद टुनटुन अपनी उस दोस्त के साथ भागकर मुंबई आ गईं। वहां पर दोस्त ने उनकी मुलाकात डायरेक्टर नितिन बोस के असिस्टेंट से कराई। नए शहर में जाने के बाद टुनटुन के पास रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं था, तो नितिन बोस के असिस्टेंट ने उन्हें अपने घर पर पनाह देदी।

नौशाद से कहा मुझे काम दीजिए नहीं तो समुंदर में कूद जाऊंगी

टुनटुन को बतौर सिंगर पहला ब्रेक मशहूर संगीतकार नौशाद ने दिया था। टुनटुन ने नौशाद साहब से जाकर कहा कि मैं गाती अच्छा हूं आप मुझे काम दीजिये नहीं तो मैं समंदर में कूद जाऊंगी। तब टुनटुन का ऑडिशन लिया गया। उसमें वो सेलेक्ट हो गईं। टुनटुन ने पहला गाना 1946 में फिल्म 'वामिक अजरा' में गाया। यहीं से टुनटुन की उमा देवी के रूप में एक सिंगर के तौर पर शुरुआत हुई। इसके बाद टुनटुन ने 'अफसाना लिख रही हूं', 'बेताब है दिल', 'चांदनी रात है', 'दिल को लगा की हम ने', 'दिल थामे हुए बैठे हैं', 'सजना रे आजा रे', 'मेरी प्यारी पतंग', 'ये कौन चला', 'बेताब है दिल' जैसे कई यादगार गाने गाए।

लाहौर से मुंबई आकर अख्तर अब्बास काजी ने की शादी

टुनटुन के गाने से लाहौर में बैठे अख्तर अब्बास काजी भी इतने प्रभावित हुए कि वो मुबंई आ गए। मुंबई पहुंच कर उन्होंने सीधे टुनटुन को शादी के लिए प्रपोज किया। टुनटुन भी उन्हें पसंद करती थीं, जिसके बाद दोनों ने 1947 में शादी कर ली। वो उन्हें प्यार से मोहन बुलाती थीं। इसके बाद परिवार को समय देने के लिए टुनटुन ने इंडस्ट्री से दूरी बना ली।

नौशाद ने ही दी फिल्मों में जाने की सलाह

बच्चे हो जाने के बाद टुनटुन काफी मोटी हो गई थीं। वो फिर से इंडस्ट्री में वापसी करना चाहती थीं। इसके लिए वो फिर नौशाद के पास पहुंचीं। लेकिन नौशाद ने उनसे कहा कि अब लता मंगेशकर जैसे संगीत की शिक्षा लिए हुए लोग म्यूजिक में आ गए हैं। इसलिए अब यहां टिक पाना मुश्किल है। कहते हैं कि नौशाद ने ही टुनटुन को फिल्मों में एक्टिंग करने की सलाह दी थी। उन्होंने टुनटुन से कहा कि तुम्हारा वजन काफी बड़ गया है। ऐसे में तुम्हें देखकर लोग हंसेंगे। तुम फिल्मों में एक्टिंग करो।

दिलीप कुमार की फिल्म से किया एक्टिंग डेब्यू

फिल्मों में एक्टिंग करने की सलाह पर टुनटुन ने नौशाद से कहा कि वो फिल्मों में अपना डेब्यू दिलीप कुमार की फिल्म से ही करेंगी। इसके बाद नौशाद दिलीप कुमार के पास गए। दिलीप कुमार उस वक्त 'बाबुल' फिल्म बना रहे थे। नौशाद ने उन्हें टुनटुन को लेने के लिए कहा, दिलीप साहब इस पर राजी हो गए। इस तरह टुनटुन ने 1950 में आई फिल्म 'बाबुल' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया। इसके बाद वो 'आरपार', 'मिस्टर एंड मिसेज 55', 'प्यासा', 'नमक हलाल' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आईं। देखते-देखते टुनटुन बॉलीवुड की कॉमेडी क्वीन बन गईं। ऐसा कहा जाता है कि टुनटुन ने 200 फिल्मों में काम किय है।

ऐसे पड़ा टुनटुन नाम

टुनटुन का नाम उमा देवी से टुनटुन कैसे पड़ा इसके भी पीछे एक कहानी है। कुछ लोगों का कहना है ये नाम उन्हें उनके भारी वजन के कारण नौशाद ने दिया था। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि उमा देवी को टुनटुन नाम दिलीप कुमार ने दिया था। 'बाबुल' फिल्म के एक सीन की शूटिंग के दौरान टुनटुन के गिर जाने पर दिलीप कुमार ने कहा कि कोई उठाओ इस टुनटन को। बस यहीं से उनका नाम टुनटुन पड़ा। फिलहाल नाम जैसे भी पड़ा हो, लेकिन बाद में ये नाम बॉलीवुड का सबसे चर्चित नाम बना। 24 नवंबर 2003 को टुनटुन का निधन हो गया।

व्यापार वार्ता में शामिल देशों को डोनाल्ड ट्रंप की सलाह

कहा– टैरिफ से बचने के लिए करते रहें कड़ी मेहनत

वॉशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। टैरिफ वॉर के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार वार्ता में शामिल देशों को सलाह दी है। ट्रंप ने कहा कि सभी देश टैरिफ की एक अगस्त की समयसीमा से पहले वार्ता के लिए कड़ी मेहनत करते रहें। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से अमेरिका का दोस्त और दुश्मन दोनों देशों ने खूब फायदा उठाया है। दक्षिण कोरिया, जापान समेत कई देश एक अगस्त से लागू होने वाले ट्रंप के जवाबी टैरिफ से बचने के लिए अमेरिका से समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं। बाढ़ प्रभावित टेक्सास के दौरे में रवाना होने से पहले ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि बस कड़ी मेहनत करते रहिए। कई वर्षों से मित्र और शत्रु दोनों ही देशों ने हमारा फायदा उठाया है। सच कहूं तो कई मामलों में मित्र, शत्रुओं से भी बदतर रहे हैं। इसलिए मैं कहूंगा, बस काम करते रहो। सब ठीक हो जाएगा। ट्रंप ने हाल के दिनों में ट्रेड युद्ध का दायरा बढ़ाते हुए कई देशों पर नए टैरिफ लगाए हैं। कनाडा के अलावा, ट्रंप ने हाल ही में जापान और दक्षिण कोरिया पर भी नए टैरिफ लगाए हैं। इसके साथ ही आयातित तांबे पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। गुरुवार को एनबीसी न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में ट्रंप ने संकेत दिया कि जल्द ही दूसरे देशों को भी 15 से 20 प्रतिशत तक के व्यापक टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। टैरिफ को लेकर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग को ट्रंप ने पत्र लिखा था। इसमें कहा गया कि अमेरिका एक अगस्त से दक्षिण कोरियाई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना शुरू करेगा। इस बीच दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका ने सियोल में वार्ता की। इसमें द्विपक्षीय गठबंधन को लाभकारी, आधुनिक, भविष्योन्मुख और व्यापक रणनीतिक गठबंधन के रूप में मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई। इससे पहले गुरुवार (10 जुलाई) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को एक पत्र लिखकर नई टैरिफ दरों की जानकारी दी थी। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 अगस्त से कनाडा से होने वाले सभी आयातों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा।

भारतीय एविएशन इंडस्ट्री को हो सकता है 3 हजार करोड़ नुकसान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। क्रेडिट रेटिंग फर्म आईसीआरए के अनुसार, भारत के विमानन उद्योग को वित्तीय वर्ष 2025-26 (एफवाई26) में 20-30 बिलियन के बीच शुद्ध घाटा दर्ज करने का अनुमान है, जो मोटे तौर पर वित्त वर्ष 2024-25 (एफवाई25) के अनुमानित घाटे के अनुरूप है। कंपनी ने एक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2024 में लगभग 16 बिलियन के शुद्ध लाभ की तुलना में ये घाटा जारी रहने की उम्मीद है, क्योंकि विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में लगातार वृद्धि के बीच एयरलाइंस पर्याप्त पैसेंजर लोड फैक्टर (पीएलएफ) बनाए रखने का प्रयास कर रही हैं, जिससे रिटर्न पर दबाव पड़ने का अनुमान है।

क्यों हो रहा है घाटा

रिपोर्ट में कहा गया है कि हवाई यात्रा की मांग मजबूत बनी हुई है, लेकिन घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धी दबाव और प्राइस सेंसीटिविटी के कारण एयरलाइंस द्वारा टिकट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना नहीं है। महंगे ईंधन के साथ, इससे प्रोफिटिबिलिटी पर असर पड़ने की उम्मीद है। वित्तीय तनाव को बढ़ाते हुए, बढ़ती लीज देनदारियों के कारण वित्त वर्ष 26 में ब्याज लागत बढ़ने की संभावना है, क्योंकि कई एयरलाइनों ने विमानों की डिलीवरी निर्धारित कर दी है। बढ़ते लोन बोझ से फाइनेंसिंग कॉस्ट बढ़ने की आशंका है, जिससे मार्जिन और भी कम हो जाएगा।

पहले भी हो चुका है मोटा लॉस

इन चुनौतियों के बावजूद, वित्त वर्ष 26 के अनुमानित घाटा में अतीत की भारी गिरावटों की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है। उद्योग ने वित्त वर्ष 22 में 235 अरब रुपए और वित्त वर्ष 23 में 174 अरब रुपए का चौंका देने वाला शुद्ध घाटा दर्ज किया था, जो मुख्यतः कोविड-19 से संबंधित व्यवधानों और फ्यूल कॉस्ट में उतार-चढ़ाव के कारण हुआ था। हालांकि, वित्तीय लचीलापन धीरे-धीरे सुधर रहा है। इस क्षेत्र का इंस्ट्रस्ट कवरेज रेश्यो, जो लोन चुकाने की इसकी क्षमता का एक प्रमुख इंडीकेटर है, वित्त वर्ष 26 में 1.5 से 2.0 गुना के बीच रहने की उम्मीद है, जो मुनाफे के दबावों के बीच भी अपेक्षाकृत स्थिर लोन-सर्विस क्षमता का संकेत देता है।

डॉमेस्टिक एयर ट्रैफिक में गिरावट

जून 2025 के लिए, घरेलू हवाई यात्री यातायात 138.7 लाख अनुमानित था, जो जून 2024 के 132.1 लाख से 5.1 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, क्रमिक आधार पर इसमें 1.3 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई। जून 2025 में एयरलाइनों की क्षमता तैनाती जून 2024 की तुलना में 4.9 प्रतिशत अधिक थी; हालाँकि, यह मई 2025 की तुलना में 2.3 प्रतिशत कम थी। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) के लिए, घरेलू हवाई यात्री यातायात 422.4 लाख था, जो वर्ष-दर-वर्ष 5.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

अधिक रिफंड के कारण शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1.34 प्रतिशत घटकर 5.63 लाख करोड़ रुपये हुआ, आंकड़े जारी

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष में 10 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1.34 प्रतिशत घटकर लगभग 5.63 लाख करोड़ रुपये रह गया। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि हुई। इस दौरान शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 3.67 प्रतिशत घटकर लगभग 2 लाख करोड़ रुपये रह गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 2.07 लाख करोड़ रुपये था। गैर-कॉर्पोरेट कर (जिसमें व्यक्ति, एचयूएफ और फर्म शामिल हैं) संग्रह 1 अप्रैल से 10 जून, 2025 के बीच 3.45 लाख करोड़ रुपये पर स्थिर रहा। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 10 जुलाई तक 17,874 करोड़ रुपये था। कुल शुद्ध संग्रह 5.63 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 5.70 लाख करोड़ रुपये से 1.34 प्रतिशत कम है। इस वित्त वर्ष में अब तक जारी किए गए शुद्ध रिफंड 38 प्रतिशत बढ़कर 1.02 लाख करोड़ रुपये हो गए। 1 अप्रैल से 10 जुलाई तक सकल संग्रह (रिफंड से पहले) 6.65 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 6.44 लाख करोड़ रुपये से 3.17 प्रतिशत अधिक है। सकल कॉर्पोरेट कर संग्रह 9.42 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.90 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि सकल गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह 1.28 प्रतिशत घटकर 3.57 लाख करोड़ रुपये रह गया। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की पार्टनर गौरी पुरी ने कहा कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में गिरावट मुख्य रूप से संसाधित कर रिफंड की मात्रा में वृद्धि के कारण है। पुरी ने कहा, यह करदाता सेवाओं में सुधार पर सरकार के फोकस को दर्शाता है, क्योंकि समय पर और कुशल रिफंड प्रसंस्करण व्यापार को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर समीर कनाबर ने कहा कि हालांकि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में गिरावट मुख्य रूप से इस वर्ष जारी किए गए रिफंड में वृद्धि के कारण है, लेकिन प्रत्यक्ष करों में समग्र गिरावट को दो प्रमुख कारकों द्वारा समझाया जा सकता है।

एलआईसी की दो नई योजनाएँ लॉन्च

हैदराबाद, 12 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन बीमा निगम(एलआईसी) के क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार ने एलआईसी की दो नई योजनाएँ नव जीवन श्री (योजना 912) और नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (योजना 911)के लॉन्च के पोस्टर जारी किए। इस मामले में पुनीत कुमार ने ग्रेटर हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपरोक्त नए उत्पाद के लॉन्च के पोस्टर जारी किए। तत्संबंधित एलआईसी की नव जीवन श्री और नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम की नई योजनाओं में ग्राहकों की। उन्होंने बताया कि ये योजनाएं ज़रूरतों को पूरा करने वाली हैं। पुनीत कुमार ने आगे बताया कि एलआईसी, बढ़ती लोकसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो के विकास और विस्तार पर निरंतर ध्यान केंद्रित कर रही है। लॉन्च की गई उपरोक्त दोनों नई योजनाएँ बचत और सुरक्षा का संयोजन हैं और इन्हें विशेष रूप से हमारे जीवन चक्र की विभिन्न ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन जुटाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि, एलआईसी की नव जीवन श्री का उद्देश्य उन व्यक्तियों, विशेषकर युवा पीढ़ी की सभी ज़रूरतों को पूरा करना है जो अपने सपनों, लक्ष्यों, ज़िम्मेदारियों को पूरा करना चाहते हैं और साथ ही सुरक्षा भी प्रदान करना चाहते हैं। एलआईसी की नव जीवन श्री एक एकल प्रीमियम पॉलिसी है, जिसका उद्देश्य जीवन बीमा प्रदान करने के साथ-साथ धन संचय करना है। साथ ही वर्तमान परिवेश में, जब ब्याज दरें अत्यधिक अस्थिर हैं, तो उपरोक्त योजनाएँ पूरी पॉलिसी अवधि में गारंटीकृत अतिरिक्त लाभ प्रदान करती हैं। इस लॉन्च प्रोग्राम में एम रवि कुमार, सर्वना रमेश, सी राजशेखर, श्रीमती एस निर्मला देवी, आर सरवनन, एमआरके श्रीनिवास, डी जे श्रीनिवास और अन्य अधिकारीगण उपस्थित हुए।

एक हफ्ते में सोना 490 महंगा होकर 97,511 पर पहुंचा : चांदी का भाव 2,710 बढ़ा, इस साल अब तक सोना-चांदी की कीमत 28% बढ़ी

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी में तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के डेटा के अनुसार पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार, 4 जुलाई को सोना 97,021 रुपए पर था, जो अब (11 जुलाई) को 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 490 रुपए बढ़ी है। वहीं, चांदी की बात करें तो ये 4 जुलाई को 1,07,580 रुपए पर थी, जो अब (11 जुलाई) 1,10,290 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 2,710 रुपए बढ़ी है। कल (11 जुलाई) चांदी ने ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, 18 जून को सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

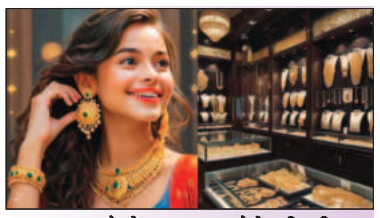

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,900

मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750

कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750

चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750

देश में उपभोक्ता आधारित क्षेत्रों का विकास मिला-जुला रहने का अनुमान, एचडीएफसी सिक्योरिटीज का दावा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्र में मिलेजुले संकेत रहने की संभावना है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार इस क्षेत्र में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों कारकों के संयोजन के कारण वार्षिक आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

क्या है उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्र ?

कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी उन वस्तुओं और सेवाओं से जुड़ा होता है जो जीवन के लिए अनिवार्य नहीं होतीं, लेकिन आय बढ़ने पर लोग इनकी इच्छा रखते हैं।

नए युग के व्यवसाय में मजबूत वृद्धि की संभावना

रिपोर्ट में कहा गया कि नए युग के व्यवसाय इस सेक्टर को मजबूती देंगे। यह 49 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ सकता है। वहीं, पेंट कंपनियों की धीमी वृद्धि दर इस क्षेत्र पर दबाव बना सकती है।

इन क्षेत्रों में होगी इतनी वृद्धि

इसके अलावा रिपोर्ट में आभूषण में लगभग 20 प्रतिशत, फूड एंड ग्रॉसरी में 16 प्रतिशत, परिधान में 16 प्रतिशत और फुटवियर में 7 प्रतिशत क्षेत्रों में होगी वृद्धि का अनुमान है। विभिन्न श्रेणियों में समान-स्टोर बिक्री वृद्धि (एसएसएसजी) के पहली तिमाही के प्रदर्शन में उल्लेखनीय अंतर देखने को मिलेगा। विशेष रूप से आभूषण क्षेत्र में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद है, जबकि ऑफलाइन फूड एंड ग्रॉसरी और वैल्यू रिटेलिंग परिधान में स्थिर वृद्धि की संभावना है। दूसरी ओर, फुटवियर खंड, पेंट कंपनियों और नए युग के व्यवसायों के एसएसएसजी में पहली तिमाही में मांग का दबाव देखने को मिल सकता है।

मार्जिन और ब्रैंड वैल्यूएशन पर असर

एचडीएफसी सिक्योरिटीज का कहना है कि हमारे विवेकाधीन क्षेत्र के मार्जिन में 80 आधार अंकों की गिरावट के साथ 9.6 प्रतिशत तक की गिरावट आने की उम्मीद है। यह कमजोर एसएसएसजी और क्विक कॉमर्स में हो रहे नुकसान के कारण होगा। हालांकि, नए यूग के बिजनेस को छोड़ दें तो मार्जिन लगभग सपाट रहने की संभावना है। इसके अलावा, विवेकाधीन क्षेत्र में आय में गिरावट का दौर देखा गया है। जबकि ब्रांड वैल्यूएशन अभी भी आकर्षक बना हुआ है।

रिलिगेयर की फंडिंग योजना को मिली मंजूरी

बर्मन परिवार करेगा 750 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। रिलिगेयर एंटरप्राइजेज बोर्ड ने कंपनी को 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह राशि वॉरंट्स के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए जुटाई जाएगी। इसका उद्देश्य कंपनी के कारोबार विस्तार और रणनीतिक पहलों को गति देना है। रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) एक वित्तीय सेवा कंपनी है जो भारत में कई तरह की सेवाएं प्रदान करती है। यह मुख्य रूप से लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण, किफायती आवास वित्त, स्वास्थ्य बीमा, और खुदरा ब्रोकिंग जैसी सेवाएं देती है।

बर्मन परिवार करेगा 750 करोड़ का निवेश

इस राशि में डाबर के मालिक बर्मन परिवार की कंपनियां 750 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी, जो कुल राशि का 50 प्रतिशत है। जबकि शेष राशि हिंदुस्तान टाइम्स लिमिटेड, निवेशक आशीष धवन, जेएम फाइनेंशियल क्रेडिट सॉल्यूशंस और अन्य निवेशकों द्वारा दी जाएगी। रिलिगेयर ने कहा कि प्रवर्तकों ने 750 करोड़ रुपये का योगदान देकर कंपनी के विकास पथ के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। इससे विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसाय वृद्धि को समर्थन मिलेगा और रणनीतिक पहल को बढ़ावा मिलेगा।

कैसे होगा वॉरंट्स जारी ?

कंपनी 235 रुपये प्रति वॉरंट की दर से 6.38 करोड़ वॉरंट्स जारी करेगी। इनमें से प्रत्येक को 10 रुपये के एक पूर्ण भुगतान इक्विटी शेयर में परिवर्तित किया जा सकेगा। ये वॉरंट 18 महीनों के भीतर कन्वर्ट किए जा सकते हैं।

आरईएल ने बताया कि हाल ही में नियुक्त किए गए प्रमोटर नामित निदेशक बीमा, रणनीति और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्रों में गहरी विशेषज्ञता रखते हैं।

इससे शासन और निष्पादन क्षमताएं और मजबूत होंगी। कंपनी ने कहा कि इस पूंजी निवेश और नए नेतृत्व के साथ, आईएल अब अपने रणनीतिक फोकस को तेज करने, शासन मानकों को बढ़ाने, अपने मुख्य व्यवसायों को बढ़ाने और नए विकास के अवसरों का पीछा करने के लिए अच्छी स्थिति में है। इस फंडरेजिंग के लिए एक्सिस कैपिटल ने वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्य किया।

एफवाई26 की पहली तिमाही में फार्मा सेक्टर की आय बढ़ेगी

पर ईबीआईटीडीए मार्जिन में गिरावट की आशंका

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारतीय फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर की आमदनी में स्थिर वृद्धि देखी जाएगी। लेकिन मुनाफे के लिहाज से चुनौतियां बरकरार हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में इनपुट लागत बढ़ने और कीमतों पर दबाव के कारण ईबीआईटीडीए (ईबीआईटीडीए) मार्जिन में गिरावट की आशंका है। ईबीआईटीडीए जिसका अर्थ है ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई, किसी फर्म की कुल आय और कुल राजस्व के बीच के संबंध को दर्शाता है।

बिक्री में 11 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की संभावना

रिपोर्ट में कहा गया है कि अध्ययन में शामिल फार्मा क्षेत्र की कंपनियों की बिक्री में साल-दर-साल 11 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। इसमें भारत में कारोबार से 11 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी और अमेरिकी बाजार में तिमाही आधार पर 2 प्रतिशत साथ ही वार्षिक आधार पर भी 2 प्रतिशत की बढ़त शामिल है।

मुनाफे में 42 आधार अंक की गिरावट की उम्मीद

हालांकि, मुनाफे के प्रमुख सूचकांक ईबीआईटीडीए मार्जिन में 42 आधार अंक की गिरावट आने की उम्मीद है। इसके पीछे अमेरिकी बाजार में दवाओं की कीमतों में गिरावट और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) में अपेक्षित वृद्धि के कारण है।

हॉस्पिटल व्यवसाय में 15 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान

भारत का हॉस्पिटल व्यवसाय सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। हालांकि अस्पतालों में बेड की ओक्यूपेंसी यानी भराव दर सीमित बनी रहेगी, लेकिन 'एवरेज रेवेन्यू पर ऑक्यूपाइड बेड' (एआरपीओबी) स्थिर बना रहेगा। इससे राजस्व को सहारा मिलेगा। एआरपीओबी अस्पताल के वित्तीय प्रदर्शन का आकलन करने वाला एक प्रमुख प्रदेशन संकेतक है।

वित्त वर्ष 2024 में फार्मास्यूटिकल बाजार 50 अरब डॉलर पहुंचा

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत का फार्मास्यूटिकल बाजार 50 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसमें घरेलू खपत की हिस्सेदारी 23.5 अरब डॉलर और निर्यात की हिस्सेदारी 26.5 अरब डॉलर है।

पाकिस्तान के करीब जा रहा हमारा दोस्त रूस

इस खास प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हमारा दोस्त रूस हमारे दुश्मन पाकिस्तान के करीब जा रहा है। पाकिस्तान और रूस ने पाकिस्तान स्टील मिल्स (पीएसएम) को फिर से शुरू करने के लिए एक समझौता किया है। यह समझौता रूस की राजधानी मॉस्को में हुआ। पहले यह स्टील मिल सोवियत संघ की मदद से बनी थी। अब दोनों देश मिलकर इसे फिर से बेहतर बनाएंगे। पाकिस्तान और रूस के बीच यह समझौता एक नए रिश्ते की शुरुआत है। इस समझौते का मकसद पीएसएम को आधुनिक बनाना है। चीन भी पीएसएम को फिर से शुरू करने की दौड़ में था। लेकिन आखिर में यह काम रूस को मिला। पाकिस्तान एम्बेसी, मॉस्को में शुक्रवार को इस समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य पाकिस्तान में स्टील का उत्पादन फिर से शुरू करना और उसे आगे बढ़ाना है। यह दोनों देशों के बीच सहयोग का एक नया दौर है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के विशेष सहायक हारून अख्तर खान रूस दौरे पर हैं। उन्होंने कहा, 'रूस के समर्थन से पीएसएम को फिर से शुरू करना हमारे साझा इतिहास और एक मजबूत औद्योगिक भविष्य की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' प्रेस इन्फॉर्मेशन डिपार्टमेंट ने कहा कि पीएसएम को साल 1971 में सोवियत संघ ने बनाया था। यह पाकिस्तान और रूस की दोस्ती का प्रतीक था। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार के अनुसार, पीएसएम साल 2008 में कमजोर होने लगी। इसकी वजह थी नई नियुक्तियां और दुनियाभर में आर्थिक मंदी। तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के कार्यकाल के दौरान पीएसएम को वित्तीय वर्ष 2007-08 तक 9.54 अरब पाकिस्तानी रुपये का मुनाफा हुआ था। स्टील मिल को 2008-09 में 16.9 अरब पाकिस्तानी रुपये का नुकसान हुआ। पांच साल में यह नुकसान बढ़कर 118.7 अरब पाकिस्तानी रुपये हो गया। 31 मई 2018 को यह नुकसान 200 अरब पाकिस्तानी रुपये तक पहुंच गया। साल 2008 से 2018 तक पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की सरकारें आईं। लेकिन वे इस बड़ी इंडस्ट्री को ठीक से नहीं चला पाईं। बाद में इमरान खान की पीटीआई (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) सरकार ने इसे फिर से शुरू करने की कोशिश की।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि-432000

भोग्य कलि वर्ष-426874

सूर्योदय 05-53, सूर्यास्त 18-50

कलियुग संवत् -5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -1972949126

सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन	03-52 बजे
चंद्र-	मकर में	कर्क	06-05 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह	08-16 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या	10-23 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला	12-30 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक	14-38 बजे
शनि-	मीन में	धनु	16-52 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर	19-02 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ	20-49 बजे
		मीन	22-27 बजे
		मेष	00-03 बजे
		वृष	02-36 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले

तिथि- तृतीया 01-03 तक उपरान्त चतुर्थी

मास - श्रावण कृष्ण, रविवार 13 July

नक्षत्र - श्रवण 06-52 तक उपरान्त धनिष्ठा

योग - प्रीति 18-00 तक उप आयुष्मान

करण- वणिज 13-27 तक उप विष्टी

विशेष- वक्री शनि

व्रत त्यौहार - 09-38 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:15 से 18:53 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 05:53- 07:28 अशुभ	शुभ 18:53 -20:15 शुभ
चंचल 07:28-09:06 शुभ	अमृत 20:15-21:38 शुभ
लाभ. 09:06-10:44 शुभ	चंचल 21:38-22:59 शुभ
अमृत. 10:44-12:22 शुभ	रोग 22:59-00:22 अशुभ
काल. 12:22-13:59 अशुभ	काल 00:22-01:44 अशुभ
शुभ 13:59-15:38 शुभ	लाभ 01:44-03:06 शुभ
रोग. 15:38-17:15 अशुभ	उत्पात 03:06-04:29 अशुभ
उत्पात 17:15-18:55 अशुभ	शुभ 04:29-05:51 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे हालाँकि ये कदम कुछ मुशिकल हो सकता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज के दिन आपको अपने सहकर्मियों के साथ सतर्कता बरतनी जरुरी है । कुछ तर्क वितर्क और विवाद के कारण आपके दफ्तर का माहौल ख़राब हो सकता है इसलिए बेफाल्तू के वाद विवाद से अपने को बचाकर रखे । आज के दिन कुछ क्षेत्रों में उच्च अधिकारीयों से आपके विचार अलग हो सकते है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आपका मन अभी आनंद और प्रेम की तरफ भाग रहा है , हालाँकि इसके विपरीत आपका मन हमेशा कार्यो में उलझा रहता है । लेकिन यह ठीक है, काम से एक दिन की छुट्टी ले और अपने दिन का आनंद लें। ज्यादा चिंता न करे , क्योंकि आपको आनंद लेने और कार्य करने की सीमा ज्ञात है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्ययहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रायपुर मशरूम-फैक्ट्री बंधक केस

रात 2 बजे मजदूरों को जगाकर मारपीट, महिला बोली-अंदर से सुनाई देती थी चीखें, 12 फीट ऊंची दीवार में थे कैद, अब-तक एफआईआर नहीं

रायपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर मशरूम फैक्ट्री बंधक केस में पुलिस ने अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है। डॉ लाल उमेद सिंह का कहना है कि इस मामले में श्रम विभाग की ओर से रिपोर्ट आने के बाद पुलिस एक्शन लेगी।

वहीं बंधक बनाए गए 97 मजदूरों ने बाहर आकर फैक्ट्री के अंदर हो रहे क्रूरता के किस्से बताएं। इसकी असलियत जानने के लिए खरोरा के मोजो मशरूम फैक्ट्री पहुंची। पड़ताल करने से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए।

खरोरा के उमाश्री राइस मिल कैंपस के अंदर मोजो मशरूम फैक्ट्री भी संचालित होती है। मजदूरों का कहना था कि उन्हें फैक्ट्री के मुख्य दरवाजे तक के आने की भी इजाजत नहीं थी। वहां पर ताला लगा रहता था। वे यहां से जैसे तैसे बाहर निकले। फिर पुलिस के पास पहुंचे थे।

खरोरा मुख्य सड़क से लगी फैक्ट्री की दीवारें करीब 12 फीट ऊंची है। जिससे बाहर से अंदर की ओर कुछ नहीं दिखाई देता हैं। न ही कोई अंदर बाहर आसानी से आ जा सकता है। फैक्ट्री के मुख्य गेट पर ताला लगा था। जहां गार्ड तैनात था। जब गार्ड से अंदर जाने के लिए पूछा गया तो उसने अंदर जाना तो दूर बातचीत करने से भी साफ मना कर दिया।

मजदूरों का कहना था कि रात 2 बजे नींद से उठाकर उन्हें काम करवाया जाता था। काम नहीं करने पर बेरहमी से मारपीट की जाती थी। मजदूरों के इन दावों के बारे में आसपास के लोगों से बातचीत की गई। फैक्ट्री के सामने कई ठेले गुमटी और दुकानें हैं।

नाम न बताने की शर्त पर एक महिला ने बताया कि कई बार फैक्ट्री के अंदर से मारपीट की आवाजें आती है। जिससे आसपास का माहौल खराब रहता है। ठेकेदार मजदूरों से सख्ती बरतता है।

मजदूरों ने यह भी बताया था कि फैक्ट्री के अंदर-बाहरी और स्थानीय दो प्रकार के मजदूर रहते हैं। बाहरी मजदूरों को बाहर आने की अनुमति नहीं थी। लेकिन स्थानीय मजदूर अपने गांव से आना-जाना करते थे। आसपास के लोगों ने भी इस बात की पुष्टि की।

फैक्ट्री में प्रताड़ना से तंग आकर कुछ मजदूर 2 जुलाई 2025 को रात 10 बजे फैक्ट्री से निकल भागे। वे भाटागांव के बस स्टैंड पहुंचे जहां कुछ लोगों ने उनकी मदद की। 3 जुलाई को मजदूरों ने रायपुर एसएसपी कार्यालय में शिकायत कर अन्य बंधक मजदूरों को छुड़वाने की बात की। साथ ही फैक्ट्री संचालक पर एक्शन लेने की मांग की। इसके बावजूद फैक्ट्री पर 7 दिन बाद रेड की गई। जिसमें 97 मजदूरों को रेस्क्यू किया गया। इन मजदूरों में करीब 20 नाबालिग बच्चे अलग थे।

हालांकि पुलिस का कहना है कि उन्हें किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है। जिस वजह से अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। एसएसपी के मुताबिक, बाल श्रम आयोग की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरों का कहना था कि उन्हें 5 महीने की तनख्वाह नहीं दी गई। मजदूरों को जब रेस्क्यू करके महिला एवं बाल विकास विभाग ने बूढ़ातालाब के इंडोर स्टेडियम लाए। उस दौरान फैक्ट्री से जुड़ा एक व्यक्ति भी स्टेडियम के भीतर मौजूद था। जो मजदूरों का हिसाब-किताब कर उन्हें पैसे बांट रहा था। मीडिया के सामने उसने पैसे को फौरन वापस रख लिया। फिर बाद में मजदूरों को ट्रेन का टिकट देकर वापस उत्तरप्रदेश और अन्य राज्य रवाना कर दिया गया। जिससे कि मामले को रफा-दफा किया जा सके।

मोजो मशरूम फैक्ट्री खरोरा के पिकरीडीह गांव में हैं। मजदूरों को बंधक बनाकर अत्याचार का मामला उजागर होने के बाद स्थानीय लोगों के साथ छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने फैक्ट्री के सामने प्रदर्शन किया।

इन लोगों का कहना है कि फैक्ट्री में मजदूरों की शोषण से जुड़ी पहले भी कई शिकायतें आईं हैं। लेकिन प्रशासन ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया।

इसके अलावा फैक्ट्री प्रबंधन यहां से निकलने वाले कचरे को गांव के ही पास जमीन में डंप करता है। जिससे आसपास दुर्गंध फैली रहती है। इसे लेकर भी कई बार विरोध किया गया लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

स्थानीय लोगों की मांग है कि फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ सख्त एक्शन होना चाहिए। वहीं इस पड़ताल के दौरान फैक्ट्री प्रबंधन से बातचीत करने की कोशिश की गई। लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया।

दरअसल 10 जुलाई की दोपहर साढ़े 12 बजे महिला एवं बाल विकास विभाग ने रायपुर के खरोरा इलाके में एक मशरूम फैक्ट्री से 97 मजदूरों को फैक्ट्री मालिक के चंगुल से रेस्क्यू किया।

ये मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के रहने वाले हैं। इनमें महिलाएं, पुरुष और 10 दिन तक के बच्चे भी शामिल हैं। मजदूरों के मुताबिक, इन फैक्ट्री के भीतर बंधक बनाकर रखा गया था। एक मजदूर वीरेंदर ने बताया कि करीब 5 महीने पहले भोला नाम के ठेकेदार उन्हें जौनपुर उत्तरप्रदेश से लेकर आया। कहा गया कि बैठे-बैठे मशरूम पैकिंग का काम करना है। 10 हजार रुपए महीने के मिलेंगे।

नक्सली संगठनों को बड़ा झटका

सरकारी योजना से प्रभावित होकर 23 नक्सलियों का सरेंडर, 1.18 करोड़ था इनाम

सुकमा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबल के सामने 23 नक्सलियों ने शनिवार को सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों पर 1.18 करोड़ रुपये का इनाम था। नक्सलियों के सरेंडर पर सीएम विष्णुदेव साय ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अब बस्तर बदल रहा है। इससे पहले शुक्रवार को नारायणपुर में 22 नक्सलियों ने सरेंडर किया था।

नक्सलियों के सरेंडर की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले 23 नक्सलियों में नौ महिला नक्सली शामिल थीं। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में डिवीजनल कमेटी सदस्य लोकेश उर्फ पोड़ियाम भीमा भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि पीएलजीए बटालियन नंबर के सदस्य रमेश उर्फ कलमू, कवासी मासा, प्रवीण उर्फ संजीव, नुप्पो गंगी, पुनेम देवे, पार्टी सदस्या परस्की पांडे, पार्टी सदस्य माड़वी जोगा, स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य सन्नु दादा का गार्ड नुप्पो

लच्छु, पार्टी सदस्य पोड़ियाम सुखराम और प्लाटून नंबर चार का डेप्युटी कमांडर दूधी भीमा पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था।

अधिकारियों ने बताया कि इनके अलावा नक्सली एरिया कमेटी सदस्य मुचाकी रनौती, कलमू दूला, दूधी मंगला और सिध्दार्थ उर्फ माड़वी पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। अधिकारियों ने बताया कि नक्सली पार्टी सदस्य हेमला रामा पर तीन लाख रुपये और सात नक्सलियों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर क्षेत्र में बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति, 'नियद नेल्ला नार' (आपका अच्छा गांव) योजना से प्रभावित होकर और अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार पुलिस के बढ़ते प्रभाव से आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। राज्य के बस्तर क्षेत्र में पिछले दो दिनों में 45 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और इनपर कुल 1.55 करोड़ रुपये का इनाम था। इससे पहले शुक्रवार को नारायणपुर जिले में 22 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था और उनपर कुल 37.50 लाख रुपये का इनाम था।

छत्तीसगढ़ में मानसून की रफ्तार पर लगा ब्रेक

रायपुर-दुर्ग, बिलासपुर में 5 दिन कम पानी गिरेगा सूरजपुर में बहते युवक को पुलिस-ग्रामीणों ने बचाया

रायपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सप्ताह भर लगातार बारिश के बाद मानसून की रफ्तार में ब्रेक लगा है। शुक्रवार को पूरे प्रदेश में सिर्फ 12.2 मिमी पानी ही बरसा। मौसम विभाग की माने तो अगले पांच दिनों तक दुर्ग, रायपुर और बस्तर में बारिश कम होगी। वहीं बिलासपुर और सरगुजा संभाग के जिलों में अगले 4 दिन मध्यम से भारी बारिश होने संभावना है।

ओवरआल बात करें तो छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 362.1 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है। रायगढ़ जिले में सबसे ज्यादा 518.3 मिमी पानी बरसा है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 174.9 मिमी बारिश हुई है। वहीं मौसम विभाग ने आज (शनिवार) रायपुर, बलौदा-बाजार, जांजगीर-चांपा, बलरामपुर, कोरिया सहित 13 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 11 जुलाई को सूरजपुर जिले के प्रतापपुर में उफनती बाकी नदी में एक युवक बह गया। पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे बचा लिया। युवक चाचीडांड गांव के पास डूब रहा था। शांति नगर स्थित बाकी नदी के पुल से रस्सी फेंककर उसे बचाने की कोशिश की गई। इसके बाद, बांस और रस्सी की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाए गए युवक की पहचान जगन्नाथपुर निवासी विनय टोप्पो (19) के रूप में हुई है। उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर ले जाया गया। बाद में उसे उसके परिजनों को सौंप दिया गया। युवक सुरक्षित है।

मानसून के केरल पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून है। इस साल 8 दिन पहले यानी 24 मई को ही केरल पहुंच गया था। मानसून के लौटने की सामान्य तारीख 15 अक्टूबर है। अगर इस साल अपने नियमित समय पर ही लौटता है तो मानसून की अवधि 145 दिन रहेगी।

नक्सली ठिकाने का भंडाफोड़

छोटानागरा के जंगली पहाड़ी में मिले 2 आईईडी और 5 बंकर, हथियार और गोला-बारूद बरामद

चाईबासा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। छोटानागरा थाना क्षेत्र की जंगली पहाड़ी में चलाए गए सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों के 5 बंकर मिले हैं। इन बंकरों से सुरक्षाबलों ने 2 आईईडी (विस्फोटक उपकरण) बरामद किए। बम निरोधक दस्ते की मदद से दोनों आईईडी को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। सुरक्षाबलों ने सभी बंकरों को भी ध्वस्त कर दिया है। बंकरों से बरामद सामग्री में इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, वॉकी-टॉकी सेट और सेफ्टी फ्यूज शामिल हैं। इसके अलावा एरो बम असेंबली, इलेक्ट्रिक वायर और सिरिंज मैकेनिज्म भी मिला है। सुरक्षाबलों को काली और हरी रंग की वर्दी, एम्यूनिशन पाउच और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री भी मिली है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

स्कूल खुलते ही शराबी शिक्षक पहुंचे क्लास

25 दिन में 7 केस, सस्पेंशन के बाद फिर पीते पकड़े गए, नशे में बच्चियों संग डांस किया

रायपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हमारे स्कूल में टीचर रोज शराब पीकर आते हैं, गालियां देते हैं, मारते-पीटते हैं, चिल्लाते हैं, कई बार तो क्लास में ही सो जाते हैं। पापा कहते हैं कि पढ़ो, लेकिन हम कैसे पढ़ें? ये शब्द हैं बलरामपुर जिले के पशुपति प्राइमरी स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची के, जिसने कैमरे की ओर देखा, कुछ पल रुका और फिर नजरें चुराकर खामोशी से एक कोने में खड़ी हो गई। उसकी मासूम आंखों में डर था, उलझन थी, और शायद एक सवाल भी- क्या उसके 'शिक्षक' वाकई उसके भविष्य के निर्माता हैं? छत्तीसगढ़ के कई स्कूलों में इस वक्त शिक्षा की हालत खराब नहीं, शर्मनाक है। सरकारी स्कूल अब क्लासरूम से ज्यादा, शराबी ड्रामे का मंच बनते जा रहे हैं। कहीं हेडमास्टर छात्राओं के साथ डांस कर रहे हैं, कहीं 'स्प्राइट' में रम मिलाकर स्कूल ला रहे हैं और सबसे बड़ी बात- ये कोई नई कहानी नहीं है, ये वही लोग हैं जो पहले भी पकड़े गए, सस्पेंड हुए फिर बहाल होकर वापस पीने लगे। ऐसी ही 7 घटनाएं सिर्फ महीने भर के अंदर हुई हैं।

10 जुलाई 2025 को धमतरी जिले के मगरलोड ब्लॉक के प्राथमिक शाला छोटी करेली में तैनात एक शिक्षक खुलेआम शराब के नशे में स्कूल पहुंचा और फिर वहां बैठकर खुद को सस्पेंड करने की मांग करने लगा। वायरल वीडियो में वह कहता दिखा- मुझे सस्पेंड कर दो, मैं सस्पेंड होना चाहता हूं।

आधा वेतन मिलेगा तो घर में बैठकर ही नौकरी करूंगा। कुर्सी पर बैठकर बहकी-बहकी बातें करते शिक्षक का वीडियो स्कूल स्टाफ ने ही बनाया, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो सामने आने के बाद शिक्षक को निलंबित कर दिया गया। बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर ब्लॉक के पशुपतिपुर प्राइमरी स्कूल में तैनात हेडमास्टर लक्ष्मीनारायण सिंह अक्सर नशे की हालत में स्कूल आते थे। वीडियो में वे स्कूल के क्लासरूम में मोबाइल पर गाना बजाकर स्कूली छात्राओं के साथ डांस करते दिखे। ये वीडियो भी स्कूल स्टाफ ने ही रिकॉर्ड किया और जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तब डीईओ ने कार्रवाई कर उन्हें सस्पेंड कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों का दावा है कि हेडमास्टर की ये हरकतें पहले भी कई बार देखी गई थीं, लेकिन कार्रवाई तब हुई जब वीडियो वायरल हुआ।

छात्र ने दूसरे छात्र पर ब्लेड से किया हमला

खेल छुट्टी के दौरान खूनी संघर्ष, प्रबंधन की लापरवाही

कोरबा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा जिले के दादर माध्यमिक शाला में एक छात्र ने दूसरे छात्र पर ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। हमलावर छात्र और पीड़ित छात्र दोनों कक्षा सातवीं में पढ़ते हैं। घटना के समय स्कूल में खेल की छुट्टी थी और बच्चे स्कूल के बाहर बांसबाड़ी नर्सरी में मारपीट कर रहे थे। एक छात्र ने दूसरे छात्र पर ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। हमलावर ने पीड़ित छात्र के गले और चेहरे पर ब्लेड से वार किया।

माध्यमिक शाला स्कूल के शिक्षक सुशील कुमार ने बताया कि शनिवार को सुबह 7:30 में स्कूल लगी उसके बाद 9:35 में खेलने की छुट्टी हुई जहां सभी बच्चे स्कूल परिसर पर खेल रहे थे इस दौरान जानकारी मिली थी कक्षा सातवीं में पढ़ने वाले एक बालक पर उसके ही कक्षा में पढ़ने वाले दूसरे छात्र ने ब्लेड से हमला कर लहूलुहान कर दिया है तब मौके पर जाकर देखें जहां खून से लतपथ छात्र को तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज के लिए लेकर रवाना हुए वही हमला करने वाला छात्र स्कूल से लगे बांसबाड़ी जंगल में फरार हो गया।

शिक्षक ने बताया कि हमला करने वाला छात्र स्कूल नहीं आया था। वहीं सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचे जहां बच्चे का हाल-चाल जाना।

परिजनों ने बताया कि इससे पहले भी उसके साथ स्कूल में इस लड़के ने मारपीट धमकी और उसका छत्ता लूट लिया लेकिन उन्हें भी पता नहीं था कि इस तरह घटना को उसके साथ अंजाम दिया जाएगा। स्कूल प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है, क्योंकि घटना के समय स्कूल प्रबंधन को इसकी जानकारी नहीं थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। मानिकपुर चौकी पुलिस फरार बालक की तलाश कर रही है। हमला करने वाला छात्र घटना के बाद फरार हो गया है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

सांप के 42 बच्चों का सुरक्षित रेस्क्यू

अंडों से निकल रहे कोबरा के बच्चों को देख मची अफरातफरी, सभी को छोड़ा गया जंगल में

पाकुड़, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पाकुड़ में एक घर से 42 कोबरा के छोटे बच्चों का सफल रेस्क्यू किया गया। सांप ने आंगन में रखे पुआल के बीच अंडा दिया था। सभी अंडों से सांप के बच्चों को निकलता देख घर में रह रहे लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। स्नैक रेस्क्यूर की मदद से सभी बच्चों को सुरक्षित पकड़ा गया और घने जंगल में छोड़ दिया गया।

घटना महेशपुर प्रखंड अंतर्गत घनश्यामपुर गांव की है। वन विभाग के कर्मी मो. असराफुल शेख ने बताया कि घनश्यामपुर गांव के केताबुल शेख के आंगन में रखे पुआल के बीच कई अंडे देखे गए।

परिवार के सदस्य अंडों के पास गए तो उन्हें कोबरा के बच्चे नजर आए। 40 से ज्यादा सांप के बच्चों को देखकर लोग भयभीत हो गए और इसकी सूचना वन विभाग को दी।

वनकर्मी ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम के साथ पहुंचे और सांप के बच्चों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। सभी को घने जंगल में छोड़ दिया गया। वनकर्मी मो. असराफुल ने बताया कि सांप के बच्चे स्वस्थ हैं। अंडा देने वाले कोबरा का पता नहीं चल पाया है।

वनकर्मी ने बताया कि इन सांप के छोटे बच्चों के जहर का किसी पर भी तुरंत असर हो सकता है, जिससे एक घंटे में मरीज की मौत हो सकती है। इधर, सांप के बच्चों के पकड़े जाने की सूचना के बाद आसपास रहने वाले लोगों की भीड़ जुट गई।

वनकर्मी ने मौजूद ग्रामीणों से सांप के साथ छेड़छाड़ नहीं करने, सांप दिखाई देने पर इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को देने की अपील की। उन्होंने वन्यप्राणी को नहीं मारने, सांप के काटने पर मरीज का झाड़फूंक या तंत्र-मंत्र नहीं करवा कर तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके साथ ही बरसात के मौसम में बिना मच्छरदानी लगाकर नहीं सोने और आसपास साफ-सफाई रखने की अपील की।

चांडिल में राजस्व कर्मचारी 10 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

जमशेदपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की जमशेदपुर टीम ने चांडिल अंचल कार्यालय में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी शनि बर्मन को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मामला खतियानधारी राजेश हेम्ब्रम की शिकायत से शुरू हुआ। राजेश ने अपना नाम ऑनलाइन पंजी-2 में दर्ज कराने के लिए अंचल कार्यालय का संपर्क किया था।

राजस्व कर्मचारी शनि बर्मन ने इस काम के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी।

राजेश ने एसीबी जमशेदपुर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की जांच के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। जैसे ही शनि बर्मन ने रिश्वत राशि ली, एसीबी की टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। उनके पास से रिश्वत की पूरी रकम बरामद की गई।

एसीबी के डीएसपी इंद्रदेव राम के अनुसार आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच जारी है और अन्य अधिकारियों की संलिप्तता मिलने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। एसीबी ने लोगों से अपील की है कि रिश्वत मांगने की सूचना तुरंत उन्हें दें।

डीजल चोरी रोकने के दौरान पुलिस जवान की मौत

कंटेनर ने रौंदा, गाड़ी साइड करवाने के दौरान हादसा, गाड़ी पलटने से ड्राइवर जख्मी

हजारीबाग, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग के चरही थाना क्षेत्र में शनिवार अहले सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवान की मौत हो गई। सड़क पर उन्हें एक तेज रफ्तार कंटेनर ने कुचल दिया। हादसे के बाद कंटेनर भी सड़क पर पलट गया। इससे ड्राइवर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जवान गश्ती दल के साथ डीजल चोरी कर भाग रहे वाहन को पकड़ रहा था। गाड़ी पकड़ी गई और उसे जवान किनारे पर लगवा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे कंटेनर ने उन्हें कुचल दिया।

मृतक जवान की पहचान पलामू जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र निवासी रामा शंकर पांडेय के रूप में हुई है। वे 2005 में झारखंड पुलिस सेवा से जुड़े थे और इन दिनों हजारीबाग में तैनात थे। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।

हजारीबाग सदर एडीपीओ अमित आनंद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध वाहन अवैध रूप से डीजल चोरी कर भाग रहा है।

इस सूचना के आधार पर हजारीबाग पुलिस ने रामगढ़ के मांडू थाना की मदद से उस वाहन को रोकने की रणनीति बनाई और रास्ता ब्लॉक कर दिया गया। तभी संदिग्ध वाहन तेज गति में डिवाइडर पर चढ़ाकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन वह वहीं फंस गया।

इस वाहन को जब चरही थाना पुलिस अपनी निगरानी में लेने के लिए आगे बढ़ी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने जवान रामा शंकर पांडेय को अपनी चपेट में ले लिया। घटना इतनी भयावह थी कि जवान का शरीर पूरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। हादसे में मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं, तेज रफ्तार कंटेनर भी हादसे के बाद पलट गया, जिससे उसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही जवान के परिजन भी मौके पर पहुंचे। रामा शंकर पांडेय को हजारीबाग पुलिस लाइन में अंतिम सलामी दी गई।

आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल होने पर महिला ने की खुदकुशी

प्रशिक्षण में आई थी महिला, पति से फोन पर बात करते हुए खाया जहर, मौत

चतरा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। चतरा में शनिवार को महिला समूह की ट्रेनिंग में आई एक महिला ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। वो तीन दिवसीय महिला प्रशिक्षण के लिए चतरा आई थीं।

इस दौरान एक युवक के साथ उसकी कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

तस्वीरों के वायरल होने से महिला का पति के साथ विवाद हो गया।

कुंदा मुखिया ने मामले को सुलझाने का प्रयास किया। उन्होंने मृतका के पति से बात कर विवाद को शांत करवाया। फिर भी महिला इस घटना से उबर नहीं पाईं।

शनिवार सुबह करीब 9 बजे सदर टीओपी-2 के पास स्थित रौशन होटल के बाहर महिला ने अपने पति से फोन पर बात की। बातचीत के दौरान उसने सल्फास की गोलियां खा ली। जहर खाने के बाद वह होटल के बाहर बेहोश होकर गिर गई।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पहले महिला को सदर अस्पताल ले जाया गया।

गंभीर हालत देख डॉक्टरों ने हजारीबाग रेफर कर दिया। हजारीबाग ले जाते समय रास्ते में ही महिला की मौत हो गई।

बछड़े को कार से कुचलकर मार दिया

गाड़ी चढ़ाने के बाद भागा ड्राइवर, बछड़े को चाटकर उठाने की कोशिश करती रही गाय

बिलासपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में कार सवार ने बछड़े पर कार चढ़ा दिया। मौके पर ही बछड़े की मौत हो गई। सड़क पर खून ही खून बिखर गया। कार चढ़ाने के बाद ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी। मौके से भाग निकला। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि बछड़ा अपनी मां (गाय) के साथ चल रहा था। कुछ देर के लिए वो अपनी मां से अलग हुआ। इसी बीच कार आई और कुचल दिया। बछड़े की आवाज सुनकर गाय उसके पास पहुंची। उसे चाट-चाटकर उठाने की कोशिश करती रही।

दरअसल, घटना 9 जुलाई यानी बुधवार शाम 4 बजे की है। दयालबंद के नारियल कोठी स्थित

रानी लक्ष्मीबाई स्कूल के पास गाय अपने बछड़े के साथ सड़क पर घूम रही थी। इसी दौरान एक काले कलर की आई और मोड़ पर ही मुड़ते वक्त बछड़े को कुचल दिया।

इसके बाद टिकरापारा निवासी मोहित यादव गौ सेवक को किसी ने फोन पर बताया कि बछड़े को कार ने कुचल दिया है। जानकारी मिलते ही गौ सेवक मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बछड़े की मौत हो चुकी थी।उन्होंने आसपास के गौ पालकों से जानकारी ली।

इस दौरान गाय और बछड़े के मालिक की पतासाजी की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद बछड़े का अंतिम संस्कार कर किया गया। साथ ही कोतवाली थाने में आरोपी ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कार ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मामले में सिटी कोतवाली टीआई विवेक पांडेय ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कार सवार लापरवाही पूर्वक बछड़े को कुचलता दिख रहा है। कार और ड्राइवर की तलाश की जा रही है। जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

भारत नहीं मान रहा अंतरराष्ट्रीय कानून

एनएसए डोभाल के बयान से बौखलाया पाकिस्तान, बातचीत की लगाई गुहार

इस्लामाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दिए गया बयान पाकिस्तान को चुभ गया है।

पाकिस्तान सरकार ने अपनी खीज उतारते हुए कहा है कि डोभाल ने झूठ और गलत बयानी का सहारा लिया है। दरअसल डोभाल ने शुक्रवार को कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने सटीकता के साथ पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। दूसरी ओर भारत में इस संघर्ष के दौरान कोई नुकसान नहीं हुआ। यहां तक कि भारत में एक शीशा भी नहीं टूटा।

पाकिस्तान ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल के 6-7 मई की रात को भारतीय सेना के सफलतापूर्वक टारगेट भेदने के दावे को खारिज किया है। पाक विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा, 'डोभाल का बयान जनता को

गुमराह करने का प्रयास है। यह एक जिम्मेदार देश की ओर से अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का भी उल्लंघन हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत पर संप्रभुता के उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया है। प्रवक्ता शफकत ने कहा कि डोभाल का बयान, जिम्मेदार कूटनीति के मानकों को तोड़ता है। भारत का इस तरह सैन्य हमले का महिमामंडन करना संयुक्त राष्ट्र चार्टर का गंभीर उल्लंघन है।

शफकत ने इस दौरान कहा कि भारत ने जिन लक्ष्यों को उनकी जमीन पर निशाना बनाया, वो आम नागरिकों के इलाके थे और इससे निर्दोष शहरियों की मौतें हुईं। शफकत अली खान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत के आक्रामक रवैये को गंभीरता से लेना होगा।

वैश्विक बिरादरी को इसे रोकना चाहिए क्योंकि हम इसकी बुरा नतीजा 7 से 10 मई तक एक संघर्ष के रूप में देख चुके हैं।

पाकिस्तान ने डोभाल की टिप्पणी की आलोचना करते हुए यह भी कहा कि स्थायी शांति का रास्ता बातचीत और आपसी सम्मान में निहित है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य संघर्ष का महिमामंडन किसी के लिए भी लाभदायक नहीं है। स्थायी शांति का मार्ग संवाद, आपसी सम्मान और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन में निहित है।

भारत और पाकिस्तान के रिश्ते बीते चार महीने से तनावपूर्ण बने हुए हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से तनतानी शुरू हुई थी।

6-7 की मई की रात भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये तनाव सैन्य संघर्ष में बदल गया। 10 मई को दोनों देश सीजफायर पर राजी हुए लेकिन अभी भी दोनों ओर से आक्रामक बयानबाजी देखने को मिल रही है।

टेक्सास में बाढ़ पीड़ितों से मिले ट्रंप

बोले- ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी, फेमा पर साधी चुप्पी

वॉशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को टेक्सास के केरविल शहर का दौरा किया, जहां 4 जुलाई को आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। इस बाढ़ में अब तक कम से कम 120 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 170 से ज्यादा लोग लापता हैं। ट्रंप ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों में जुटे स्थानीय अधिकारियों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने पहली बार भावुक लहजे में कहा कि उन्होंने ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी।

ट्रंप लंबे समय से फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) को खत्म करने की बात करते रहे हैं। लेकिन टेक्सास में भारी नुकसान देखने के बाद उन्होंने फेमा की भूमिका पर कोई टिप्पणी नहीं की। इसके बजाय उन्होंने कहा कि हम जो भी कर सकते हैं, टेक्सास के लिए करेंगे। ट्रंप ने 8 और काउंटियों को 'डिजास्टर जोन' घोषित कर, उन्हें

फेडरल मदद दिलाने का ऐलान भी किया।

ट्रंप ने केरविल में आपातकालीन संचालन केंद्र का दौरा किया और कहा कि यहां जो लोग खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं, वे अविश्वसनीय हैं। ऐसा काम शायद ही कोई कर पाए। उन्होंने 'कैंप मिस्टिक' का विशेष रूप से जिक्र किया, जहां 27 लड़कियों की मौत हुई। मेलानिया ट्रंप ने भी स्थानीय युवतियों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें एक खास ब्रेसलेट भेंट किया, जो मृत बालिकाओं की याद में बनाया गया था।

पहले के विपरीत इस दौरे में ट्रंप ने राजनीतिक बयानबाजी से परहेज किया। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति की बात नहीं करना चाहता। हम यहां पीड़ितों के लिए आए हैं। हालांकि उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उनकी नीतियों से देश में अंडों के दाम घटे हैं। इस दौरान उन्होंने फेमा को लेकर भी सकारात्मक बातें कहीं, जो कि कुछ हफ्ते पहले तक बंद करने की उनकी योजना का हिस्सा थी।

उन्होंने टेक्सास के सांसद चिप रॉय की भी तारीफ की, जिन्होंने पहले ट्रंप के टैक्स बिल का विरोध किया था। ट्रंप ने कहा कि चिप आसान नहीं हैं, लेकिन अच्छा काम करते हैं।

बाढ़ पीड़ितों को मिलेगा फेडरल सहयोग

केर काउंटी कमिश्नर जेफ होल्ट ने बताया कि बाढ़ के दौरान फोन टावर काम नहीं कर रहे थे और चेतावनी प्रणाली में भी सुधार की जरूरत है। ट्रंप ने इशारा किया कि ऐसी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। व्हाइट हाउस के बजट निदेशक रसेल वॉट ने कहा कि फेमा के पास अभी भी राहत कार्यों के लिए फंड हैं, और टेक्सास को जो चाहिए, वह मिलेगा।

ट्रंप का टैरिफ लेटर म्यांमार के जुंटा शासन के लिए बना सम्मान

नेपीडा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से उनकी टैरिफ नीति दुनिया के लिए मुश्किल का सबब बन रही हैं। यहां तक कि अमेरिका के सहयोगी देश भी इससे बच नहीं पा रहे हैं। हालांकि दुनियाभर के नेताओं के सिरदर्द बनने वाला डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ लेटर म्यांमार की जुंटा सरकार के लिए राहत लेकर आया है। ट्रंप के लेटर को म्यांमार जुंटा शासन के लिए हालिया महीनों में मिली सबसे अच्छी खबर कहा जा रहा है, जो बीते कुछ महीने से विद्रोहियों के सामने बेबस दिखा है। जुंटा सरकार के हेड इस लेटर के मिलने के बाद गदगद दिख रहे हैं।

सीएनएन के मुताबिक, म्यांमार की सत्ता पर काबिज जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिले टैरिफ लेटर को अपनी सरकार की मान्यता के तौर पर देखा है। भले ही अमेरिका ने इस लेटर में म्यांमार पर नए टैरिफ लगाए हैं। जनरल मिन इसे अपने संकटग्रस्त, अलग-थलग और कई आरोपों का सामना कर रहे सैन्य शासन के सम्मान की तरह पेश कर रहे हैं।

ट्रंप का लेटर जुंटा के लिए मौका

म्यांमार में 2021 में नागरिक सरकार को हटाकर सत्ता हथियाने वाले सेना प्रमुख जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि उनको नए टैरिफ के बारे में ट्रंप का पत्र प्राप्त करने का 'सम्मान' हासिल हुआ है। ह्लाइंग ने इसे अमेरिका के साथ बातचीत के मौके की तरह देखा है क्योंकि अमेरिका और पश्चिमी देशों ने म्यांमार की सैन्य सरकार को मान्यता नहीं दी है।

डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मिन आंग ह्लाइंग सरकार को भेजे गए पत्र में अमेरिका ने म्यांमार निर्यात पर 40 प्रतिशत का टैरिफ लगाने की घोषणा की है। जाहिर तौर पर इससे म्यांमार को आर्थिक तौर पर मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है लेकिन जुंटा इस बात से खुश है कि अमेरिका ने उनकी सरकार को एक तरह से 'मान्यता' देते हुए लेटर भेजा है।

जुंटा के लिए अमेरिकी सरकार का यह लेटर इसलिए खास है क्योंकि म्यांमार काफी समय से भीषण गृहयुद्ध में उलझा हुआ है।

रूस का मुकाबला करना है तो, अमेरिकी जनरल ने बताई नाटो को लंबी दूरी की मिसाइलों की जरूरत

यूरोप पर बड़े खतरे का संकेत

बर्लिन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की अगुवाई वाले सैन्य गठबंधन नाटो को रूस के हमले का डर सता रहा है। एक अमेरिकी जनरल के बयान से इसकी पुष्टि होती है। अमेरिकी सेना के जनरल ने यूरोप पर रूस के हमले का खतरा बताया है और कहा कि इसे रोकने के लिए नाटो को अपने शस्त्रागार में लंबी दूरी की मिसाइलों की जरूरत होगी। अमेरिकी जनरल ने उम्मीद जताई है कि मॉस्को लंबी दूरी के हथियारों का उत्पादन बढ़ा सकता है। मेजर जनरल जॉन रैफर्टी ने रॉयटर्स को बताया कि जैसे-जैसे रूस यूक्रेन पर अपने हमले तेज कर रहा है, नाटो और यूरोपीय देशों को लंबी दूरी के हथियारों का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है।

जर्मनी में दिए इंटरव्यू में रैफर्टी ने एजेंसी से कहा, 'रूसी सेना आज उस समय से ज्यादा बड़ी है, जब उन्होंने यूक्रेन में युद्ध शुरू किया था। और हम जानते हैं कि वे लंबी दूरी के रॉकेटों, मिसाइलों और परिष्कृत वायु रक्षा प्रणालियों

में निवेश जारी रखेंगे। इसलिए गठबंधन की क्षमता में वृद्धि वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण है।'

लंबी दूरी की मिसाइलें दुश्मन के इलाके में काफी अंदर तक जा सकती हैं। रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में इन हथियारों का बहुत प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया है और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला किया है। क्रेमलिन ने पिछले महीने यूक्रेन में अपने हमले बढ़ा दिए हैं। यूक्रेन में युद्ध ने यह दिखा दिया है कि यूरोप किस तरह से लंबी दूरी के हथियारों को लेकर अमेरिका पर निर्भर है। इस बीच रूस और यूक्रेन में शांति समझौते को लेकर बातचीत निराशाजनक दौर की तरफ जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमलों की आलोचना तेज कर दी है, जो राष्ट्रपति कार्यकाल के शुरुआती दिनों के बिल्कुल उलट है। रूस के हमले का जवाब देने के लिए ट्रंप ने शुक्रवार को नाटो के साथ एक समझौता किया, जिसके तहत यूक्रेन को पैट्रियट बैटरियां भेजी जाएंगी, जो मिसाइल रोधी रक्षा प्रणाली का एक हिस्सा हैं।

फ्यूल सप्लाई पर अमेरिकी एफएए ने पहले ही दे दी थी बोइंग को चेतावनी

एयर इंडिया प्लेन क्रैश पर कई बड़े सवाल

वॉशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अगर पायलटों ने ईंधन का स्विच नहीं बंद किया था, तो उड़ान के सबसे अहम दौर में एयर इंडिया की फ्लाइट के दोनों इंजनों की ईंधन सप्लाई कैसे रुक गई? क्या यह बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में कोई तकनीकी खराबी थी? गुजरात में एयर इंडिया के विमान हादसे को लेकर भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के ये सवाल बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। विमान हादसे को लेकर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि 12 जून को एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 के अहमदाबाद रनवे से उड़ान भरने के 7 सेकंड बाद बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दोनों इंजनों की ईंधन सप्लाई बंद हो गई थी। यह बंद एक सेकंड के अंतराल में हुआ।

कॉकपिट की वॉयस रिकॉर्डिंग में एक पॉयलट दूसरे पायलट से पूछता है कि उसने ईंधन की

आपूर्ति क्यों बंद कर दी। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि सवाल करने वाला और जवाब देने वाला पायलट कौन है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद ईंधन की सप्लाई बंद हो गई। कॉकपिट की रिकॉर्डिंग सुनने के बाद ये सवाल उठता है कि अगर पायलटों ने स्विच बंद नहीं किया तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

अमेरिका के संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने 2018 में जारी विशेष योग्यता सूचना बुलेटिन में बोइंग 787 विमान में फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग में खराबी को लेकर चेतावनी दी थी।

अमेरिका के एफ-35 जेट की केरल में खुली पोल

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करने वाला ब्रिटेन का एफ-35 लड़ाकू विमान लगभग एक महीने से वहीं खड़ा हुआ है। अमेरिका में निर्मित सबसे आधुनिक माने जाने वाले पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान को तकनीकी खराबी के चलते यहां लैंडिंग करनी पड़ी थी। यह पहली बार है जब अमेरिका निर्मित लड़ाकू विमान तकनीकी खराबी के कारण किसी विदेशी देश में फंसा हुआ है। हालांकि, समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, अगले सप्ताह तक इसे मरम्मत करके वापस ब्रिटेन भेज दिया जाएगा।

एक भारतीय अधिकारी के हवाले से एजेंसी ने बताय कि ब्रिटेन के 24 इंजीनियरों की एक टीम लड़ाकू विमान में आई हाइड्रोलिक खराबी को ठीक करने के लिए काम कर रही है। इसी खराबी के चलते इसे आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। खास बात ये है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस लड़ाकू विमान को भारत को बेचना चाहते हैं। लड़ाकू विमान को समस्या का ऐसे समय में सामना करना पड़ा है, जब ब्रिटिश राष्ट्रीय लेखा परीक्षा कार्यालय (एनएओ) की रिपोर्ट में एफ-35 कार्यक्रम को लेकर कई समस्याओं का जिक्र किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, एफ-35 स्टील्थ स्ट्राइक फाइटर ब्रिटेन का सबसे एडवांस लड़ाकू विमान कार्यक्रम है, लेकिन इस बेड़े को ऑपरेशन और वित्तीय दृष्टि से भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। एनएओ के अनुसार, लड़ाकू विमानों की खरीद पर अब तक खर्च किए गए 11 अरब पाउंड

शहबाज सरकार ने बढ़ाई मस्क की मुश्किलें

स्टारलिंक जैसी कंपनियों के लिए ला सकती है सख्त नियम

इस्लामाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा की शुरुआत लगातार टल रही है। इसकी बड़ी वजह यह है कि सरकार अब इस क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के लिए कड़े नियम बना रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्टारलिंक जैसी कंपनियों के लिए नए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ज्यादा देरी से मस्क की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. हालांकि सख्त दिशानिर्देशों को लागू करने से पहले सरकार और अंतरिक्ष क्षेत्र की संस्थाएं कंपनियों से सुझाव भी ले रही हैं।

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, हाल के भारत-पाकिस्तान और ईरान-इस्राइल विवादों के बाद पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान

सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर गया है। इसके बाद अब पाकिस्तान स्पेस एक्टिविटीज रेगुलेटरी बोर्ड सैटेलाइट इंटरनेट से जुड़ी कंपनियों के लिए कड़े सुरक्षा नियम ला रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यदि हाल के युद्ध न होते तो शायद इन सुरक्षा पहलुओं पर गौर नहीं किया जाता।

स्टारलिंक पाकिस्तान में काम करने के लिए मार्च में मिला अस्थायी एनओसी समाप्त हो चुका है। अब सभी विदेशी सैटेलाइट ऑपरेटरों को नए बनाए गए 'सैटेलाइट कम्युनिकेशन रेगुलेशंस' के तहत फिर से आवेदन करना होगा। इन कंपनियों को पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी (पीटीए) से ऑपरेशनल लाइसेंस भी लेना होगा।

स्टारलिंक के अलावा दो और कंपनियां, वनवेब और शंघाई स्थित शंघाई स्पेसकॉम सैटेलाइट टेक्नोलॉजी भी पाकिस्तान में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करना चाहती हैं। ये तीनों कंपनियां लो अर्थ ऑर्बिट (लिओ) सैटेलाइट आधारित सेवाएं देती हैं, जो दूर-दराज के क्षेत्रों में भी तेज इंटरनेट पहुंचा सकती हैं। इससे पाकिस्तान के ग्रामीण और सीमावर्ती इलाकों को फायदा हो सकता है।

युवाओं की प्रजनन दर गिरी

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। आज के युवा तेजी से विवाह और गर्भधारण को टाल रहे हैं, जिससे न सिर्फ औसत गर्भधारण की उम्र बढ़ी है, बल्कि बड़ी संख्या में युवा अपनी मनचाही संतान संख्या से भी पीछे रह जा रहे हैं। कुछ देशों में यह समस्या काफी गहरा गई है। विश्व जनसंख्या दिवस पर जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की रिपोर्ट में दुनिया के युवाओं की बदलती प्रजनन प्राथमिकताओं और चुनौतियों को लेकर यह खुलासा है।

वैश्विक जनसंख्या वृद्धि की गति भले ही धीमी पड़ रही हो, लेकिन रिपोर्ट दर्शाती है कि समस्या केवल गिरती प्रजनन दर नहीं, बल्कि युवाओं की घटती प्रजनन क्षमता और सीमित विकल्पों की भी है। दुनिया में गर्भधारण की औसत आयु अब 28 वर्ष हो गई है जो प्रजनन संबंधी व्यवहार में व्यापक बदलाव का संकेत है।

युवाओं की घटती प्रजनन क्षमता की मुख्य वजह सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय दबावों

का संयोजन है।

रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन, युद्ध, महामारी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता युवाओं को परिवार बढ़ाने से हतोत्साहित कर रही है। इसके साथ ही महंगा आवास, बच्चों की परवरिश का खर्च, नौकरी की असुरक्षा और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच जैसे आर्थिक कारण भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। इन कारणों से बड़ी संख्या में युवा या तो गर्भधारण को टाल रहे हैं या इच्छित संख्या में संतान पैदा नहीं कर पा रहे हैं।

जापान, इटली, स्पेन, चीन और जर्मनी में सबसे तेज गिरावट

रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में प्रजनन दर में सबसे तेज गिरावट दक्षिण कोरिया, जापान, इटली, स्पेन, चीन और जर्मनी जैसे देशों में देखी जा रही है। इन देशों में औसत प्रजनन दर 1.5 से भी नीचे पहुंच गई है, जो जनसंख्या स्थिरता के लिए आवश्यक प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से काफी कम है। इसका मुख्य कारण तेजी से बढ़ती जीवन लागत, महंगे आवास, बाल देखभाल पर अत्यधिक खर्च और कार्यस्थल पर माता-पिता के लिए सीमित सहयोग है।

बदलती पारिवारिक संरचनाओं से जन्म दर पर असर

दक्षिण कोरिया और जापान में विशेष रूप से युवाओं में विवाह और माता-पिता बनने की इच्छा में भारी गिरावट आई है, जहां व्यक्तिगत स्वतंत्रता, करियर प्राथमिकता और सामाजिक दबाव बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। चीन में एक दशक पहले समाप्त हुई 'वन-बच्चा नीति' का दीर्घकालिक प्रभाव अब भी बना हुआ है, और बढ़ते शहरीकरण के साथ जीवनशैली में बदलाव ने बच्चों की चाहत को और कम कर दिया है। यूरोपीय देशों में भी आर्थिक असुरक्षा, उम्रदराज होती आबादी और बदलती पारिवारिक संरचनाएं जन्म दर को प्रभावित कर रही हैं।

डॉक्टरी छोड़ सियासत में आईं 'आंटी जेनी'

72 साल में बनीं राष्ट्रपति, फुटबाल और पढ़ाई का शौक

ब्रासीलिया, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिका के एक छोटे-से देश सूरीनाम के सर्वोच्च पद पर इसी महीने की सोलह तारीख को पहली बार एक महिला राष्ट्रपति के रूप में विराजमान होगी। हाल ही में, सूरीनाम की संसद ने पेशे से चिकित्सक और दस साल तक नेशनल असेंबली की चेयरपर्सन रहीं डॉ. जेनिफर ग्रीलिंग्स सिमंस को देश की दसवीं राष्ट्रपति के रूप में चुना है। जेनिफर सिमंस पांच साल पहले सक्रिय राजनीति से संन्यास का एलान कर चुकी थीं, लेकिन नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के संस्थापक और पूर्व राष्ट्रपति डेसी बाउटर्स का बीते साल निधन होने के बाद पार्टी नेतृत्वहीन हो गई। अन्य नेताओं के आग्रह पर जेनिफर ने पार्टी की

कमान संभाली और उनके नेतृत्व में इस साल मई में हुए आम चुनाव में एनडीपी सत्ताधारी प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी से एक सीट ज्यादा जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन दो-तिहाई बहुमत से काफी पीछे थी। यह जेनिफर सिमंस की सर्वस्वीकार्यता और करिश्माई नेतृत्व ही है कि अन्य विपक्षी पार्टियों ने उन्हें समर्थन देकर अपने देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनने का गौरव प्रदान किया।

जेनिफर सिमंस का जन्म पांच सितंबर, 1953 को अटलांटिक महासागर के नजदीक और सूरीनाम नदी के उत्तरी तट पर स्थित देश की राजधानी पारामारिबो में हुआ था।

जेनिफर ने स्कूली शिक्षा हासिल करने के बाद एंटोन डी कॉम विश्वविद्यालय से मेडिसिन में चिकित्सा की डिग्री हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने महामारी विज्ञान और कुष्ठ रोग प्रबंधन में स्नातकोत्तर भी किया। त्वचा रोग विशेषज्ञ के रूप में काम करने वाली जेनिफर ने 29 जून, 1981 को चिकित्सक डॉ. ग्लेन ग्रीलिंग्स से शादी की। उनके तीन बच्चे एडवर्ड, जोनाथन और नाओमी हैं। डॉ. जेनिफर सिमंस और उनके पति डॉ. ग्लेन ग्रीलिंग्स की अच्छी-खासी मेडिकल प्रैक्टिस चल रही थी, लेकिन 1996 में जेनिफर ने चिकित्सा का पेशा जारी रखते हुए राजनीति में कदम रखा। इसी साल उन्होंने पारामारिबो जिले से एनडीपी की तरफ से चुनाव भी लड़ा और चुनकर नेशनल असेंबली में पहुंचीं। वह एनडीपी की उपाध्यक्ष बनीं और 2000 से 2006 तक संसदीय दल की नेता भी रहीं। वर्ष 2010 में जब एनडीपी सत्ता में आई, तो डॉ. जेनिफर सिमंस को नेशनल असेंबली का अध्यक्ष चुना गया।

पेड़ में घुसी स्कॉर्पियो छात्र-छात्रा की मौत

नशे में थे कार सवार 5 लड़के-लड़कियां, 3 की हालत गंभीर

सरगुजा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अंबिकापुर में एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई, हादसे में 2 की मौत हो गई, 3 लोग गंभीर रूप से घायल है। 11 जुलाई की रात अंबिकापुर-बनारस मेन रोड पर रफ्तार ज्यादा होने के कारण गाड़ी बेकाबू होकर सड़क से उतरी और चठिरमा मोड़ के पास पेड़ में जा घुसी। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है। कार में दो लड़कियां और तीन लड़के सवार थे, सभी नशे में थे। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो सवार सीटों से उछल गए। कार के सामने के दोनों एयरबैग खुल गए, सामने बैठे लोग घायल हुए हैं।

समुद्र से 2,000 साल बाद वापस आ रहा इटली का शहर

ज्वालामुखी ने डुबोया था हंसता-खेलता रोमन नगर

रोम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इटली का 2,000 साल पहले पानी में डूबकर खत्म हो गया शहर फिर से दुनिया के सामने आ रहा है। एनेरिया नाम के इस शहर को ज्वालामुखी ने तबाह कर दिया था। इटली के इस्चिया द्वीप पर 180 ईस्वी में क्रेटियो ज्वालामुखी फटा था। इससे उठी प्रचंड तरंगों ने रोमन बंदरगाह शहर ऐनारिया को समुद्र में डुबो दिया। अब पानी के नीचे की सैर और चल रही खुदाई इसके आकर्षक इतिहास को फिर से सतह पर ला रही है। इटली के इस्चिया द्वीप के तट पर खोए हुए इस रोमन शहर के खंडहर फिर से दिखने लगे हैं। पुरातात्विक उत्खनन और पानी के नीचे पर्यटन के जरिए इस शहर को दुनिया की नजर में वापस लाया जा रहा है। यह कार्टारोमाना की खाड़ी में स्थित खंडहर सतह के ठीक नीचे स्थित हैं। बड़ी संख्या में लोग कांच के तल वाली नाव की सवारी या स्नॉर्कलिंग से इस साइट को देख सकते हैं। यहां प्राचीन घाटों, रोमन कलाकृतियों और समुद्र तल पर संरक्षित पत्थर संरचनाएं हैं। इस शहर के शुरुआती सुराग 1970 के दशक में उभरे, जब गोताखोरों को इस्चिया तट से मिट्टी के बर्तनों और सिल्लियों के टुकड़े मिले। हालांकि तब इस खोज को रफ्तार नहीं मिल सकी। साल 2011 में स्थानीय नाविकों और इतिहास में दिलचस्पी रखने वालों को बड़ी कामयाबी मिली, जब समुद्र तल के दो मीटर नीचे दबे विशाल रोमन घाट के अवशेषों को सामने आए।

60 किलो हेरोइन केस में जोधपुर से मनी-लॉन्ड्रिंग, एक गिरफ्तार

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट से जुड़े तार, पंजाब पुलिस पकड़कर ले गई

जोधपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में पकड़ी गई 60 किलोग्राम हेरोइन के मामले में पंजाब पुलिस की कार्रवाई अब जोधपुर तक पहुंच गई है। पंजाब पुलिस ने जोधपुर के प्रतापनगर क्षेत्र से तस्कर अशोक सिंधी उर्फ अशोक पंजाबी (25) को गिरफ्तार किया है। इस अंतरराष्ट्रीय नार्को हवाला नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा था। दरअसल, 30 जून को पंजाब पुलिस, राजस्थान पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई में राजस्थान के बाड़मेर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से 60.302 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। इस ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 420 करोड़ रुपए आंकी गई थी। इस नेटवर्क का संचालन पाकिस्तान के तस्कर तनवीर शाह और कनाडा स्थित हैंडलर जोबन कलेर की ओर से किया जा रहा था, जिसमें भारत में स्थानीय सरगना गुरसाहिब सिंह की भूमिका थी।

जोधपुर का हवाला कनेक्शन

पंजाब पुलिस की जांच में पता चला कि जोधपुर से नार्को हवाला नेटवर्क के मजबूत तार जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी में पंजाब पुलिस ने कुछ दिनों पहले लक्की उर्फ लक्ष्मण तिवारी नाम के व्यक्ति को पकड़ा था। उससे पूछताछ में अशोक सिंधी और मनीष डागा नामक हवाला कारोबारियों के नाम सामने आए। शुक्रवार को पंजाब पुलिस ने जोधपुर पुलिस के साथ मिलकर प्रतापनगर क्षेत्र से अशोक सिंधी उर्फ अशोक पंजाबी को गिरफ्तार किया।

दुबई कनेक्शन और मनी लॉन्ड्रिंग ट्रांजैक्शन

सूत्रों के अनुसार- जोधपुर के राय बहादुर मार्केट में मोबाइल शॉप चलाने वाले लक्की उर्फ लक्ष्मण तिवारी को हवाला राशि ट्रांसफर कराने का टास्क किसी शख्स से मिला था। उसी ने हवाला राशि ट्रांसफर करने के लिए मनीष डागा से संपर्क किया। तब, डागा ने यह टास्क अशोक पंजाबी को सौंप दिया। अशोक पंजाबी के कनेक्शन दुबई से जुड़े हैं। उसके दुबई में फ्लैट होने की जानकारी भी सामने आई है। वहीं, पंजाब पुलिस को जानकारी मिली कि हवाला के पैसे दुबई के जरिए पाकिस्तान भेजे जा रहे थे। यह हेरोइन की एवज में जोधपुर से अमृतसर में मनी लॉन्ड्रिंग ट्रांजैक्शन का मामला है। पंजाब की जेल से संचालित हो रहा था नेटवर्क सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे ड्रग नेटवर्क का मुख्य संचालक गुरसाहिब सिंह, जो गोइंदवाल साहिब जेल में बंद होकर भी मोबाइल फोन के जरिए इस गिरोह को चला रहा था। पुलिस ने जेल अधिकारियों की मदद से उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया और कनाडा-पाकिस्तान कनेक्शन की गहराई से जांच के लिए उसका प्रोडक्शन वारंट पर लिया था। हेरोइन तस्करी से जुड़े इस केस में नौ लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के तस्कर और हवाला ऑपरेटर शामिल हैं। पंजाब पुलिस की गिरफ्त में आ चुके इन आरोपियों में अमृतसर के रहने वाले गगनदीप सिंह उर्फ गगन (23), जशनप्रीत सिंह उर्फ जशन (20), कुलविंदर सिंह (24), गुरसाहिब सिंह (25), जम्मू-कश्मीर से राजीव पंगोत्रा उर्फ राजवीर (29), सोमनाथ (62), पुरुषोत्तम सिंह उर्फ काला (50), रजिंदर कौर (42) और एक अन्य हवाला कारोबारी शामिल हैं।

बाइक सवार पति-पत्नी को टैंकर ने रौंदा, दोनों की मौत

भरतपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भरतपुर में गैस से भरे टैंकर ने बाइक सवार पति-पत्नी को रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मथुरा गेट थाना इलाके के सारस चौराहे के पास शनिवार सुबह 6 बजे के करीब हुई। दंपती रोड क्रॉस कर रहे थे, इस दौरान जयपुर से आगरा की तरफ जाते टैंकर ने दोनों को कुचल दिया।

सारस चौकी इंचार्ज एएसआई राधा किशन ने बताया-सुबह लगभग 6 बजे एक गैस टैंकर जयपुर से आगरा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान पुलिस लाइन की तरफ से बाइक पर आए दंपती ने रोड क्रॉस किया। टैंकर ने बाइक को साइड से चपेट में लिया और घसीटते हुए ले गए। इसके बाद बाइक और दंपती सारस चौराहे से टकराए। उनकी ऑन स्पॉट डेथ हो गई।

अशोक गहलोत का बीजेपी पर हमला

हार के डर से पंचायतीराज चुनाव नहीं करवा रही सरकार

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार पर पंचायतीराज और नगरीय निकाय चुनाव जानबूझकर नहीं कराने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन वाली भाजपा सरकार ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का नारा देने वाली भाजपा सरकार आज ऐसी स्थिति में है कि वह संवैधानिक प्रावधानों का भी पालन नहीं कर पा रही है। गहलोत के इस बयान से राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। अपने बयान में गहलोत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 243-ई में यह स्पष्ट रूप से लिखा है कि पंचायतीराज के चुनाव हर 5 वर्ष में करवाए जाने चाहिए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के दो महत्वपूर्ण फैसलों का भी उल्लेख किया। इनमें 'गोवा सरकार बनाम फौजिया इम्तियाज शेख तथा अन्य' और 'पंजाब राज्य निर्वाचन आयोग बनाम पंजाब सरकार' केस शामिल हैं, जिनमें शीर्ष अदालत ने यह आदेश दिया था कि हर हाल में पंचायतीराज चुनाव पांच साल में होने चाहिए।

गहलोत ने इन कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया। गहलोत का आरोप है कि भाजपा सरकार हार के डर से इन सभी संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोपरि होता है, लेकिन वर्तमान सरकार जनता को उनका अधिकार देने से डर रही है।

यह सीधे तौर पर संवैधानिक सिद्धांतों और लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने के लिए, डबल इंजन सरकार बनाम पांच साल की बात की थी, वही पार्टी अब अपनी 'दुर्गति' के कारण पंचायतीराज जैसे महत्वपूर्ण चुनावों से भाग रही है। पूर्व मुख्यमंत्री का यह बयान राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर चल रही अटकलों के बीच आया है। उनके इस बयान से कांग्रेस ने भाजपा पर संवैधानिक और नैतिक दबाव बनाने की कोशिश की है। यह देखना दिलचस्प होगा कि सत्तारूढ़ भाजपा इस आरोप का क्या जवाब देती है।

डूंगला के मंदिर में तोड़फोड़ का आरोपी गिरफ्तार

> हिस्ट्रीशीटर के पास से 19 जिंदा कारतूस बरामद

चित्तौड़गढ़, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के डूंगला कस्बे में धार्मिक स्थल पर हुई तोड़फोड़ के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में एक मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिससे पूछताछ जारी है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान एक हिस्ट्रीशीटर को 12 बोर की बंदूक के 19 जिंदा कारतूस और धारदार हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि 7 जुलाई को डूंगला के भानाखेड़ी मार्ग स्थित निर्माणाधीन रामेश्वरम महादेव मंदिर को क्षतिग्रस्त किया गया था। इस संबंध में मंदिर के पुजारी हीरालाल जाट की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। घटना के बाद कस्बे में भारी आक्रोश देखने को मिला, लोगों ने दो दिन तक बाजार बंद रख विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चित्तौड़गढ़ की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह ने मौके पर डेरा डाला। डूंगला थानाधिकारी अमृतलाल, मंगलवाड़ थानाधिकारी भगवानलाल, निकुंभ थानाधिकारी रामसिंह, निम्बाहेड़ा कोतवाली के थानाधिकारी सहित साइबर टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी सलमान खां मेवाती पुत्र अजीज खां उर्फ बुग्गा मेवाती, निवासी मुस्लिम मोहल्ला डूंगला को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ में और खुलासे होने की संभावना है। मामले की जांच में डूंगला थाने के ओमप्रकाश और साइबर सेल के कांस्टेबल रामावतार की अहम भूमिका रही।

भारी मात्रा में कारतूस बरामद

तोड़फोड़ की घटना के बाद जिले में धारा 163 बीएनएस के तहत सख्त निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने डूंगला निवासी हिस्ट्रीशीटर कालू खां पुत्र दौलत खां को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 12 बोर बंदूक के 19 जिंदा कारतूस, एक धारदार छुरी और अन्य हथियार बरामद किए गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी के पास से बरामद हथियारों को जब्त कर लिया गया है और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

बासनपीर मामले में भीड़ को भड़काने वाला आरोपी गिरफ्तार, महिलाओं सहित 23 हिरासत में

जैसलमेर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बासनपीर गांव में छतरी पुनर्निर्माण के दौरान उपजे तनाव के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल से जुड़े विभिन्न वीडियो फुटेज, चश्मदीदों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। अब तक इस मामले में कुल 23 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि 10 जुलाई को पुराने रियासती योद्धाओं की स्मृति में बनाई जा रही छतरियों के पुनर्निर्माण को लेकर अचानक उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुष, महिलाएं और बच्चे एकत्र होकर जोरदार विरोध करने लगे। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य के विरोध में नारेबाजी करते हुए पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान भीड़ ने पुलिसकर्मियों व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को घेरते हुए उन पर लाठियों और पत्थरों से हमला कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए मौके पर तैनात अधिकारियों पर जानलेवा हमला और राजकार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल से जुड़े विभिन्न वीडियो फुटेज, चश्मदीदों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। अब तक इस मामले में कुल 23 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि मामले की तह में जाकर की गई जांच में यह सामने आया कि पूरे घटनाक्रम के पीछे गांव का ही निवासी हासम खान मुख्य भूमिका में था। हासम खान ने ही ग्रामीणों को भड़काया और प्रशासन को भ्रमित करते हुए समुदाय विशेष के खिलाफ परिवाद प्रस्तुत किए, जिससे गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

एसपी चौधरी के अनुसार हासम खान ने सोची-समझी साजिश के तहत दोनों पक्षों को भड़काने का कार्य किया। उसने पुलिस और प्रशासन को एकपक्षीय परिवाद देकर गुमराह किया और साथ ही ग्रामीणों को धार्मिक भावना से उकसाया। परिणामस्वरूप गांव में तनाव का माहौल बना और छतरी निर्माण कार्य के दौरान हिंसात्मक झड़प हुई। पुलिस की जांच का दायरा सिर्फ हासम खान तक सीमित नहीं रहा। अब उसके पीछे की संभावित साजिशों और अन्य लोगों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जा रही है।

'अभी तक 56 ट्रेनी एसआई गिरफ्तार आगे की जांच में और पकड़े गए तो?'

राजस्थान पुलिस भर्ती मामले पर हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पेपर लीक के बावजूद सब इंस्पेक्टर भर्ती 2021 को भाजपा सरकार ने रद्द नहीं किया है। भर्ती रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगी हुई है जिस पर नियमित सुनवाई चल रही है।

सुनवाई के दौरान राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस समीर जैन ने एसआई भर्ती पर सख्त टिप्पणी की। जस्टिस जैन ने कहा कि 56 से ज्यादा चयनित सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार हो चुके हैं।

आगे की जांच में और भी गिरफ्तारियां हो सकती है। इसके बावजूद भी सरकार इस मामले को साधारण बता रही है जबकि यह गंभीर मामला है। जस्टिस जैन ने यह भी कहा कि जनता को पेपर लीक से बने थानेदारों के भरोसे नहीं छोड़ सकते। सरकार को सोच समझ कर फैसला लेना चाहिए था।

सरकार का दोहरा रवैया ठीक नहीं - हाईकोर्ट

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले पर सरकार दोहरा रवैया अपना रही है। एक तरफ तो सरकार मान रही है कि पेपर लीक मामले में आरपीएससी सदस्यों और कोचिंग सेंटर संचालकों की मिलीभगत थी। दूसरी तरफ कह रही है कि भर्ती रद्द की फिलहाल रद्द नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा गया था लेकिन सरकार ने गोलमोल जवाब दिया। भर्ती रद्द करने या नहीं करने का स्पष्ट निर्णय लेने के बजाय फिलहाल शब्द का इस्तेमाल करके खुद के बचाव में लगी है। जस्टिस जैन ने कहा कि सरकार का यह रवैया बिल्कुल ठीक नहीं है।

71 साल के बुजुर्ग ने सीए क्लियर किया

पत्नी की मौत के बाद पढ़ना शुरू किया, कोचिंग नहीं की; यूट्यूब-सोशल मीडिया से तैयारी

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के 71 साल के ताराचंद अग्रवाल चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) बने हैं। ताराचंद 2014 में स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर (अब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) में असिस्टेंट जनरल मैनेजर के पद से रिटायर्ड हुए थे। नवंबर 2020 में कोविड के दौरान पत्नी दर्शना अग्रवाल का निधन हो गया। इसके बाद अकेलेपन को दूर करने के लिए, पढ़ना शुरू किया।

पीएचडी करने की सोची तो बच्चों ने सुझाव दिया कि देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक सीए की तैयारी की जाए। पोती ने कहा- जब आप मुझे गाइड कर सकते हैं तो खुद क्यों नहीं कर सकते? इसी विश्वास के साथ ताराचंद ने सीए की राह पकड़ी।

2021 में लिया फैसला, 2025 में बन गए सीए ताराचंद ने जुलाई 2021 में सीए के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। मई 2022 में फाउंडेशन क्लियर किया। जनवरी 2023 में इंटरमीडिएट पास किया। मई 2024 में उन्होंने फाइनल का अटेम्प्ट दिया। सफल नहीं हुए। इसके बाद मई 2025 में दोबारा फाइनल परीक्षा दी। इस बार सफलता हासिल कर ली। ताराचंद ने बताया- मैंने कभी पढ़ना छोड़ा नहीं। बैंक में रहते हुए भी कई ट्रेनिंग की। 1988 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स से सीएआईआईबी क्लियर किया था।

ताराचंद अग्रवाल चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए)

गीता ने संभाला, पोतियों ने बढ़ाया

ताराचंद बताते हैं-2020 में पत्नी के जाने के बाद बहुत खालीपन था। बच्चे और पोते-पोतियां मेरे साथ रहते थे, पर मन नहीं लगता था। तब बच्चों की सलाह पर गीता पढ़ना शुरू किया। उसमें इतना डूब गया कि पढ़ने की आदत वापस आ गई। एक दिन बच्चों से कहा- मैं भी कुछ कर लेता हूं। बीकॉम किया है। पीएचडी कर लूं। बच्चों ने कहा-सीए करो। यह कठिन जरूर है, लेकिन पहचान दिलाएगा। फिर पोती ने कहा- आप कर सकते हैं। बच्चों ने लैपटॉप लाकर रजिस्ट्रेशन करवा दिया।

उन्होंने बताया- मेरे ताऊजी गीता पढ़ाते थे। उन्होंने कहा था, काम जो करो पक्का करो। तब से यही आदत है, जो करता हूं उसमें 100 प्रतिशत देता हूं। मैंने इंटर में तो इसे सीरियसली नहीं लिया। काउंटर पर बैठकर ही पढ़ाई किया करता था। इसी बीच कस्टमर आता था तो किताबें बंद कर कस्टमर अटेंड करने लग जाता। इस कारण फाइनल में मैं फेल हो गया। तब सोचा कि अब आइसोलेशन में पढ़ाई करनी पड़ेगी। मेरे लेफ्ट और राइट शोल्डर में परेशानी थी। इस कारण लिखने में दिक्कतें आ रही थी। जनवरी में मेरा रिजल्ट आया। उसके बाद मैंने 10 घंटे पढ़ना शुरू किया। डेली 2 से 4 घंटे लिखने की प्रैक्टिस की। मॉड्यूल पेपर को लगातार सॉल्व करता रहता था। इससे मेरे लिखने की प्रैक्टिस अच्छी हो गई।

महिला वकील को गोली मारकर बॉयफ्रेंड ने खुद को उड़ाया

कोटा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। महिला वकील को गोली मारकर उसके बॉयफ्रेंड ने खुद को भी गोली मार ली। बॉयफ्रेंड की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती को गंभीर स्थिति में कोटा के मेडिकल कॉलेज के न्यू हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बॉयफ्रेंड की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। घटना शुक्रवार रात कोटा के आरकेपुरम इलाके में हुई। डीएसपी मनीष शर्मा ने बताया- युवती का बयान ले लिया गया है। युवती ने पुलिस को बताया कि दो-तीन साल से दोनों के बीच अफेयर चल रहा था। युवक का पिता हिस्ट्रीशीटर है। युवक पर भी तीन-चार मुकदमे दर्ज हैं।

युवक ने मौके पर ही दम तोड़ा

डीसीपी ने बताया-आरकेपुरम में मुकंदरा वन विभाग के ऑफिस के पास 11 जुलाई की रात 10.30 बजे फायरिंग की आवाज सुनाई दी थी। एक ही स्कूटी पर महिला वकील पूर्वा शर्मा (29) और करण गुर्जर (32) आए थे। करण की शादी हो गई थी, इसको लेकर विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन तलाक को लेकर बात चल रही थी। इसी दौरान बात बिगड़ गई और करण ने वहीं स्कूटी रोककर पूर्वा के सिर में पीछे से गोली मार दी। वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ी। उसे मृत समझकर करण ने खुद को भी शूट कर लिया।

7 जिलों में येलो अलर्ट, कई इलाकों में बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। मौसम केंद्र जयपुर द्वारा जारी ताजा अलर्ट के अनुसार, राज्य के कई जिलों में आगामी घंटों में मौसम करवट ले सकता है। शनिवार सुबह 7:45 बजे जारी येलो अलर्ट के अनुसार, जयपुर, टोंक, बूंदी, बारां, कोटा, झालावाड़ और भीलवाड़ा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा, आकाशीय बिजली और कुछ जगहों पर तेज हवाएं (20-30 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना जताई गई है।

इससे पहले सुबह 5:45 बजे भी मौसम विभाग ने जयपुर, टोंक, झुंझुनू, चूरू और सीकर में इसी तरह की मौसम परिस्थितियों की चेतावनी दी थी। इन स्थानों पर भी हल्की से मध्यम बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं की आशंका व्यक्त की गई थी।

लॉरेंस गैंग के लिए व्यापारी से 10 करोड़ रुपए मांगे

> सीआरपीएफ की नौकरी छोड़ गैंगस्टर के लिए काम करने लगा > धमकी देने वाले 2 गिरफ्तार

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के व्यापारी से 10 करोड़ की डिमांड करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि नेत्रपाल सिंह (30) और मान प्रजापति उर्फ मंगलचंद उर्फ मान बॉक्सर (36) गैंगस्टर लॉरेंस के भाई अनमोल विश्नोई के लिए रंगदारी मांग रहे थे। मान प्रजापति पांच साल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की नौकरी कर चुका है। दोनों अनमोल के गुर्गे हरि बॉक्सर के संपर्क में थे। करीब 10 दिन पहले जयपुर के व्यापारी को धमकी मिली थी। इसकी जानकारी साइबर थाना पुलिस को लगी। डीसीपी क्राइम कुंदन कवरीया के सुपरविजन में साइबर थाना पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया। इन बदमाशों के पास से पुलिस ने विदेश में बैठे गैंग के सदस्य हरि बॉक्सर से बात करने के लिए उपयोग में लिए गए दो मोबाइल फोन रिकवर किए हैं।

ऐसे पकड़े गए बदमाश

साइबर पुलिस थाने में तैनात एएसआई ओमप्रकाश को सूचना मिली थी कि विदेश में बैठे हरि बॉक्सर ने कुछ दिन पहले ही एक व्यापारी से 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। हरि बॉक्सर के सम्पर्क में नेत्रपाल सिंह और मान प्रजापति फाइनेंसर हैं। ये जयपुर में ही रहते हैं। सूचना पर टीम ने तुरंत कार्रवाई कर आमेर के कुंडा और लालकोठी स्थित कृष्णानगर से दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बदमाश लॉरेंस के भाई अनमोल विश्नोई के नाम पर जयपुर में अवैध वसूली और जमीन खाली करवाने का काम किया करते हैं।

सीआरपीएफ की नौकरी छोड़ करने लगा वसूली

मान प्रजापति जयपुर जिले के फुलेरा में जोरपुरा थाना क्षेत्र स्थित प्रतापपुरा के जाटों का मोहल्ला का रहने वाला है। अभी जयपुर के लालकोठी के कृष्णानगर स्थित मकान में किराए पर रह रहा था। आरोपी पांच साल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की नौकरी कर चुका है। इसके बाद फाइनेंस का काम करने लगा। आरोप है कि लोगों को 5-10 प्रतिशत ब्याज पर पैसा देकर जबरन वसूली करता है। पैसा नहीं देने पर हरि बॉक्सर से धमकी दिलवाता है। मान प्रजापति सोशल मीडिया के जरिए हरि बॉक्सर से लगातार संपर्क में था।

अनमोल विश्नोई के नाम पर जयपुर में अवैध वसूली और जमीन खाली करवाने का काम भी करता। नेत्रपाल सिंह जयपुर जिले के आमेर स्थित कुंडा का रहने वाला है। जांच में सामने आया कि लॉरेंस के भाई अनमोल विश्नोई ने अपने साथियों के साथ कनाडा, बर्लिन (फ्रांस), जर्मनी में बैठकर जयपुर में गुर्गों से संपर्क कर एक गिरोह बना रखा है।

किशन रेड्डी ने नियुक्ति पत्र वितरित किए

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शहर के रेल कला रंग भवन में आयोजित 16वें रोज़गार मेले में नवनियुक्त केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के सपने को साकार करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज नौकरी पर आने वाले कर्मचारी अगले 25 वर्षों तक देश की प्रगति में प्रमुख भागीदार होंगे। उन्होंने कहा, अब तक आयोजित 15 दौर के रोज़गार मेलों में, हमने देश भर में 10.5 लाख लोगों को नियुक्ति पत्र दिए हैं। इस दौर में, हम 51,000 और लोगों को नियुक्तियां दे रहे हैं। हमारी ताकत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी (युवाओं की औसत आयु 30 वर्ष) है। इसने देश के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी को और बढ़ा दिया है और अपार अवसरों का मार्ग प्रशस्त किया है। इसी युवा शक्ति की बदौलत आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। पिछले 11 वर्षों में मोदी के नेतृत्व में देश में जो बदलाव हो रहे हैं, युवाओं की ऊर्जा और क्षमताओं के कारण, हम जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी के नेतृत्व में, वे युवाओं को रोज़गार सृजन के साथ-साथ नए अवसर पैदा करने के लिए पूरा समर्थन प्रदान कर रहे हैं, जिससे युवा सभी क्षेत्रों में देश के विकास में भागीदार बन रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विचार युवाओं को रोज़गार चाहने वालों से रोज़गार सृजकों तक नौकरियों का इंतज़ार करने के बजाय रोज़गार सृजन के लिए प्रोत्साहित करना था। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री युवाओं के लिए नौकरियों के लिए इंतज़ार करने की पुरानी परंपरा को खत्म करके और उन्हें स्टार्टअप, स्किलिंग आदि के माध्यम से सशक्त बनाकर एक मजबूत व्यवस्था बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। नतीजतन, 2017 से अब तक 8.5 करोड़ लोगों को नई नौकरियां मिली हैं। ईपीएफओ के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। 2020 से अब तक 18 से 28 वर्ष की आयु के 3.5 करोड़ से ज़्यादा युवाओं ने ईपीएफओ में पंजीकरण कराया है। अकेले वित्तीय वर्ष 2025 में 1.13 करोड़ लोग ईपीएफओ से जुड़ेंगे। आज दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम भारत में चल रहा है। भारत की 64 प्रतिशत आबादी सामाजिक सुरक्षा का लाभ उठा रही है। हम स्टार्टअप इंडिया के ज़रिए युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस योजना के ज़रिए देश में 1.60 लाख से ज़्यादा स्टार्टअप स्थापित हो चुके हैं। इनके ज़रिए 11 सालों में 17.6 लाख लोगों को रोज़गार मिला है। उन्होंने कहा कि यह प्रेरणादायक है कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में 1.6 लाख से ज़्यादा स्टार्टअप स्थापित हो चुके हैं और कहा कि इनकी वजह से रोज़गार के अवसरों के लिए राज्य की राजधानी आने की ज़रूरत नहीं रही। मोदी सरकार आस-पास के शहरों और कस्बों में अवसर प्रदान करने की दिशा में काम कर रही है। इससे स्थानीय प्रतिभाओं और स्थानीय व्यवसायों को काफ़ी फ़ायदा हो रहा है।

एई 90,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार

पेद्दापल्ली, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को कलवाश्रीरामपुर मंडल के गंगाराम गांव में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने पंचायती राज के सहायक अभियंता जगदीश को 90,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, कलवासरीरामपुर पंचायती राज कार्यालय में तैनात जगदीश ने सीसी सड़क कार्यों से संबंधित बिलों को मंजूरी देने के लिए एक ठेकेदार राजू से रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत देने से इनकार करने पर ठेकेदार ने एसीबी से संपर्क किया, जिसने जाल बिछाया और इंजीनियर को पैसे लेते समय पकड़ लिया।

पिता-पुत्र की करंट लगने से मौत

संगारेड्डी, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापुर मंडल के गोलापल्ली में शनिवार को एक दुखद घटना में, एक व्यक्ति और उसका बेटा अपने घर की छत पर स्टील की छड़ ले जाते समय बिजली के तारों की चपेट में आ गए, जिससे उनकी करंट लगने से मौत हो गई। वे चकाली मनैया (46) और उनके बेटे वेंकटेशम (22) थे। पिता-पुत्र शनिवार को अपने घर पर काम कर रहे थे।

संख्या की समीक्षा के लिए गठित समिति से सरकारी कर्मचारियों में चिंता

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा विभागों में कर्मचारियों की संख्या की समीक्षा के लिए एक समिति के गठन से कर्मचारियों में चिंता पैदा हो गई है। जहां कुछ लोग इस कदम को लागत में कटौती का उपाय मान रहे हैं, वहीं अन्य लोगों को संदेह है कि यह विभागों के विलय तथा व्यय में और कटौती की एक पहल हो सकती है। 8 जुलाई को, राज्य सरकार ने जीओ एमएस. संख्या 111 जारी किया, जिसमें एमसीआरएचआरडी महानिदेशक ए शांति कुमारी, वेतन संशोधन आयुक्त एन शिव शंकर, प्रमुख सचिव (वित्त) संदीप कुमार सुल्तानिया और जीएडी सचिव एम रघुनंदन राव की चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

समिति को सभी सरकारी विभागों, निगमों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्थानीय निकायों, समितियों, विश्वविद्यालयों और संस्थानों में नियमित, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों सहित कर्मचारियों की स्थिति की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। यह समय के साथ विभागों की भूमिकाओं, मुख्य कार्यों और प्राथमिकताओं में बदलावों का आकलन करेगी। यह समिति विभिन्न विभागों में स्वीकृत, कार्यरत और रिक्त पदों की संख्या का अध्ययन करेगी और इन पदों को बनाए रखने, समाप्त करने या संशोधित करने के बारे में सुझाव देगी। यह संविदा और आउटसोर्स नियुक्तियों जैसी सभी प्रकार की अस्थायी सेवाओं का भी मूल्यांकन करेगी। समिति द्वारा 60 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। हालांकि, इस फैसले से कर्मचारियों में चिंताएं बढ़ गई हैं। उनका तर्क है कि वित्त विभाग के पास पहले से ही सभी प्रकार के कर्मचारियों का व्यापक डेटा मौजूद है, जिसका इस्तेमाल वेतन वितरण के लिए किया जाता है।

तेलंगाना उद्योग संघम के अध्यक्ष ए पद्मा चारी ने समिति को पांच महंगाई भत्ते (डीए), स्वास्थ्य कार्ड, पेंशन और अन्य बकाया राशि के भुगतान सहित लंबे समय से लंबित लाभों को विलंबित करने की एक चाल करार दिया। पद्मा चारी ने कहा कि कर्मचारियों में यह भी चिंता है कि यह व्यय में कटौती के लिए विभागों को विलय करने और कर्मचारियों को कम करने की रणनीति है। मार्च में, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्वीकार किया था कि सरकार पर सेवानिवृत्ति लाभों के रूप में 8,000 करोड़ रुपये बकाया हैं। उन्होंने कहा था कि औसतन हर महीने 1,000 कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं। कर्मचारियों को इस बात की भी चिंता है कि कई विभागों में पहले से ही कर्मचारियों की कमी है और प्रशासनिक कार्यों के प्रबंधन के लिए सीमित मानव संसाधनों पर निर्भर हैं। अनुबंधित या आउटसोर्स कर्मचारियों की संख्या में भी कटौती करने का कोई भी कदम परिचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इस साल फरवरी में, सरकार ने विभिन्न विभागों में पुनः नियुक्त किए गए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया। कुछ को सेवामुक्त कर दिया गया, जबकि कुछ अन्य काम करते रहे।

यूनियन नेताओं ने पूर्व मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी को समिति में शामिल करने पर भी सवाल उठाए, जबकि वह वर्तमान में एमसीआरएचआरडी के महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने इसे सरकार की अपनी नीति के साथ असंगत बताया। पिछले साल दिसंबर में सचिवालय में चेहरे की पहचान वाली उपस्थिति प्रणाली की शुरूआत ने भी इस आशंका को और बढ़ा दिया है। कुछ कर्मचारियों का मानना है कि इस प्रणाली का राज्य भर के सभी विभागों में विस्तार किया जा सकता है।

मानचित्र विवाद में भाजपा आंध्र प्रदेश प्रमुख ने अपनी गलती सुधारी

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यह सर्वविदित है कि नवनियुक्त आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पीवीएन माधव ने हाल ही में आंध्र प्रदेश में टीडीपी के वरिष्ठ नेता और आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश से विनम्रतापूर्वक मुलाकात की और उन्हें तेलंगाना राज्य की छवि के बिना अविभाजित भारत का मानचित्र भेंट किया। यह मानचित्र दोनों तेलुगु भाषी राज्यों में चर्चा का विषय बन गया है क्योंकि बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने माधव के इस कृत्य पर कड़ी आपत्ति जताई है। नेटिज़न्स ने भी आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष माधव पर अपना गुस्सा व्यक्त करते हुए कहा है कि देश के मानचित्र से तेलंगाना की छवि जानबूझकर गायब कर दी गई है। हालांकि, आंध्र प्रदेश भाजपा के प्रदेश प्रमुख माधव ने अब अपनी गलती सुधार ली है। उन्होंने आज हैदराबाद में पूर्व एमएलसी रामचंद्र राव से विनम्रतापूर्वक मुलाकात की और उन्हें तेलंगाना पार्टी प्रमुख नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने एक बार फिर उन्हें तेलंगाना राज्य की छवि वाला अखंड भारत का मानचित्र भेंट किया। इस संदर्भ में, तेलंगाना भाजपा राज्य शाखा के ट्विटर हैंडल से मानचित्र विवाद पर एक दिलचस्प पोस्ट ट्वीट किया गया। इसमें कहा गया है, अखंड भारत के गौरवशाली इतिहास की व्याख्या करने वाले चित्र पर आपत्तियां ढूंढ़ना पहाड़ खोदकर चूहा पकड़ने या अंडे से पंख निकालने जैसा है। इसमें यह भी कहा गया है कि माधव ने एक ऐसा चित्र प्रस्तुत किया

जो भारत के सांस्कृतिक वैभव को दर्शाता है और तेलंगाना राज्य के प्रति अपने स्नेह, भाईचारे और सम्मान को व्यक्त करता है। दूसरी ओर, आंध्र प्रदेश भाजपा प्रमुख माधव ने भी एक्स प्लेटफ़ॉर्म पर एक स्पष्टीकरण पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि तेलुगु एकता पर राजनीतिक रेखाएं खींचने वालों को इतिहास के सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और कहा कि तेलुगु लोग उन लोगों को हमेशा याद रखेंगे, जो वोट के लिए तस्वीरों में रेखाएं खींचते हैं और क्षेत्रीय नफ़रत भड़काते हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना और आंध्र के लोगों के बीच के बंधन को तोड़ने की कोशिशें उनकी संकीर्णता का प्रमाण हैं। मैं एक राष्ट्रवादी हूं। मुझे एक गौरवान्वित तेलुगु व्यक्ति हूं, जिसने तेलुगु राज्यों में तेलुगु भाषा, संस्कृति और सम्मान के लिए राज्य विधान परिषद में सक्रिय रूप से काम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना और उसकी महान संस्कृति के प्रति उनका प्रेम और सम्मान राजनीतिक आलोचना से परे है। उन्होंने आलोचना की कि जो लोग रजाकारों की प्रशंसा करते हैं और निज़ाम के वंशजों के आगे नतमस्तक होते हैं, वे तेलंगाना के लोगों के दिलों में बसी संस्कृति, राष्ट्रीयता और समानता के मूल्यों को कभी नहीं समझ पाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाईचारे वाले तेलंगाना राज्य के प्रति उनके प्रेम और सम्मान को कोई भी कम या बदल नहीं सकता।

67 मोबाइल फोन बरामद किए, मालिकों को लौटाए

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने नागरिकों के 67 मोबाइल फोन बरामद किए, जो या तो खो गए थे या चोरी हो गए थे। बंजारा हिल्स के एसीपी वेंकट रेड्डी ने शनिवार को ये फोन उनके मालिकों को सौंप दिए। हैदराबाद पुलिस की विभिन्न शाखाओं ने मिलकर केन्द्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके फोन बरामद किए। पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे खोए हुए मोबाइल फोन की सूचना या तो अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में या सीधे सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से दें, जो ऑनलाइन उपलब्ध है। एसीपी ने कहा कि सीईआईआर पोर्टल का उपयोग करने से चोरी हुए फोन के दुरूपयोग को रोकने और उनकी शीघ्र बरामदगी में मदद मिलती है।

हाइड्रा ने अतिक्रमण हटाया और नालों से निकाली गाद

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रबंधन और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने हाइड्रा मानसून आपातकालीन टीमों (एचएमईटी) और डीआरएफ टीमों को शामिल करके शहर के नालों से गाद निकालने का काम शुरू किया है। ये प्रयास शहर के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और भारी बारिश के प्रभाव को कम करने की एक व्यापक पहल का हिस्सा हैं।

सम्मान पाना है तो स्वभाव को सौम्य और सरल बनाएं : श्री चन्द्रप्रभ जी

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि मानवता की सेवा करने वाले हाथ उतने ही धन्य होते हैं जितने परमात्मा की प्रार्थना करने वाले होंठ। यदि आप चाहते हैं कि सभी लोग आपको प्यार व सम्मान दें तो आप अपने क्रूर और क्रोधित स्वभाव को सरल और सौम्य बनाएं। आग से जलते वृक्ष की शाखा पर आख़िर कोई भी पंछी बैठना पसंद नहीं करता। हमेशा गुलाब के फूल की तरह रहिए, जो तब भी खुशबू देता है, जब कोई उसे मसलता है। धीरज मत खोओ। हीनता और हताशा शोभा नहीं देती। अपने आत्म-विश्वास को बढ़ाओ, फिर से प्रयास करो, सफलता अवश्य मिलेगी।

वे यहां नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित 53 दिवसीय प्रवचनमाला में सातवें दिन जीवन को कैसे स्वर्ग बनाएं विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन को भुनभुनाते हुए नहीं, गुनगुनाते हुए जीना चाहिए। हमारा जीवन परम पिता परमेश्वर का प्रसाद है। इसे विषाद बनाना हमारे जीवन की भूल है। थाली में आए हुए भोजन में कमी निकालने की बजाय हमें भगवान का शुकराना अदा करना चाहिए, जिसकी कृपा की बदौलत हमें भोजन मिला है। कड़ी मेहनत करके अन्न उपजाने वाले किसान और 46 डिग्री गर्मी में भी किचन में खाना बनाने वाली भागवान का शुकराना अदा करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक जमाना था जब हमारे पास सुविधाएं कम थी, पर सुकून बहुत था। आदमी सुख की रोटी खाता था और चैन की नींद सोता था। गले में सोने की चैन हो या न हो, पर रात को चैन की नींद है तो आप दुनिया के सबसे सुखी आदमी हैं। क्रोध, कषाय और अहंकार में जीने वाला व्यक्ति अपने जीवन की सुख की घड़ियाँ हाथ से खो देता है। तब ज़िंदगी बड़ी गज़ब की हो जाती है, जब बेडरूम में तो एसी लगा होता है, पर आदमी के दिमाग में हीटर जल रहा होता है।

संतप्रवर ने कहा कि यह जीवन परमपिता परमेश्वर का दिया हुआ वरदान है। दुनिया में इससे ज्यादा बेशकीमती और कुछ नहीं हो सकता। कल्पना कीजिए इस दुनिया में सब कुछ हो, पर हमारा जीवन न हो, तो पूरी दुनिया क्या काम की रहेगी? उन्होंने कहा कि दुनिया में जब हम आते हैं तो तीन पन्नों की डायरी साथ लेकर आते हैं। डायरी का पहला पन्ना जन्म है, तो अंतिम पन्ना मृत्यु। केवल बीच का एक पन्ना हमें खाली मिलता है, जिसका नाम है ज़िंदगी। तय आपको करना होता है कि इस खाली पन्ने में आप क्या भरते हैं? ये खाली पन्ना ही आपके जीवन को तय करता है और आपका जीवन ही इस खाली पन्ने को भरता है।

संतप्रवर ने कहा कि माचिस की तीली के सिर होता है, पर दिमाग नहीं, इसलिए वह थोड़े से घर्षण से जल उठती है, हमारे पास सिर भी है और दिमाग भी, फिर हम छोटी-सी बात पर उत्तेजित क्यों हो जाते हैं? बाधाओं को देखकर विचलित न हों। विश्वास रखें, जीवन में निन्यानवे द्वार बंद हो जाते हैं तब भी कोई-न-कोई एक द्वार ज़रूर खुला रहता है। सावधान! पल भर का क्रोध आपका पूरा भविष्य बिगाड़ सकता है।

इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय जी ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई। समारोह का शुभारंभ शिव राज, मिट्ठा लाल, गौतम चंद, दर्शन कुमार सहलोत परिवार, शिवराज लक्ष्मी चंद ज्वेलर्स खैरताबाद ने किया।

कार्यक्रम में संघ संरक्षक विमल नाहर, अध्यक्ष मोतीलाल भलघट, वाइस चेयरमैन उमेश बागरेचा, अध्यक्ष प्रदीप सुराना, कार्य अध्यक्ष अमित मुनोत, स्वागत अध्यक्ष पवन पांडया, प्रधान संयोजक नवरतन मल गुंदेचा, महामंत्री अशोक नाहर, कोषाध्यक्ष मानक चंद्र पोखरणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विमल चंद मूथा, उपाध्यक्ष कुशल कांकरिया, योगेश गांधी महावीर चोपड़ा निर्मल कोठारी मंत्री प्रवीण सुराणा चंद्र प्रकाश लोढ़ा, सह मंत्री रोमिल गोलेछा, महावीर भलगट विशेष रूप से उपस्थित थे। मंच संचालन महामंत्री अशोक कुमार नाहर ने किया।

नकली बीजों की आपूर्ति के मुख्य आरोपी सुरेश बाबू के विरूद्ध पीडी एक्ट

आसिफाबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने कहा कि नकली बीजों की आपूर्ति के मुख्य आरोपी सुरेश बाबू को पीडी एक्ट के तहत हिरासत में रखने के आदेश जारी किए गए। उसे कौटाला सर्कल इंस्पेक्टर मुत्यम रमेश की निगरानी में शनिवार को चेरलापल्ली जेल भेज दिया गया। नकली बीजों की आपूर्ति के मामले में आरोपी के विरूद्ध चिनथला मनेपल्ली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उसे 3 जुलाई को रवींद्र नगर 1, गांव के बाहरी इलाके से गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया। आंध्र प्रदेश के गोरंटला, कोमाराम भीम, आसिफाबाद जिले में नकली कपास के बीजों की आपूर्ति के मुख्य आरोपी है। जिला पुलिस अधीक्षक ने आज एक बयान में कहा कि सुरेश बाबू के विरूद्ध पीडी एक्ट लागू किया गया है। एसपी ने बताया कि गोरंटला सुरेश बाबू नामक व्यक्ति, भीमावरम, इंकोल्लू मंडल, प्रकाशम जिला, आंध्र प्रदेश राज्य, नकली बीज आपूर्ति के कई मामलों में एक प्रमुख आरोपी है। उसके खिलाफ 2018 से 2025 तक आसिफाबाद जिले के चिंतलामनेपल्ली मंडल, बेज्जुर मंडल, सिरपुर-टी मंडल और आसिफाबाद मंडल में कई मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन वह फिर से नकली बीज आपूर्ति करके और निर्दोष लोगों को ठगकर गंभीर अपराध कर रहा था। ऐसे आदतन आरोपी के अपराधों पर स्थायी रूप से अंकुश लगाने के इरादे से, पीडी अधिनियम लागू किया गया

स्लैब गिरने से चार मजदूर घायल

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल स्थित अनुराग विश्वविद्यालय में शनिवार को एक निर्माणाधीन इमारत की आरसीसी स्लैब की छत का एक छोटा हिस्सा गिर जाने से चार निर्माण श्रमिक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हालांकि स्लैब गिरने का कारण पता नहीं चल पाया है, लेकिन ओडिशा के रहने वाले सभी घायल व्यक्ति सुबह हमेशा की तरह काम पर आए थे, जब यह घटना घटी। घायलों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर मेडचल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

आईआईआईटी हैदराबाद को आईआईटी कानपुर से नए निदेशक प्रो. संदीप शुक्ला मिलेंगे

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद (आईआईआईटीएच) ने अपना 24वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया और 529 छात्रों को स्नातक की उपाधि प्रदान की। कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) में बी.टेक (ऑनर्स) विनीत भट्ट को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए आईआईआईटीएच स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। रेवंत कुमार गुंडम (कंप्यूटर विज्ञान में बी.टेक और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान में मास्टर ऑफ साइंस बाय रिसर्च की दोहरी डिग्री) को शैक्षणिक, पाठ्येतर गतिविधियों और आईआईआईटीएच की सेवाओं में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का पुरस्कार दिया गया। प्रदीप कुमार पाल (कम्प्यूटेशनल प्राकृतिक विज्ञान में पीएचडी) को छात्र मामलों से संबंधित निरंतर स्वैच्छिक प्रयासों के लिए बरगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नीति आयोग की प्रतिष्ठित फेलो, नीति फ्रंटियर टेक हब की मुख्य वास्तुकार और नैसकॉम की पूर्व अध्यक्ष देबजानी घोष ने आईआईआईटी हैदराबाद के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और स्नातक छात्रों को उपाधियां प्रदान कीं।

जन सेवा संघ क्षेत्रीय समिति का गठन

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर पी सिंह के अध्यक्षता में क्षेत्रीय समिति बंजारा हिल्स की बैठक संघ के केंद्रीय कार्यालय ईस्ट मैरेडपल्ली में संपन्न हुआ।

बैठक में सभी सदस्यों को जन सेवा संघ की सदस्यता दिलाई गई जिसमें अध्यक्ष नवरतन कुमार पासवान, वार्किंग अध्यक्ष विष्णुकांत झा, उपाध्यक्ष अतिउत्तम कुमार पासवान एवं दिलीप कुमार यादव, महासचिव चंदन कुमार पासवान, संयुक्त सचिव भाग्य नारायण साह एवं बिट्टू कुमार सिंह, सचिव कमलेश पासवान, कोषाध्यक्ष विशाल राज यादव, कार्यकारिणी सदस्यों में नगेंदर पासवान, नीतीश पासवान, राकेश कुमार पासवान, दीपक पासवान, राहुल पासवान आदि ने संकल्प लिया कि जन सेवा संघ के सभी कार्यों को पूरी निष्ठा से करेंगे। इसके साथ ही बाबूलाल दोषी को महाकाली एवं महेंदर सिंह को रामगोपालपेट क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

नवगठित समिति को संबोधित करते हुए अध्यक्ष आर पी सिंह ने सभी सदस्यों को समाज की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। महासचिव राजीव चौबे ने नियुक्ति पत्र देते हुए कहा कि आप सब समाज के कार्य को तन मन धन से करेंगे। कार्यालय प्रभारी सीताराम ठाकुर एवं जोनल प्रेसिडेंट दिनेश चंदन ने संस्था के विषय में पूरी जानकारी दी।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा द्वारा समाज के छात्र-छात्राओं में शिक्षण सामग्री वितरित

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक सभा के निर्दोष भवन खैरताबाद में आयोजित की गई। बैठक में किए गए निर्णयों की समीक्षा एवं पिछली बैठक से आजतक के आय व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया। मुख्य रूप से समाज के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं में शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया।

सभा के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में आये विद्यार्थियों को उनकी अवश्यकता अनुसार सामग्री का वितरण किया गया। सामग्री की व्यवस्था में सभा के उपाध्यक्ष श्री राकेश तिवारी का सहयोग उल्लेखनीय रहा। बैठक की अध्यक्षता डॉ राम कुमार तिवारी ने की। कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला, आयोजन मंत्री सूर्य प्रकाश शुक्ला, महामंत्री विजयपाल पाण्डेय, सम्पर्क मंत्री राजेंद्र प्रसाद तिवारी, सांस्कृतिक मंत्री रत्नकला मिश्रा, व्यवस्था मंत्री दुर्गा प्रसाद मिश्रा, युवा मामलों के मंत्री जय शंकर प्रसाद तिवारी, शोभा दुबे, प्रेम सुन्दर शुक्ला, राहुल मिश्रा,श्रीदत्त शुक्ला, प्रेम कुमार शर्मा ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ईएसी-पीएम अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष एस. महेंद्र देव ने शनिवार को जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान, मुख्यमंत्री ने मुख्य रूप से तेलंगाना को विकास के पथ पर अग्रसर करने के विषय पर ध्यान केंद्रित किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि संघीय ढांचे के भीतर केंद्र और राज्यों के बीच परस्पर सम्मान आवश्यक है। उन्होंने कहा, देश तभी प्रगति कर सकता है जब उसके राज्य प्रगति करें। हम हैदराबाद और राज्य के शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार तेलंगाना के औद्योगिक और सेवा दोनों क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बना रही है। उन्होंने कहा, कंपनियां राज्य की ओर तभी आकर्षित होंगी जब कार्यबल के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे। राज्य सरकार हैदराबाद के चारों ओर एक क्षेत्रीय रिंग रोड बनाने जा रही है और इस रिंग रोड से जुड़ने वाली रेडियल सड़कों का भी निर्माण कर रही है। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने ऊंची ब्याज दरों पर लिए गए ऋणों पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि ये ऊंची दरें राज्य की प्रगति में बाधा बन रही हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा, ऋण चुकाना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। राज्य के राजस्व का उपयोग ब्याज भुगतान के लिए किया जा रहा है। हम इन ऋणों पर ब्याज कम करने के लिए काम कर रहे हैं। प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया (वित्त) भी बैठक में उपस्थित थे।

आरसीआई बालापुर में दो तेंदुए देखे गए

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) परिसर में शुक्रवार को दो तेंदुए देखे जाने की खबर मिलने के बाद बालापुर और आसपास के उपनगरों के निवासियों में दहशत फैल गई। ऑनलाइन प्रसारित एक वीडियो में तेंदुए एक सुनसान इलाके में टहलते हुए दिखाई दे रहे हैं और माना जा रहा है कि वे घने जंगल वाले इलाके में घुस आए होंगे। स्थानीय निवासियों ने इन जानवरों को देखने का दावा करते हुए पुलिस और वन विभाग दोनों को सूचित किया है। वन विभाग और बालापुर पुलिस के अधिकारियों ने स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया है और आस-पास के निगरानी कैमरों की फुटेज की समीक्षा कर रहे हैं। इस बीच, रक्षा प्रयोगशाला विद्यालय विज्ञानकांचा के प्रबंधन ने अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों का पूरा ध्यान रखें और अगली सूचना तक उन्हें किसी भी परिस्थिति में अकेले बाहर न जाने दें।

तेलंगाना के सरकारी स्कूल परिवर्तनकारी शिक्षा के लिए एआई

26,000 स्कूलों तक इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास शुरू

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण से महत्वपूर्ण बदलाव आने वाले हैं। आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू, अक्सर यह विश्वास व्यक्त करते हैं कि सभी को एआई का उपयोग करना चाहिए और उससे लाभ प्राप्त करना चाहिए, और यह दृष्टिकोण अब साकार होता जा रहा है। आईटी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि एआई उपकरणों को ठीक से काम करने के लिए इंटरनेट की आवश्यकता होती है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, राज्य सरकार ने टी-फाइबर के माध्यम से दूरदराज के गांवों में स्थित 26,000 स्कूलों तक इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं और इसमें प्रगति हो रही है। मंत्री श्रीधर बाबू के उद्देश्यों के अनुरूप, टी-फाइबर के एमडी वेणुप्रसाद पन्नू ने पहले ही कई स्कूलों में एआई-तैयार कक्षाएं स्थापित कर दी हैं और उन्हें हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधाओं से लैस कर दिया है। पेद्दापल्ली जिले के आदिवासी श्रीरामपुर गाँव में स्थित ज़िला परिषद हाई स्कूल को इस पहल के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा प्राप्त हुई है। इस कनेक्टिविटी ने शिक्षकों को अपने पाठों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करने में सक्षम बनाया है, जिससे वे छात्रों की जिज्ञासाओं का प्रभावी ढंग से समाधान कर पा रहे हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि एआई उपकरण, छात्रों के प्रश्नों के उत्तर देकर और उनके पाठों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी प्रदान करके सक्रिय रूप से उनकी सहायता कर रहा है।

शिक्षक और छात्र दोनों ही इस संसाधन को लेकर उत्साहित हैं, खासकर इसलिए क्योंकि वे एक छोटे से गांव के सरकारी स्कूल से हैं। टी-फाइबर टीम ने इस उपलब्धि को सोशल मीडिया पर साझा किया, जिस पर सैन फ्रांसिस्को, कैलिफ़ोर्निया स्थित पर्प्लेक्सिटी एआई के सह-संस्थापक और सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि छात्र अपने सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उनके मुफ़्त एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं, और इस बात पर ज़ोर दिया कि तेलंगाना के एक दूरस्थ क्षेत्र में स्थित एक सरकारी स्कूल के लिए यह क्षण वास्तव में उल्लेखनीय है। पिछले साल अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, मंत्री श्रीधर बाबू ने पर्प्लेक्सिटी एआई के सह-संस्थापक और सीईओ अरविंद श्रीनिवास से मुलाकात की और उनसे तकनीकी समानता हासिल करने में तेलंगाना राज्य का साथ देने का अनुरोध किया।

हाल ही में, टी-फाइबर के एमडी वेणुप्रसाद पन्नू ने सैन फ्रांसिस्को की यात्रा की और तेलुगु आईटी उद्यमियों से स्कूलों को इंटरनेट की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एक बड़े पैमाने पर पहल में शामिल होने का आग्रह किया, जो उनकी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इस यात्रा में, आदिवासी श्रीरामपुर गाँव का ज़ेडपी हाई स्कूल अब अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

मृत समझा गया व्यक्ति जिंदा मिला

वारंगल, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एमजीएम अस्पताल के शवगृह में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब पुलिस ने एक निर्माण मजदूर कुमार स्वामी के परिवार को गलत शव सौंप दिया। बाद में पता चला कि कुमार स्वामी जीवित थे और उनका इलाज चल रहा था। यह गड़बड़ी तब शुरू हुई जब 9 जुलाई को दो घायलों को अस्पताल लाया गया-एक वारंगल-खम्मम राजमार्ग पर और दूसरा रेलवे ट्रैक पर। रेल दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई।

कुमार स्वामी के परिवार को उनकी 'मृत्यु' की सूचना दी गई और उन्होंने रेलवे दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के शव की पहचान कुमार स्वामी के रूप में की। शव को अंतिम संस्कार के लिए मायलाराम गांव ले जाया गया। हालांकि, अंतिम संस्कार से ठीक पहले, उनकी बेटी ने शव के हाथ पर एक टैटू देखा- एक ऐसा निशान जो कुमार स्वामी के पास नहीं था। शव को शवगृह में वापस रख दिया गया और एक दिन बाद अधिकारियों ने पुष्टि की कि कुमार स्वामी जीवित हैं और मृतक अज्ञात रेल दुर्घटना का शिकार था। अधिकारियों ने बताया कि यह गड़बड़ी एमजीएम शवगृह में हुई जब ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने गलती से गलत शव सौंप दिया। इस चूक की जांच चल रही है। इस बीच, अब चुनौती मृतक की पहचान स्थापित करने की है, जो अभी तक अज्ञात है।

नकली दवाएं बेचने के आरोप में मेडिकल एजेंसी का पार्टनर गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन, तेलंगाना ने नकली दवाओं के कारोबार के आरोप में साई नगर, डॉक्टर्स स्ट्रीट, करीमनगर स्थित वेणु मेडिकल एजेंसीज के प्रबंध साझेदार-सह-सक्षम व्यक्ति आर. वेणु गोपाल को गिरफ्तार किया। उक्त डीलर को नकली दवा- 'लेविपिल 500' टैबलेट (लेवेटिरेसेटम टैबलेट 500 एमजी)- की जब्ती के संबंध में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बारे में झूठा दावा किया गया था कि यह सन फार्मा लैबोरेटरीज लिमिटेड द्वारा निर्मित है।

डीसीए की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि करीमनगर के प्रथम अतिरिक्त न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट न्यायालय ने आरोपी को 23 जुलाई, 2025 तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया, जिसके बाद आरोपी को जिला कारागार, करीमनगर भेज दिया गया।

औषधि नियंत्रण प्रशासन के महानिदेशक शाहनवाज कासिम ने डीसीए के अधिकारियों को दिए गए अपने निर्देशों को दोहराया कि वे नकली या जाली दवाओं के वितरण या बिक्री में शामिल डीलरों, मेडिकल दुकानों और फार्मेसियों के प्रति शून्य सहनशीलता सुनिश्चित करें। ऐसे सभी अपराधियों के विरुद्ध अनिवार्य रूप से कठोर कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें कानून के अनुसार न्याय के कटघरे में लाया जाए।

तेलंगाना के तीर्थयात्री की अरुणाचलम में हत्या

भुवनगिरी, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री भुवनगिरी जिले के एक तीर्थयात्री की शुक्रवार को तमिलनाडु के अरुणाचलम मंदिर में अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर हत्या कर दी। यहां पहुंची खबरों के अनुसार, मोटकुर नगर पालिका के इंदिरानगर कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय चिप्पलापल्ली विद्यासागर पर तिरुवन्नामलाई में कथित तौर पर लुटेरों ने उस समय हमला किया जब वह गिरि प्रदक्षिणा अनुष्ठान में शामिल होने गए थे। जब उसने उनका विरोध करने की कोशिश की, तो उसे कई बार चाकू मारा गया। उसे बचाने आए एक प्रत्यक्षदर्शी ने उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। तिरुवन्नामलाई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश जारी है।

गोदावरी का जलस्तर 41 फीट के पार

जलस्तर बढ़ा, खतरे के निशान के करीब

कोत्तागुडेम, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और शनिवार को यह 40 फीट के निशान को पार कर गया। सुबह 10 बजे जलस्तर 41.10 फीट था, दोपहर 12 बजे यह 41.30 फीट पर पहुंच गया और दोपहर 1 बजे भी 41.30 फीट पर स्थिर रहा। पहला चेतावनी स्तर 43 फीट है। पिछले कुछ दिनों में अपने जलग्रहण क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के कारण वैनगंगा, वर्धा और सबरी जैसी गोदावरी की सहायक नदियों में उफान के कारण गोदावरी में भारी जलप्रवाह हुआ।

गोदावरी नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ज़िला अधिकारियों ने निचले इलाकों में रहने वालों को सतर्क रहने को कहा है। पुलिस अधीक्षक बी. रोथिथ राजू ने शुक्रवार को गोदावरी पुष्कर घाटों पर बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया।

उन्होंने बताया कि डीडीआरएफ की पांच टीमें तैयार हैं और जनता से आपात स्थिति में उनकी सेवाएं लेने के लिए 100 नंबर डायल करने को कहा गया है। ज़िले में बारिश की स्थिति सामान्य रही क्योंकि अधिकांश मंडलों में बारिश नहीं हुई।

टीटीडी में संयुक्त मुद्दों पर धर्मार्थ मंत्री की समीक्षा बैठक

तिरुमला, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के धर्मार्थ मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी ने टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू, ईओ जे श्यामला राव और धर्मार्थ सचिव विनय चंद के साथ धर्मार्थ विभाग और टीटीडी से संबंधित लंबित संयुक्त मुद्दों पर एक समीक्षा बैठक की। शनिवार दोपहर तिरुमाला स्थित अन्नामैया भवन में आयोजित इस बैठक में टीटीडी के अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी और जेईओ वीरब्रह्मम के साथ धर्मार्थ आयुक्त रामचंद्र मोहन भी शामिल हुए। इस बैठक में कॉमन गुड फंड (सीजीएफ) के लिए धनराशि जारी करने, मंदिरों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के अलावा श्रीवाणी ट्रस्ट के तहत निर्माणाधीन मंदिरों की स्थिति और कुछ अन्य लंबित मुद्दों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में टीटीडी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यनारायण, उप सचिव, धर्मस्व, सुधाकर राव, आंध्र प्रदेश धर्मस्व के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जीवीआर शेखर और टीटीडी तथा आंध्र प्रदेश धर्मस्व विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सेल्फी के बहाने पत्नी ने पति को कृष्णा नदी में धकेला, वीडियो वायरल

महबूबनगर, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक और भयावह घटना में, शनिवार को एक पत्नी ने सेल्फी लेने के बहाने अपने पति को कृष्णा नदी में धकेल दिया। यह घटना उस समय घटी जब तताप्पा और उनकी पत्नी कर्नाटक के रायचूर जिले के कडलूर गांव में कृष्णा नदी पर बने पुल के पास पहुंचे, जिसकी सीमा तेलंगाना के नारायणपेट जिले से लगती है।

पुल पर पहुंचकर, तताप्पा और उनकी पत्नी मोबाइल से कुछ तस्वीरें ले रहे थे। सेल्फी लेने के चक्कर में, उनके पति गलती से कृष्णा नदी में गिर गए। तताप्पा तैरकर नदी में एक चट्टान को पकड़ने में कामयाब रहे। उनकी चीखें सुनकर, वहां से गुज़र रहे स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और रस्सी से उन्हें बचाया। राहत की सांस लेने के बाद, तताप्पा ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने जानबूझकर उसे नदी में धकेला था।

जब दोनों के बीच मौके पर बहस जारी रही, तो स्थानीय लोगों ने उन्हें शांत कराया और उनके माता-पिता को बुलाया। खबरों के अनुसार, आखिरकार, दोनों को उनके घर ले जाया गया। अधिक जानकारी का इंतज़ार है और घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

काम न मिलने से परेशान इंजीनियर ने की आत्महत्या

नलगोंडा, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बेरोजगार सॉफ्टवेयर इंजीनियर अखिल रूपानी (24) ने शुक्रवार को आत्महत्या कर ली। उन्होंने बेरोजगारी से निराशा के कारण नलगोंडा जिले के चित्याल मंडल में ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। चित्याला रेलवे स्टेशन के पास लिंगमपल्ली जा रही नारायणद्री एक्सप्रेस ट्रेन के नीचे कूदकर अखिल की मौत हो गई। नेराडा गांव के रहने वाले अखिल ने बी.टेक की पढ़ाई पूरी की और कुछ समय तक हैदराबाद की एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम किया। हालांकि, कम वेतन से नाखुश होकर, वह एक साल पहले अपने गांव लौट आया। बेहतर नौकरी पाने की तमाम कोशिशों के बावजूद, अखिल को बार-बार नौकरी से हाथ धोना पड़ा, जिससे उसे गहरी निराशा और मानसिक परेशानी हुई। अखिल के पिता कृष्ण की शिकायत पर स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नलगोंडा में 40 नई इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी के साथ शनिवार को नलगोंडा जिला मुख्यालय में 40 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। नलगोंडा जिले के लिए कुल 77 इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 40 का पंजीकरण हो चुका है और मंत्रियों द्वारा आधिकारिक तौर पर उनका शुभारंभ भी किया जा चुका है। एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए, मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बस को आरटीसी बस स्टेशन से नलगोंडा शहर के आर एंड बी गेस्ट हाउस तक चलाया। इस दौरान मंत्री पोन्नम प्रभाकर, अन्य विधायक और अन्य नेता भी मौजूद थे। इससे पहले, मंत्रियों ने नलगोंडा में जिला मुख्यालय के पास दंडमपल्ली में 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एक स्वचालित परीक्षण केंद्र भवन के निर्माण की आधारशिला रखी। बाद में, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि दुर्घटनाएं लापरवाही से वाहन चलाने और वाहन की फिटनेस की कमी जैसे कारणों से हो रही हैं और स्वचालित परीक्षण केंद्र इन दुर्घटनाओं को कम करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि स्वचालित परीक्षण केंद्र तकनीकी उपकरणों की मदद से लगभग 15 पहलुओं में यह निर्धारित करेगा कि कोई वाहन सड़क पर चलने योग्य है या नहीं। पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि सरकार का उद्देश्य परिवहन क्षेत्र में तकनीकी क्रांति लाना है और इसी के तहत, तेलंगाना राज्य भर में 8 करोड़ रुपये प्रति वाहन की लागत से 17 स्वचालित परीक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। अपनी यात्रा के दौरान, मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और पोन्नम प्रभाकर ने नलगोंडा जिले के मदुगुलापल्ली मंडल केंद्र में 14.70 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एकीकृत मंडल कार्यालय भवन परिसर की आधारशिला भी रखी। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने नलगोंडा जिले में कई विकास और उद्घाटन कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

10 जिलों में खरीफ सीजन के लिए बारिश की कमी खतरा

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के 33 में से 10 ज़िलों में बारिश की कमी राज्य के कृषि क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। 9 जुलाई तक धान की बुवाई सामान्य से नौ प्रतिशत से भी कम होने के कारण, इसका खरीफ की संभावनाओं पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी से जानकारी के अनुसार, 1 जून से 9 जुलाई, 2025 तक कुल वर्षा 165.5 मिमी दर्ज की गई है, जबकि सामान्य वर्षा 185.4 मिमी होती है, जो कुल मिलाकर 11 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। 9 जुलाई से पहले का सप्ताह विशेष रूप से शुष्क रहा, जिसमें राज्य में सामान्य 45.4 मिमी की तुलना में केवल 27.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो -39 प्रतिशत का महत्वपूर्ण विचलन है।

तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहा है, जिससे किसानों को उम्मीद जगी है। उन्होंने मानसून से बड़ी उम्मीदें लगाई थीं। जुलाई के पहले सप्ताह में मध्यम से अच्छी बारिश हुई। हालांकि, कुल मिलाकर कम बारिश के कारण वर्षा का वितरण असमान रहा है, और दस जिलों (मंचेरियल, पेद्दापल्ली, संगारेड्डी, जयशंकर भूपलपल्ली, जंगों, मेडचल, सूर्यपेट, नलगोंडा, यादाद्री भोंगिरी और हैदराबाद) में कम वर्षा हुई है।

कुल मिलाकर, 23 जिलों में सामान्य वर्षा हुई है, जिससे उन क्षेत्रों के किसानों को कुछ राहत मिली है। कम वर्षा का असर खरीफ की बुवाई पर पड़ा है, जहां अब तक केवल 56.26 लाख एकड़ (42.48 प्रतिशत) में ही बुवाई हुई है, जबकि सामान्य क्षेत्रफल 132.44 लाख एकड़ है। धान, कुल्थी, मूंगफली, तिल, सूरजमुखी और अरंडी जैसी प्रमुख फसलों की बुवाई दर मौसम के सामान्य क्षेत्रफल से 25 प्रतिशत कम रही है। तेलंगाना के लिए एक महत्वपूर्ण फसल, धान, प्रभावित हुई है। 62,47,868 एकड़ के सामान्य क्षेत्रफल का केवल 8.02 प्रतिशत ही बोया गया है, यानी केवल 5,01,129 एकड़ ही बोया गया है। इसके विपरीत, मक्के की बुवाई उम्मीद से बेहतर रही है, जो सामान्य क्षेत्रफल का 102.52 प्रतिशत है। 5,21,206 एकड़ के लक्ष्य के मुकाबले 5,34,318 एकड़ में बुवाई हुई है। कपास की बुवाई भी प्रगति पर है और 48,93,016 एकड़ में से 36,30,988 एकड़ में बुवाई हुई है, जो सामान्य क्षेत्रफल का 74.21 प्रतिशत है।

राज्य में अधिकांश वर्षा आधारित फसलों की बुवाई का आदर्श समय 15 जुलाई से 25 जुलाई के बीच है। कुछ फसलें आमतौर पर जुलाई के अंत तक बोई जाती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 16 जुलाई तक कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया है। कुछ जिलों में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है। हालांकि, मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि अगले दो हफ़्तों में पर्याप्त बारिश की संभावना कम ही है।

आवारा कुत्तों के हमले में 2 साल की बच्ची घायल

कोत्तागुडेम, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बर्गमपाडु मंडल मुख्यालय स्थित गौतमी कॉलोनी में शनिवार को एक दो वर्षीय बच्ची पर गली के कुत्ते ने हमला कर उसे काट लिया। यह घटना उस समय हुई जब इशिका नाम की बच्ची घर पर खेल रही थी। बच्ची को गंभीर रूप से घायल अवस्था में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि ग्राम पंचायत के अधिकारी और कर्मचारी निष्क्रिय बने हुए हैं, जबकि बंदर और गली के कुत्ते निवासियों, मवेशियों और मुर्गियों पर हमला कर रहे हैं।

स्ट्रीट वेंडर्स को एसएचजी-शैली का मिलेगा समर्थन

करीमनगर, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में स्ट्रीट वेंडरों को जल्द ही राष्ट्रीय शहरी रोजगार योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों की तरह सामान्य हित समूहों (सीआईजी) में संगठित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बचत की आदतों को बढ़ावा देना और बैंक ऋण तक पहुंच को आसान बनाना है। नगर निगम क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन मिशन (एमईपीएमए) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में ऐसे रेहड़ी-पटरी वालों की पहचान की गई है जो चाय की दुकानें, फलों की दुकानें, फूलों की दुकानें और पानी-पूरी की ठेले जैसे विभिन्न व्यवसायों में लगे हुए हैं।

एमईपीएमए अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक सीआईजी में 10 से 12 सदस्य होंगे। नियमित बचत को प्रोत्साहित करने के लिए समूह के सदस्यों के नाम पर बैंक खाते खोले जाएंगे। छह महीने तक उनके वित्तीय लेन-देन पर नज़र रखने के बाद, बैंक लिंकेज ऋण देंगे। इससे विक्रेताओं की निजी साहूकारों पर निर्भरता कम होने और उनके कारोबार को बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। कई विक्रेता दैनिक वित्तपोषकों पर निर्भर रहते हैं, जो उच्च ब्याज लेते हैं, आमतौर पर 3 से 5 प्रतिशत, जिससे विक्रेताओं को अपनी दैनिक कमाई का बड़ा हिस्सा देने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

इससे पहले, प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के ज़रिए रेहड़ी-पटरी वालों को राहत मिली थी। तीन चरणों में 10,000 रुपये, 20,000 रुपये और 50,000 रुपये के ऋण वितरित किए गए थे। हालांकि यह योजना समाप्त हो गई है, फिर भी कुछ विक्रेता किश्तें चुकाना जारी रखे हुए हैं। नई सीआईजी-आधारित सहायता प्रणाली से शहरी सड़क विक्रेताओं के लिए एक संरचित और टिकाऊ वित्तीय विकल्प उपलब्ध होने की उम्मीद है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.

बुमराह घर से बाहर सबसे ज्यादा 5-विकेट लेने वाले भारतीय

रूट के टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच, गिल के सीरीज में 600 रन पूरे

लॉर्ड्स, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। मुकाबले के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 387 रन बनाए। भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 145 रन बना लिए। टीम 242 रन पीछे है। शुभमन गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 600 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। जो रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बने। वहीं जसप्रीत बुमराह देश से बाहर टेस्ट में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए।

घर से बाहर सबसे ज्यादा 5-विकेट लेने वाले भारतीय

प्लेयर	5-विकेट	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह	13	35	168
कपिल देव	12	66	215
अनिल कुंबले	10	69	269
ईशांत शर्मा	9	63	207

बुमराह के 450 विकेट पूरे

जसप्रीत बुमराह ने पहली पारी में बेन स्टोक्स का विकेट लेने के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 450 विकेट पूरे कर लिए। बुमराह के नाम टेस्ट में 215, वनडे में 149 और टी-20 में 89 विकेट हैं। बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट भी लिए। टेस्ट में उन्होंने 15वीं बार 5-विकेट लिए। यह घर से बाहर उनका 13वीं बार 5-विकेट हॉल रहा। बुमराह घर से बाहर सबसे ज्यादा 5-विकेट लेने वाले भारतीय बने। उन्होंने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनके नाम 12 बार 5-विकेट लेने का रिकॉर्ड था।

रूट ने भारत के खिलाफ 11वां टेस्ट शतक लगाया

इंग्लैंड के सबसे सफल बैटर जो रूट ने शतक लगा दिया। यह टेस्ट में उनका 37वां शतक रहा, इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ा। जिनके नाम 36 टेस्ट शतक हैं। रूट ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट सेंचुरी लगाने के मामले में स्मिथ की बराबरी भी कर ली। दोनों के नाम 11-11 टेस्ट शतक हैं।

बुमराह ने रूट को 15वीं बार आउट किया

जो रूट को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड किया। इसी के साथ बुमराह इंटरनेशनल क्रिकेट में रूट को सबसे ज्यादा बार आउट करने वाले गेंदबाज बन गए।

उन्होंने 15वीं बार रूट को पवेलियन भेजा। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने रूट को 14 बार पवेलियन भेजा है।

रूट सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बने

जो रूट ने भारत की बैटिंग के दौरान करुण नायर का स्लिप में कैच पकड़ा। इसी के साथ वे बतौर फील्डर टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बन गए। रूट ने भारत के ही राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 210 कैच थे। रूट के 211 कैच हो गए।

जैमी स्मिथ सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले विकेटकीपर

इंग्लैंड के विकेटकीपर जैमी स्मिथ सबसे कम गेंदों में एक हजार टेस्ट रन बनाने वाले विकेटकीपर बने। उन्होंने पाकिस्तान के सरफराज अहमद का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1311 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे। स्मिथ ने 1303 गेंदों पर ही हजार रन बना लिए।

शतक जड़कर आउट हुए केएल राहुल

> इंग्लैंड की पहली पारी में रूट का शतक

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 का तीसरा मुकाबला लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर हो रहा है। इस मुकाबले का तीसरा दिन है। ऋषभ पंत 74 रन बनाकर आउट हो गए हैं. केएल राहुल भी शतक जड़कर आउट हो गए. रविंद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी क्रीज पर हैं।

भारत-इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की यह टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है. टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया था, जिसमें इंग्लैंड को 5 विकेट से जीत मिली थी. फिर बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने 336 रनों से शानदार जीत हासिल की. अब यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम की पहली पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13 रन) कुछ खास नहीं कर पाए और दूसरे ओवर में जोफ्रा आर्चर का शिकार बने. करुण नायर ने भी सेट होने के बाद अपना विकेट गंवाया. करुण ने 62 बॉल पर 40 रन बनाए, जिसमें चार चौके शामिल रहे. वहीं कप्तान शुभमन गिल 16 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हुए. इसके बाद केएल राहुल और पंत के बीच शतकीय साझेदारी हुई. लेकिन तीसरे दिन लंच ब्रेक से ठीक पहले पंत रन आउट हो गए. इसके बाद केएल राहुल ने शतक लगाया लेकिन वो 100 रन बनाकर आउट हो गए।

पहली पारी में इंग्लैंड ने 387 रनों का स्कोर खड़ा किया. जो रूट ने 10 चौके की मदद से 199 गेंदों पर 104 रन बनाए। रूट के टेस्ट करियर का ये 37वां और भारत के खिलाफ 11वां शतक रहा. मेजबान टीम के लिए ब्रायडन कार्स (56 रन) और जेमी स्मिथ (51 रन) भी अर्धशतकीय पारियां खेलने में कामयाब रहे। भारत की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट झटके. वहीं मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी को दो-दो सफलताएं प्राप्त हुईं. स्पिनर रवींद्र जडेजा ने भी एक विकेट हासिल किया।

विकेट पतन: 43-1 (बेन डकेट, 13.3 ओवर), 44-2 (जैक क्राउली, 13.6 ओवर), 153-3 (ओली पोप, 49.1 ओवर), 172-4 (हैरी ब्रूक, 54.5 ओवर), 5-260 (बेन स्टोक्स, 85.2 ओवर), 6-271 (जो रूट, 87.1 ओवर), 7-271 (क्रिस वोक्स, 87.2 ओवर), 355-8 (जेमी स्मिथ, 106.2 ओवर), 370-9 (जोफ्रा आर्चर, 109.3 ओवर), 387-10 (ब्रायडन कार्स, 112.3 ओवर)

लिवरपूल ने डियोगो जोटा की 'जर्सी नंबर 20' को रिटायर किया

लिवरपूल, 12 जुलाई (एजेंसियां)। लिवरपूल ने डियोगो जोटा के सम्मान में सभी स्तरों पर 'जर्सी नंबर 20' को रिटायर करने का ऐलान किया है। 28 वर्षीय डियोगो जोटा ने तीन जुलाई को कार दुर्घटना में अपनी जान गंवाई थी। प्रीमियर लीग चैंपियन ने बयान में कहा, इस जर्सी नंबर को उन्होंने गर्व के साथ पहनकर हमें अनगिनत जीत दिलाईं।

डियोगो जोटा हमेशा लिवरपूल फुटबॉल क्लब के 'नंबर 20' रहेंगे। यह कदम न केवल बीते पांच वर्षों में रेड्स की मैदान पर सफलताओं में पुर्तगाल के हमारे इस खिलाड़ी के अथाह योगदान को दर्शाता है, बल्कि साथियों, सहकर्मियों और समर्थकों पर उनके गहरे प्रभाव को भी साबित करता है।

स्पेन के जमोरा प्रांत में हुए कार हादसे में जोटा के साथ उनके भाई आंद्रे सिल्वा भी अपनी जान गंवा बैठे थे। स्पेनिश पुलिस के अनुसार, तेज गति से गाड़ी चलाते समय जोटा की कार सड़क से उतर गई और टायर फटने के बाद गाड़ी में आग लग गई। एफएसजी फुटबॉल के सीईओ माइकल एडवर्ड्स ने कहा, एक क्लब के रूप में हम सभी अपने समर्थकों की भावनाओं से अच्छी तरह वाकिफ थे। हमने भी बिल्कुल वैसा ही महसूस किया।

हमारे लिए यह बेहद जरूरी था कि हम इस फैसले में डियोगो की पत्नी रूट और उनके परिवार को शामिल करें। यह सुनिश्चित करें कि उन्हें हमारे इस कदम के बारे में सबसे पहले पता हो। मेरा मानना है कि लिवरपूल फुटबॉल क्लब के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी खिलाड़ी को ऐसा सम्मान दिया गया। यह एक अनोखे और अद्भुत खिलाड़ी को एक अनूठी श्रद्धांजलि है।

गिरने के कारण दौड़ पूरी नहीं कर पाए अविनाश साबले

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले गिरने के कारण मोनाको डायमंड लीग में दौड़ पूरी नहीं कर पाए। हालांकि, तेजी से उभरते धावक अनिमेष कुजूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रगति जारी रखते हुए अंडर-23 की 200 मीटर स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के एक आदिवासी गांव में जन्में कुजूर ने भारतीय पुरुष स्प्रिंटिंग में नई उम्मीद जगाई है। अब कुजूर की नजर सितंबर 2025 में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 20.16 सेकंड के कठिन क्वालिफाइंग मार्क पर है। अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर स्पर्धा में 10 सेकंड की बाधा को तोड़ने का संकल्प लिया है।

विंबलडन फाइनल में पहुंचा भारतीय मूल का खिलाड़ी, उत्तराखंड से रखता है खास नाता

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इस वक्त लंदन में टेनिस का सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट विंबलडन 2025 का आयोजन हो रहा है। इस बड़े टूर्नामेंट को देखने बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज आते हैं। कई भारतीय क्रिकेटर्स भी हाल ही में विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे। वुमेंस सिंगल कैटेगिरी में फाइनल अमांडा अनिसिमोवा और इगा स्विटेक के बीच खेला जाएगा जबकि मेंस सिंगल में कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर का मुकाबला होगा। हालांकि एक भारतीय मूल का खिलाड़ी भी विंबलडन जूनियर में अपने नाम का डंका बजा रहा है। हम बात कर रहे हैं अमेरिका के लिए खेलने वाले भारतीय मूल के टेनिस खिलाड़ी रोनित कर्की की। रोनित विंबलडन जूनियर के फाइनल में पहुंच गए हैं। आखिर कौन हैं रोनित, आइये उनके बारे में विस्तार से जानते हैं। रोनित कार्की 17 साल के अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी हैं, जो भारतीय मूल के हैं और जूनियर सर्किट में काफी धूम मचा रहे हैं। वह सीधे हाथ से खेलते हैं और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। 7 जुलाई 2025 तक, रोनित आईटीएफ जूनियर रैंकिंग में 52वें स्थान पर थे। 28 अप्रैल 2025 को उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 49 हासिल की थी। वह विंबलडन में जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए हैं। सेमीफाइनल में उन्होंने बुल्गारिया के अलेक्जेंडर वासिलेव को हराया था। क्वार्टर फाइनल में रोनित ने विश्व नंबर 16 एलन वाजनी को मात दी थी। रोनित ने जनवरी 2025 में अपने साथी जैक सैटरफील्ड के साथ आईटीएफ जूनियर जे300 बैरेंक्विला डबल्स का खिताब जीता। कार्की जून 2025 में रोलैंड गैरो जूनियर चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंचे थे। 2023 यूएसटीए विंटर नेशनल्स फॉर बॉयज 18 और 2024 ईस्टर बाउल बॉयज 18 डबल्स में डबल्स में गोल्ड बॉल हासिल की थी।

उत्तराखंड से है रोनित का परिवार

रोनित कार्की का परिवार उत्तराखंड, भारत के पंगखू के जाबुका गांव से है। उनके माता-पिता, त्रिलोक सिंह कार्की और कंचन कार्की, दोनों इंजीनियर हैं, जो अमेरिका चले गए थे जहाँ रोनित का जन्म हुआ। उनकी बड़ी बहन, नाओमी कार्की, भी अमेरिका के लिए जूनियर टेनिस खेलती हैं। रोनित कार्की का समर्पण और प्रतिभा उनकी तेज़ प्रगति से साफ दिखती है। विंबलडन में उनके प्रदर्शन ने खासकर बहुत ध्यान खींचा है और एक सफल पेशेवर करियर के लिए उनकी क्षमता को दर्शाता है।

'जिंदगी का कोई भरोसा नहीं', डियागो जोटा की मौत से टूटे रोनाल्डो के फैन मोहम्मद सिराज

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि लिवरपूल के फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत की खबर सुनकर वह काफी भावुक हो गए। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जैमी स्मिथ का विकेट लेने के बाद उनकी प्रतिक्रिया पुर्तगाली फारवर्ड के प्रति श्रद्धांजलि थी। स्मिथ को आउट करने के बाद सिराज ने अपनी उंगलियों से '20' (लिवरपूल में जोटा की जर्सी नंबर जिसे अब रिटायर कर दिया गया है) का अंक बनाया और फिर इस फुटबॉलर के सम्मान में दोनों हाथ आसमान की ओर उठाए, जिनकी तीन जुलाई को स्पेन के जमोरा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस दुर्घटना में उनके भाई आंद्रे सिल्वा की भी जान चली गई थी। सिराज ने कहा कि वह पिछले टेस्ट में ही इस फुटबॉलर के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करना चाहते थे, जिसे भारत ने 336 रन से जीतकर श्रृंखला बराबर कर दी थी। बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में सिराज ने कहा, ''हमें पिछले मैच (बर्मिंघम में) के दौरान पता चला कि डिओगो जोटा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है।''

कार्लोस लगातार तीसरे विंबलडन फाइनल में पहुंचे

सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को हराया, सिनर से होगा खिताबी मुकाबला

स्पोर्ट्स डेस्क, 12 जुलाई (एजेंसियां)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने लगातार तीसरे साल विंबलडन मेंस सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को हरा दिया। फाइनल में उनका सामना वर्ल्ड नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर से होगा। सिनर ने विंबलडन के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हराया।

4 सेट में जीते अल्काराज

मेंस सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में अल्काराज ने वर्ल्ड नंबर-5 फ्रिट्ज के खिलाफ पहला सेट 6-4 से जीता। फ्रिट्ज ने वापसी की और 7-5 से दूसरा सेट जीत लिया। तीसरे सेट में अल्काराज ने कमबैक किया और 6-3 से सेट जीतकर बढ़त बना ली। चौथे सेट में बराबरी की टक्कर दिखी, लेकिन अल्काराज ने 7-6 (8-6) से आखिरी सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अल्काराज ने 2023 से लगातार तीसरी बार विंबलडन फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने पिछले दोनों बार सर्बिया के नोवाक जोकोविच को ही खिताबी मुकाबला हराकर ट्रॉफी जीती थी। 2024 में मुकाबला 5 सेट तक चला, लेकिन 2023 में अल्काराच ने 3 सेट में ही खिताब जीत लिया। जोकोविच अब दूसरे सेमीफाइनल में सिनर को हराकर फाइनल में पहुंच सकते हैं।

जोकोविच विंबलडन से बाहर

जोकोविच को सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 सिनर ने सीधे सेट्स (6-3, 6-3, 6-4) से हराया। मैच के दौरान जोकोविच को पुरानी चोटों व उम्र के कारण कई कठिनाइयां झेलनी पड़ीं। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि उम्र का असर निश्चित रूप से टीम पर पड़ता रहा।

विमेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर-8 जोड़ी ने सेमीफाइनल जीता

विमेंस डबल्स में बेल्जियम की एलिस मर्टेंस और रूस की वेरोनिका कुडरमेटोवा की वर्ल्ड नंबर-8 जोड़ी ने फाइनल में जगह बना ली। दोनों ने सेमीफाइनल में अमेरिका की डिजायरे क्रजिक और ऑस्ट्रेलिया की ओलिविया गैडेकी की गैरवरीय जोड़ी को 3-6, 6-0, 6-3 के अंतर से हरा दिया।

मेंस डबल्स के फाइनल में पहुंची गैरवरीय जोड़ी

मेंस डबल्स के सेमीफाइनल मुकाबले भी 10 जुलाई को खेले गए। ब्रिटेन के लॉयड ग्लासपूल और जूलियन कैश की वर्ल्ड नंबर-5 जोड़ी ने फाइनल में जगह बना ली। 12 जुलाई को खिताबी मुकाबले में उनका सामना नीदरलैंड के डेविड पेल और ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाता की गैरवरीय जोड़ी से होगा।

सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने दी नोवाक जोकोविच को मात

फाइनल में कार्लोस अल्कारेज से होगा सामना

नई दिल्ली यानिक सिनर ने सेमीफाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में सिनर ने जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हरा दिया। खिताबी मैच में अब उनका सामना कार्लोस अल्कारेज से होगा। खिताबी मैच में अब उनका सामना कार्लोस अल्कारेज से होगा। इससे पहले गत विजेता अल्कारेज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। नंबर एक रैंकिंग वाले सिनर सेंटर कोर्ट में अपनी इस जीत के साथ पहली बार विंबलडन के फाइनल में पहुंचे हैं।

संन्यास की अटकलों पर आया जोकोविच का बयान, बोले-'यह मेरा आखिरी विंबलडन...'

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए साफ कहा है कि वह एक बार और विंबलडन में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि उनका इरादा कम से कम एक बार और इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में खेलने का है। बता दें कि, शुक्रवार को विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने जोकोविच को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। अब सिनर का सामना अल्कारेज से होगा। सेंटर कोर्ट पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर से 6-3, 6-3, 6-4 से मिली हार ने जोकोविच के विंबलडन में रोजर फेडरर के आठ चैंपियनशिप के पुरुष रिकॉर्ड की बराबरी करने और 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के प्रयास पर पानी फेर दिया। जोकोविच ने कहा, 'मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।'

एशिया कप और जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारत में पाकिस्तान के आने की संभावना कम

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में एशिया कप हॉकी और जूनियर हॉकी विश्व कप का आयोजन होना है। भारत सरकार की तरफ से पाकिस्तानी टीम को आने को लेकर सकारात्मक रुख रखा गया है। लेकिन पाकिस्तान सरकार इन आयोजनों के लिए अपनी सीनियर और जूनियर टीम को भारत नहीं भेजने का विचार कर रही है। पाकिस्तान को 27 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप में भाग लेना है, जिसके लिए पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सरकार से मंजूरी मांगी है। पाकिस्तान को इस साल नवंबर-दिसंबर में चेन्नई में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप में भी भाग लेना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया, दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए शहजाद शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार द्वारा राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत आने की अनुमति देने की कोई संभावना नहीं है। सूत्रों ने कहा कि गठबंधन सरकार के सदस्यों का मानना है कि दोनों पड़ोसियों के बीच सशस्त्र संघर्ष के बाद टीम भेजना सुरक्षित नहीं होगा। दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, दोनों देशों के बीच संघर्ष हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि सरकार से स्पष्ट 'नहीं' सुनने के बाद पाकिस्तान हॉकी महासंघ एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) से मांग करेगा कि वे इन प्रतियोगिताओं को मलेशिया या ओमान जैसे किसी तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करें। पीएचएफ सूत्रों ने कहा, पीएचएफ इन आयोजनों को भारत से बाहर कराने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है, क्योंकि मलेशिया और ओमान के पास इन आयोजनों के लिए बोली लगाने के लिए जरूरी धनराशि नहीं है, जो लगभग एक लाख डॉलर है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने पिछली बार 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का दौरा किया था, जहां वह छह टीमों में पांचवें स्थान पर रही थी। भारत ने यह प्रतियोगिता जीती थी। इस आयोजन के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई थी। भारत से हाल ही में आई रिपोर्टों से पता चला है कि अधिकारी पाकिस्तान को हॉकी आयोजनों में भाग लेने की अनुमति देने को तैयार हैं। हॉकी इंडिया ने यह भी कहा था कि उन्हें विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय से अनुमति मिल गई है।

लेकिन जब से ये रिपोर्टें सामने आई हैं, भारतीय मीडिया ने इस अनुमति पर तीखे हमले शुरू कर दिए हैं, जिससे पाकिस्तान में गंभीर आशंकाएं पैदा हो गई हैं। पाकिस्तान द्वारा हॉकी टीम को भारत भेजने का विरोध शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री शहबाज के युवा मामलों के कार्यक्रम प्रमुख राणा मशूद ने शुक्रवार को कराची में कहा, हम चाहते हैं कि पाकिस्तान हॉकी टीम भी भारत को उसकी धरती पर हराए, लेकिन हालिया तनाव के बाद, टीम को भारत भेजना उचित नहीं होगा।